खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 14 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 16 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-253

ऑपरेशन सिंदूर : राफेल मारा नहीं था, राफेल के झांसे में आया था पाकिस्तान

परमाणु बम गिराने में सक्षम 114 सुपर राफेल विमान खरीदेगा भारत

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय वायुसेना ने 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय को भेज दिया है। इस प्रस्ताव के साथ संलग्न रिपोर्ट से यह पुष्टि हो गई है कि ऑपरेशन सिंदूर के दरम्यान राफेल विमान मार गिराने का पाकिस्तानी दावा झूठा था। दरअसल, पाकिस्तान राफेल विमान के झांसे में आ गया था। राफेल में लगे एक पुछल्ले ने पाकिस्तानी मिसाइल सिस्टम को भ्रमित कर दिया और पाकिस्तान को लगा कि उसने राफेल को हिट किया है। राफेल की इस तकनीक ने पाकिस्तान को उलझाया और उसके पूरे रडार सिस्टम को कुछ देर के लिए ठप्प कर दिया। राफेल विमानों की खरीद को लेकर भारत और फ्रांस के बीच 2 लाख करोड़ की सबसे बड़ी डील पर बातचीत शुरू हो गई है। भारत की शर्त है कि ये विमान फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन द्वारा भारतीय एयरोस्पेस कंपनियों के साथ मिलकर बनाए जाएंगे, जिसमें 60 प्रतिशत से अधिक भारतीय उपकरणों का इस्तेमाल होगा। भारतीय नौसेना ने भी 36 राफेल मरीन जेट ऑर्डर किए हैं।

इस खरीद से भारतीय रक्षा बलों में राफेल विमानों की संख्या 176 हो जाएगी। भारतीय वायुसेना के पास पहले से ही 36 राफेल फाइटर जेट हैं। नौसेना ने भी 36 राफेल मरीन जेट के ऑर्डर दिए हैं। यह प्रस्ताव ऑपरेशन सिंदूर के बाद आया है, जहां राफेल ने पाकिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। इसके स्पेक्ट्रा इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम ने चीनी पीएल-15 मिसाइलों को धूल चटा दी थी। भारत में निर्मित होने वाले इन नए राफेल विमानों में मौजूदा स्कैल्प मिसाइल से लंबी

फ्रांस से 2 लाख करोड़ की सबसे बड़ी डील पर बातचीत शुरू

रेंज वाली एयर-टू-ग्राउंड मिसाइलें लगाई जा सकती हैं। डसॉल्ट एविएशन हैदराबाद में एम-88 इंजनों के लिए रखरखाव, मरम्मत और ओ-वरहॉल (एमआरओ) सेंटर स्थापित करने की योजना बना रही है। कंपनी ने फ्रेंच जेट्स के रखरखाव के लिए पहले ही एक यूनिट बना ली है। टाटा जैसी निजी क्षेत्र की भारतीय कंपनियां इस एयरक्राफ्ट की मैनुफैक्चरिंग

में शामिल होंगी। चीन और पाकिस्तान के साथ लगने वाली सीमाओं पर बढ़ते खतरे के कारण भारतीय वायुसेना को अधिक से अधिक लड़ाकू विमानों की जरूरत है। भारतीय वायु सेना की लड़ाकू विमानों की भविष्य की फ्लीट मुख्य रूप से सुखोई-30 एमकेआई, राफेल, तेजस और अन्य स्वदेशी प्रोजेक्ट्स पर आधारित होगी। भारत सरकार ने हाल ही में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को 97 एलसीए एमके 1ए जेट के लिए भी ऑर्डर दिए हैं, जिसकी अनुमानित लागत 62,000 करोड़ रुपए है। 48000 करोड़ रुपए 83 एलसीए एमके 1ए जेट के लिए ऑर्डर 2021 में दिया जा चुका है।

इस डील के फाइनल होने पर यह दुनिया के सबसे बड़े डिफेंस

60% स्वदेशी सामग्री के साथ भारतीय कंपनियां करेगी तैयार

समझौतों में से एक होगी। यह सौदा वायुसेना की सबसे बड़ी खरीद योजनाओं में से एक होगा और इसे मीडियम रोल फाइटर एयरक्राफ्ट (एमआरएफए) कार्यक्रम के तहत पूरा किया जाएगा। भारतीय वायुसेना के पास फिलहाल 36 राफेल फाइटर जेट हैं, जिन्हें साल 2020 में भारतीय वायुसेना के स्काड्रन में शामिल किया गया था। 114 विमानों का सौदा होने का मतलब है कि इससे भारतीय वायुसेना में राफेल लड़ाकू विमानों के 6-7 नए स्काड्रन हो जाएंगे। अभी भारत के पास राफेल के 2 स्काड्रन मौजूद हैं।

राफेल फाइटर जेट का एफ3आर वह वैरिएंट है, जिसे भारत ने साल 2016 खरीदने के लिए फ्रांस से डील किया था। 36 राफेल फाइटर जेट के लिए भारत ने अनुमानित 59,000 करोड़ रुपए का डील किया था। इस वैरिएंट में भारतीय वायुसेना की जरूरतों के मुताबिक करीब 13 बदलाव किए गए थे। भारतीय वायुसेना ने एफ3आर वैरिएंट को चीन के साथ 2020 के तनावपूर्ण हालात के दौरान पूर्वी लद्दाख में भी तैनात किया था, जिससे इसकी विश्वसनीयता और युद्ध क्षमता साबित हुई थी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान पर हमला करने के लिए राफेल फाइटर जेट का ही इस्तेमाल किया था।

राफेल के एससीएएलपी (स्काल्प) मिसाइलों ने पाकिस्तान में स्थिति आतंकवादियों के ठिकानों को तबाह किया था। एफ-4 वैरिएंट भविष्य की मिसाइलों, बेहतर रडार इमेजिंग, नेटवर्क वॉरफेयर क्षमता और स्मार्ट बमों की बड़ी रेंज के साथ लैस है। भारत अब एमआरएफए कार्यक्रम के तहत सीधे एफ-4 वेरिएंट की ओर देख रहा है।

मणिपुर और मिजोरम से प्रधानमंत्री मोदी ने दिया दूरगामी संदेश

आशा और आकांक्षाओं की धरती है मणिपुर

इंफाल/आइजोल, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पूर्वोत्तर के दो राज्यों मणिपुर और मिजोरम का दौरा किया और पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर फैलाई जा रही तमाम भ्रांतियों पर पानी फेर दिया। पीएम मोदी ने मणिपुर और मिजोरम को विकास की विभिन्न परियोजनाओं का तोहफा दिया और साथ में भरोसा भी दिया कि भारत सरकार मणिपुर के लोगों और पूर्वोत्तर राज्य के सभी लोगों के साथ खड़ी है। मणिपुर में दो साल पहले भड़की हिंसा के बाद पीएम मोदी का यह पहला दौरा है। उन्होंने मणिपुर के चुराचांदपुर में विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखी। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, मैं आपके साथ हूं, भारत सरकार मणिपुर के लोगों के साथ है। प्रधानमंत्री ने मिजोरम को पहली रेल लाइन का ऐतिहासिक उपहार दिया और तमाम विकास योजन-ाओं की शुरुआत की। पूर्वोत्तर की धरती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री चुनी गईं पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को बधाई दी

पीएम मोदी ने किया मिजोरम की पहली रेल लाइन का उद्घाटन

और कहा कि विषम स्थितियों में भी नेपाल के नागरिकों ने लोकतंत्र को प्राथमिकता दी, इसके लिए नेपाल के नागरिक भी सराहना के पात्र हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर के लोगों के जज्बे को सलाम किया और कहा, भारी बारिश के बावजूद आप इतनी बड़ी संख्या में यहां एकत्रित हुए हैं। मैं आपके प्यार और स्नेह के लिए तहे दिल से आभारी हूं। जब मौसम की वजह से मेरा हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका, तो मैंने सड़क मार्ग से यात्रा करने का विकल्प चुना। सड़क किनारे लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर मेरा स्वागत किया। मुझे जो गर्मजोशी और प्यार मिला, उसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा। मैं मणिपुर के लोगों के प्रति सम्मानपूर्वक अपना सिर झुकाता हूं। पीएम मोदी ने कहा, मणिपुर की धरती आशा और आकांक्षाओं की धरती है। दुर्भाग्य से इस खूबसूरत क्षेत्र पर हिंसा का साया पड़ गया है। कुछ समय पहले मैं राहत शिविरों में रह रहे प्रभावित लोगों से मिला। उनसे मिलने के बाद मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मणिपुर में आशा और विश्वास का एक नया सवेरा उग रहा है।

▶10पर

नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री को मोदी ने दी बधाई

इंफाल, 13 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज मणिपुर की इस धरती से मैं नेपाल में अपने सहयोगियों से भी बात करूंगा। नेपाल भारत का मित्र है, घनिष्ठ मित्र है। हम साझा इतिहास से, साझा आस्था से जुड़े हैं और साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। आज, देशवासियों की ओर से, मैं श्रीमती सुशीला जी को नेपाल में अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने पर हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि वह नेपाल में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगी। सुशीला जी का नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेना महिला सशक्तिकरण का एक बहुत अच्छा उदाहरण है। पीएम मोदी ने कहा, आज मैं नेपाल के हर उस व्यक्ति की प्रशंसा करूंगा जिन्होंने इतने अस्थिर वातावरण में भी लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोच्चता पर रखा। पिछले कुछ दिनों से, नेपाल के युवाओं को नेपाल की सड़कों की सफाई और रंग-रोगन में कड़ी मेहनत करते देखा जा सकता है। मैंने सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें भी देखी हैं। उनकी सकारात्मक सोच और सकारात्मक कार्य न केवल प्रेरणादायक हैं, बल्कि नेपाल के नए उदय का स्पष्ट संकेत भी हैं। मैं नेपाल को उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

संयुक्त राष्ट्र में भारत-इजराइल ने पाकिस्तान को खूब धोया

इजराइल ने पाकिस्तान की बोलती बंद कर दी

न्यूयॉर्क, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

इजराइल ने पाकिस्तान को आड़े हाथों लेते हुए उस पर दोहरा रवैया अपनाने का आर-ोप लगाया। इजराइल ने कहा कि पाकिस्तान इस तथ्य को नहीं बदल सकता कि खूंखार आतंकी ओसामा बिन लादेन उनकी धरती पर मारा गया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच जमकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। दरअसल पाकिस्तान ने कतर में इजराइली हमले की निंदा की और पूछा कि विदेशी धरती पर आतंकवादी को निशाना क्यों बनाया गया? इस पर इजराइली राजदूत ने तीखा जवाब देते हुए पाकिस्तानी प्रतिनिधि की बोलती बंद कर दी। इजराइली प्रतिनिधि डैनी डैनन ने कहा कि जब ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान में मार गिराया गया था, तब तो सवाल यह नहीं पूछा गया था कि विदेशी धरती पर एक आतंकवादी को क्यों निशाना बनाया गया?

आतंकवाद के प्रायोजक को उपदेश देने का हक नहीं : भारत

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की न्यूयॉर्क शहर में हुई बैठक,ओसामा बिन लादेन द्वारा आयोजित 9/11 के आतंकवादी हमलों की 24वीं बरसी पर हुई। इस बैठक में इजराइली और पाकिस्तान के दूतों के बीच तीखी बहस हुई। यह बहस गुरुवार को कतर की राजधानी दोहा में हुए हमले को लेकर हुई, जिसमें इजराइल ने हमास नेताओं को निशाना बनाया। अपने संबोधन में पाकिस्तान के दूत आसिम इफ्तिखार अहमद ने कतर के खिलाफ इजराइल के हमले को अवैध और अकारण आक्रामक करार दिया और हमले की कड़ी निंदा की। पाकिस्तान ने कहा कि निरंतर आक्रामकता क्षेत्रीय शांति को कमजोर करती है। पाकिस्तानी दूत ने गाजा में इजराइली सैन्य कार्रवाइयों को क्रूर बताया और कहा कि सीरिया, लेबनान, ईरान और यमन पर बार-बार हमले कर इजराइल ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है।

पाकिस्तान के आरोपों का जवाब देते हुए इजराइल के स्थायी प्रतिनिधि डैनी डैनन ने पाकिस्तान के राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद की ओर हाथ उठाते हुए कहा, जब बिन लादेन को पाकिस्तान में मारा गया था, तो तब यह सवाल क्यों नहीं पूछा गया था कि विदेशी धरती पर एक आतंकवादी को क्यों निशाना बनाया गया? सवाल यह था कि आखिर एक आतंकवादी को पनाह क्यों दी गई? बिन लादेन को कोई छूट नहीं थी, और हमास को भी कोई छूट नहीं मिल सकती। इजराइल ने पाकिस्तान पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने याद दिलाया कि 9/11 के हमले के बाद सुरक्षा परिषद ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि कोई भी देश आतंकवादियों को पनाह नहीं देगा, न ही उन्हें धन देगा और न ही उन्हें पनाह देगा।

डैनी डैनन ने कहा कि सच तो यह है कि ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान में मारा गया था और किसी ने अमेरिका की निंदा नहीं की। और जब इस परिषद के अन्य देश आतंकवादियों पर हमला करते हैं, तो कोई उनकी निंदा नहीं करता। यही दोहरे मानदंड हैं। जब आप अपने लिए लागू मानकों से अलग मानक इजराइल पर लागू करते हैं, तो यही इस संस्था की समस्या है। अमेरिकी सेना ने मई 2011 में पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एबटाबाद में एक विशेष अभियान चलाकर बिन लादेन को मार गिराया था।

भारत ने भी संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पाकिस्तान को जमकर फटकार लगाई। भारत ने कहा कि उसे ऐसे आतंकवाद के प्रायोजक से सबक लेने की आवश्यकता नहीं है

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में शत्रु सम्पत्तियों पर बसा दी गईं बस्तियां

नौकरशाहों ने फाइलें दबाईं, बिफरा गृह मंत्रालय

देहरादून, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तराखंड से लेकर उत्तर प्रदेश तक शत्रु सम्पत्तियों पर अवैध कब्जों की भरमार है। शत्रु सम्पत्तियों पर बस्तियां और कॉलोनियां बसा दी गई हैं। रिश्वत लेकर नौकरशाहों ने शत्रु सम्पत्तियों पर अवैध कब्जा होने दिया और कार्रवाई की फाइलें दबा दीं। फाइलें दबाए जाने को लेकर गृह मंत्रालय ने भीषण नाराजगी जताई है और खास तौर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सख्त कार्रवाई करने का निर्देश भेजा है। उत्तराखंड की शत्रु सम्पत्तियां हरिद्वार से लेकर उत्तर प्रदेश के सहारनपुर तक फैली हैं, लिहाजा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी सम्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

देवभूमि उत्तराखंड में शत्रु सम्पत्ति मामलों में केंद्र के आदेश के बाद सीएम पुष्कर सिंह धामी के निर्देश के बाद शत्रु सम्पत्तियों की फाइलें एक-एक कर खुलने लगी हैं। फैज मोहम्मद की शत्रु सम्पत्ति समेत 34 अन्य सम्पत्तियों की फाइलें खोली गईं लेकिन इन फाइलों को फिर से खामोशी की चादर में छिपा दिया गया। इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय से सख्त दिशा-निर्देश मिले हैं कि जिला मजिस्ट्रेट उक्त शत्रु सम्पत्तियों पर कब्जा लेकर सरकार के माध्यम से गृह मंत्रालय को रिपोर्ट करें। फैज मोहम्मद के नाम से शत्रु सम्पत्तियां देहरादून में पंजीकृत हैं और सहारनपुर एवं देहरादून के भू-माफिया पिछले कुछ समय से उन पर अतिक्रमण करने में लगे हुए हैं और फर्जी वारिसान दस्तावेजों के जरिए उन पर अवैध कब्जा कर रखा है। उत्तराखंड बनने के बाद भी देहरादून हरिद्वार के भू-राजस्व दस्तावेज सहारनपुर कमिश्नरी में ही रहे, क्योंकि उस समय कमिश्नरी सहारनपुर में हुआ करती थी और वहां वर्षों पुराने जमीन के दस्तावेज उपलब्ध थे, वहीं से भू-माफिया देहरादून की जमीनों के कागजात में फर्जीवाड़ा करते रहे। इससे पहले डीएम सोनिका ने इन मूल दस्तावेजों को देहरादून मंगवाया था, जिसके बाद भूमाफियाओं पर कार्रवाई शुरू हुई।

गृह मंत्रालय ने मुख्यमंत्रियों को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया

▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,13,120/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,32,240/- (प्रति किलोग्राम)

हिंदी दिवस - हमारी पहचान और गर्व

भारत में हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी के सम्मान और महत्व को समर्पित है। 14 सितंबर, 1949 को ही संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता, संस्कृति और गौरव का प्रतीक है।

प्रमोद केडिया
अध्यक्ष अग्रसेन बैंक एवं अध्यक्ष अग्रवाल शिक्षा समिति, हैदराबाद

यह वह भाषा है जो देश के अलग-अलग राज्यों और समुदायों को एक धागे में पिरोती है। भले ही भारत में कई भाषाएँ बोली जाती हैं, लेकिन हिंदी हमें एक-दूसरे से जुड़ने का अवसर देती है। हिंदी दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हमें अपनी भाषा का सम्मान करना चाहिए और इसके प्रचार-प्रसार में योगदान देना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी इसकी समृद्ध विरासत को जान सकें। यह दिन हमें अपनी जड़ों से जुड़ने और अपनी सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने का अवसर देता है।

हिंदुस्तान की पहचान है हिंदी

हर साल 14 सितंबर को पूरे भारत में राष्ट्रीय हिंदी दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन हिंदी भाषा को सम्मान देने और इसके प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हिंदुस्तान की पहचान है, जो देश की आत्मा और संस्कृति को जोड़ती है। यह लोगों के दिलों को एक सूत्र में बांधने वाली कड़ी है।

हिंदी, भारत की राजभाषा होने के साथ-साथ सबसे अधिक बोली जाने वाली और सम्मानित भाषाओं में से एक है। यह न केवल भारत में, बल्कि विश्व के कई देशों में बोली और समझी जाती है। हिंदी साहित्य, कविता, कहानियां, और फिल्में भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा हैं, जो लोगों के जीवन को समृद्ध बनाती हैं। हिंदी दिवस हमारी विविध सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

14 सितंबर 1949 को भारतीय संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। इस ऐतिहासिक निर्णय के पीछे बीज नारायण शर्मा, महावीर प्रसाद द्विवेदी, और काका कालेलकर जैसे विद्वानों और साहित्यकारों का

महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसी स्मृति में वर्ष 1953 से हिंदी दिवस मनाया जा रहा है। यह दिन हमें हमारी भाषा की समृद्ध विरासत और इसके महत्व को याद दिलाता है।

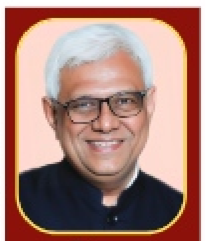

अनिरुद्ध गुप्ता
अध्यक्ष, अग्रवाल समाज तेलंगाना

आज के युग में, जब अंग्रेजी का प्रभाव बढ़ रहा है, कुछ लोग हिंदी को लेकर हीन भावना रखते हैं। हमें यह समझना होगा कि कोई भी भाषा छोटी या बड़ी नहीं होती; यह केवल अभिव्यक्ति का माध्यम है। हिंदी हमारी सोच, संस्कृति, और पहचान का प्रतीक है। हमें हिंदी के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं का भी सम्मान करना चाहिए, लेकिन हिंदी को उसका उचित स्थान दिलाना हमारा कर्तव्य है।

हमें गर्व है कि हमारे पास हिंदी जैसी समृद्ध भाषा है। हमें हिंदी बोलने, लिखने, और पढ़ने में रुचि लेनी चाहिए। यह हमारी शान और गौरव का प्रतीक है। इस हिंदी दिवस पर, आइए संकल्प लें कि हम हिंदी का प्रचार-प्रसार करेंगे, इसका सम्मान करेंगे, और इसे अगली पीढ़ियों तक पहुंचाएंगे। हिंदी भारत की एकता और अखंडता की प्रतीक है, और इसका सम्मान करना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है।

हिंदी का सम्मान: एक भाषा, एक पहचान

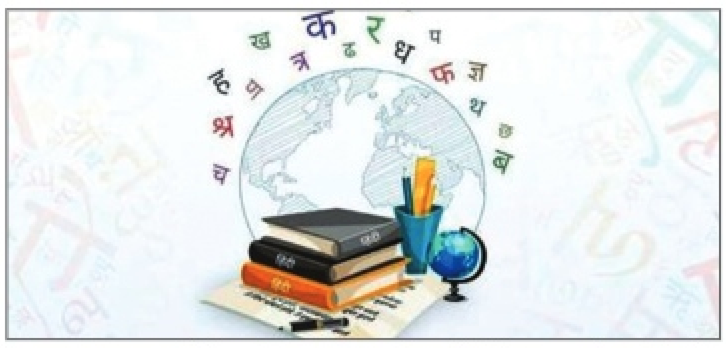

हर साल 14 सितंबर को भारत में राष्ट्रीय हिंदी दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में भव्य आयोजन, कार्यशालाएं, और समाचार पत्रों में शुभकामना विज्ञापनों का दौर चलता है। लेकिन यह उत्सव एक दिन तक सीमित रह जाता है, और हिंदी की स्थिति में कोई खास बदलाव नहीं आता। इसका प्रमुख कारण यह है कि हम हिंदी दिवस को केवल औपचारिकता तक सीमित रखते हैं और इसके मूल उद्देश्य से भटक जाते हैं।

आज के दौर में अंग्रेजी के बढ़ते प्रभाव ने हिंदी को हाशिए पर धकेल दिया है। हिंदी बोलने वालों को अक्सर अनपढ़ या गंवार समझा जाता है, जो हमारी मानसिकता की गुलामी को दर्शाता है। अपने ही देश में हम अपनी मातृभाषा को वह सम्मान नहीं दे पा रहे, जो हर देशवासी को अपनी भाषा के प्रति देना चाहिए। जब हम बड़े होटलों या बिजनेस क्लास के बीच गर्व से हिंदी बोलते हैं, तो हमें तुच्छ नजरों से देखा जाता है। वहीं, जब बच्चा मेहमानों के सामने अंग्रेजी में कविता सुनाता है, तो माता-पिता को गर्व होता है। यही कारण है कि लोग हिंदी बोलने से हिचकते हैं।

सतीश कुमार गुप्ता
संयोजक, राधे राधे ग्रुप

आजकल माता-पिता अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए अच्छे स्कूलों में भेजते हैं, जहां विदेशी भाषाओं पर अधिक जोर दिया जाता है, जबकि हिंदी को दोयम दर्जा मिलता है। यह धारणा बन गई है कि हिंदी में रोजगार के अवसर सीमित हैं। लेकिन यह सोच गलत है। हिंदी न केवल हमारी सांस्कृतिक पहचान है, बल्कि यह विश्व स्तर पर भी तेजी से अपनी जगह बना रही है। हिंदी साहित्य और भाषा ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया।

हमें यह समझना होगा कि हिंदी को अपनाना कमजोरी नहीं, बल्कि गर्व की बात है। हिंदी दिवस मनाने का अर्थ केवल उत्सव नहीं, बल्कि इस भाषा को जीवित रखने और इसे बढ़ावा देने का संकल्प लेना है। हमें अपने बच्चों को हिंदी सिखाने, बोलने और इसके साहित्य को पढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। स्कूलों में हिंदी को वैकल्पिक विषय के बजाय अनिवार्य और सम्मानजनक स्थान देना होगा।

यह समय है कि हम हिंदी को लेकर अपनी सोच बदलें। हिंदी को कम आंकना बंद करें और इसे उतना ही महत्व दें, जितना हम विदेशी भाषाओं को देते हैं। हिंदी हमारी पहचान है, हमारी शक्ति है। आइए, इस हिंदी दिवस पर संकल्प लें कि हम अपनी मातृभाषा का सम्मान करेंगे और इसे हर क्षेत्र में गर्व के साथ अपनाएंगे।

हिंदी भावों की अभिव्यक्ति और एकता का सूत्र

हर साल 14 सितंबर को भारत में राष्ट्रीय हिंदी दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भावनाओं की अभिव्यक्ति और हमारी सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। यह वह भाषा है जो देश को एकता के सूत्र में बांधती है और हमारी संस्कृति को जीवित रखती है।

दुनिया भर में हिंदी की स्वीकार्यता

हिंदी की अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यह विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है, जो अंग्रेजी और मंदारिन के बाद आती है। भारत के अलावा, अमेरिका, मॉरीशस, दक्षिण अफ्रीका, यमन, न्यूजीलैंड, नेपाल और अन्य कई देशों में बसे भारतीय प्रवासी और स्थानीय लोग हिंदी बोलते हैं। यह वैश्विक स्तर पर हिंदी की लोकप्रियता को दर्शाता है। हिंदी को और बढ़ावा देने के लिए हर साल 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस भी मनाया जाता है।

हिंदी का बढ़ता दायरा

आज के डिजिटल युग में हिंदी का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। सोशल मीडिया पर हिंदी में पढ़ने और लिखने का चलन बढ़ा है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हिंदी का महत्व बढ़ रहा है। अब एमबीबीएस और बीटेक जैसी तकनीकी और चिकित्सा शिक्षा की किताबें हिंदी में उपलब्ध हैं, जिससे हिंदी में उच्च शिक्षा प्राप्त करना संभव हो रहा है। यह एक सकारात्मक बदलाव है, जो हिंदी को आधुनिक और प्रासंगिक बनाता है।

रामप्रकाश अग्रवाल
गोयल फार्मा, गोयल ड्रग्स

हिंदी को रोजगार की भाषा बनाना जरूरी

आज रोजगार के क्षेत्र में अंग्रेजी का वर्चस्व है, जिसके कारण हिंदी को कई बार कमतर आंका जाता है। हमें हिंदी को रोजगार की भाषा बनाने की दिशा में काम करना होगा। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों पर अंग्रेजी थोपने के बजाय उन्हें हिंदी सिखाने पर भी ध्यान दें। कोई भी भाषा तभी जीवित रहती है, जब उसके शब्दों का उपयोग हो, नये शब्द गढ़े जाएं, साहित्य रचा जाए, और ज्ञान का निर्माण हो।

हिंदी केवल एक संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी भावनाओं, विचारों और संस्कृति की अभिव्यक्ति है। यह हमारी पहचान और गौरव का प्रतीक है। इस हिंदी दिवस पर, आइए संकल्प लें कि हम हिंदी को अधिक से अधिक उपयोग में लाएंगे, इसका सम्मान करेंगे, और इसे अगली पीढ़ियों तक पहुंचाएंगे। हिंदी को अपनाकर हम न केवल अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करेंगे, बल्कि इसे वैश्विक मंच पर भी गौरव प्रदान करेंगे।

हमारे स्वाभिमान की भाषा है हिंदी

हिंदी हमारे स्वाभिमान और गर्व की भाषा है। इसने हमें विश्व में एक नई पहचान दिलाई है। भारत में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। हिंदी विश्व की प्रमुख भाषाओं में से एक है। यह प्राचीन, समृद्ध और सरल भाषा होने के साथ-साथ हमारी राष्ट्रभाषा भी है। हिंदी न केवल भारत में, बल्कि दुनियाभर में हमें सम्मान दिलाती है। यह भाषा हमारे सम्मान, स्वाभिमान और गर्व की प्रतीक है। तथ्य यह भी है कि हिंदी विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली तीसरी भाषा है।

महेश अग्रवाल
संयोजक, राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद

कश्मीर से कन्याकुमारी तक, साक्षर से निरक्षर तक हर व्यक्ति हिंदी भाषा को आसानी से बोल और समझ सकता है। यही इसकी सबसे बड़ी खासियत है कि इसे समझने और बोलने में किसी को कठिनाई नहीं होती। पहले के समय में अंग्रेजी का इतना प्रचलन नहीं था, इसलिए हिंदी हर वर्ग के लिए सम्मान की भाषा थी। लेकिन बदलते समय के साथ अंग्रेजी ने भारत में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। इस कारण आज हमें अपनी राष्ट्रभाषा हिंदी को केवल एक दिन के नाम पर मनाना पड़ता है। पहले जहां स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम की मांग कम थी, अब बढ़ती मांग के कारण देश के कई बड़े स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे हिंदी में पीछे रह रहे हैं। उन्हें हिंदी ठीक से लिखना और बोलना भी नहीं आता। भारत में रहकर हिंदी को महत्व न देना हमारी एक बड़ी भूल है।

हिंदी का महत्व – संवाद से संस्कृति तक

हिंदी भारत की सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। इसका महत्व केवल बोलचाल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत का भी हिस्सा है। भारतेंदु हरिश्चंद्र ने कहा था, निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल, जिसका अर्थ है कि अपनी भाषा की उन्नति ही हर तरह की उन्नति का आधार है।

हिंदी भाषा ने साहित्य, सिनेमा, पत्रकारिता और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह हमें अपनी कहानियों, कविताओं और विचारों को दुनिया के सामने रखने का मंच देती है। हिंदी का सरल और सहज स्वरूप इसे सीखने और बोलने में आसान बनाता है, जिससे यह करोड़ों लोगों के बीच संवाद का एक मजबूत माध्यम बन गई है।

सी.ए नवीन कुमार अग्रवाल
वरिष्ठ उपाध्यक्ष अग्रसेन बैंक एवं सचिव अग्रवाल शिक्षा समिति, हैदराबाद

हिंदी का सम्मान करना और इसे दैनिक जीवन में उपयोग करना न केवल हमारी भाषाई जिम्मेदारी है, बल्कि यह हमारे देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का भी एक महत्वपूर्ण तरीका है।

Courses Offered

UG ENGLISH MEDIUM
B. Com (Computer Applications)
B. Com (Banking & Insurance)
B. Com (Practical Accounting & Taxation)
B.B.A (Bachelor of Business Administration)
B.B.A (Business Analytics)
B.Sc. Life Science
B.Sc. Physical Science
B.Sc. (Data Sciences)
B.Sc. (Artificial Intelligence & Machine Learning)
B. Voc (Hospitality & Tourism Administration)

PG ENGLISH MEDIUM
M.Com.
M.Sc. (Applied Statistics)
M.Sc. (Mathematics)

HINDI MEDIUM
INTER (CEC)
B.Com (General)
B.A. (H.H.P)
M.A. (Hindi)

HMV UG & PG COLLEGE
(HINDI MAHAVIDYALAYA)
AUTONOMOUS & NAAC - RE ACCREDITED
(Affiliated to Osmania University)
Nallakunta, Hyderabad - 500 044 (T.S)

For Futher Details & Admission Contact : 040-27616330, 8712608261
Email : info@hindimahavidyalaya.ac.in

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम)
Town Official Language Implementation Committee (PSUs)
हैदराबाद-सिकंदराबाद Hyderabad-Secunderabad
आज़ादी का अमृत महोत्सव
हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ !
नराकास नराकास नराकास नराकास नराकास नराकास नराकास
नराकास नराकास नराकास नराकास नराकास नराकास नराकास
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय
50 वर्ष स्वर्ण जयंती

14 सितंबर हिंदी दिवस पर विशेष : स्वतंत्रता संग्राम से अब तक

हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं की नीति और राजनीति

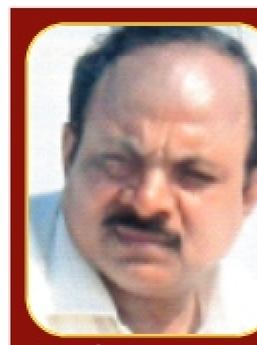

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'

हिंदी और भारतीय भाषाओं को लेकर स्वतंत्रता पूर्व और स्वतंत्रता के पश्चात जो कुछ हुआ है, वह अपने आप में एक लंबी और पेचीदा कहानी है। समय-समय पर तत्कालीन सरकारों ने जो नीति बनाई और अपनाई, क्या उसका पालन हुआ? जो संकल्प लिए गए, क्या उन्हें पूरा किया गया? बात हिंदी और भारतीय भाषाओं को आगे बढ़ाने की होती रही, लेकिन अंग्रेजी कैसे आगे बढ़ती गई, इस पर भी विमर्श किया जाना चाहिए। यह विचार-विमर्श इसलिए भी जरूरी है कि मौजूदा भारत सरकार ने जो भाषा-नीति अपनाई है, वह एक बड़े परिवर्तन का संकेत देती है।

स्वतंत्रता-संग्राम के दौर में सभी अहिंसावादी और क्रांतिकारी, सभी स्वतंत्रता-सेनानियों, और महापुरुषों ने एक स्वर में यह विचार रखा था कि देश का काम राज्यों में राज्यों की भाषा में हो और राष्ट्रीय संपर्क भाषा के रूप में हिंदी को अपनाया जाए, जिसे राष्ट्रभाषा कहा गया। राष्ट्रभाषा के रूप हिंदी ने स्वतंत्रता-संग्राम में राष्ट्रीयता की भावना का संचार किया। इसी के चलते देश के विभिन्न हिस्सों में हिंदी के प्रचार-प्रसार की संस्थाएं स्थापित की गईं ताकि स्वतंत्रता के पश्चात राष्ट्रीय स्तर पर संपर्क के लिए राष्ट्रभाषा के माध्यम से व्यवहार किया जा सके। इस कार्य में महात्मा गांधी की प्रमुख भूमिका थी।

लेकिन स्वतंत्रता के पश्चात परिदृश्य बदल गया। संविधान सभा राष्ट्रभाषा के स्थान पर राजभाषा शब्द स्थापित हो गया। राज्यों में राज्य की राजभाषा और देश के स्तर पर देश की, अर्थात संघ की राजभाषा की बात हुई। अगर इसे आसान शब्दों में कहें तो सारा मामला सरकारी कामकाज की भाषा तक सिमट कर रह गया। जहां स्वाधीनता के समय एक प्रतिशत लोग भी अंग्रेजी में प्रवीण नहीं थे और अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय कुछ बड़े महानगरों में अति धनाढ्य लोगों तक सीमित थे। सामान्य जन तो अपने राज्य की भाषा में ही पढ़ता था, उसे तो यह भी पता न था कि अंग्रेजी माध्यम के भी विद्यालय होते हैं। लेकिन आगे चलकर ऐसी नीतियां अपनाई गई कि नर्सरी तक और गांव-गांव तक अंग्रेजी माध्यम पहुंच गया।

यह भी सर्वविदित है कि तमाम विवादों के बावजूद अंततः हिंदी को राजभाषा का पद तो दिया गया लेकिन वह भी आधा-अधूरा। संविधान लागू होने के बाद पहले 15 साल के लिए अंग्रेजी को स्थापित किया गया और फिर बाद में राजभाषा अधिनियम 1963 (यथा संशोधित- 1967) के माध्यम से हिंदी के साथ अंग्रेजी को अघोषित राजभाषा के रूप में भी स्थापित कर दिया गया। सच तो यह है कि अंग्रेजी मुख्य राजभाषा बन गई और हिंदी सह-राजभाषा बन कर रह गई। जहां हिंदी केवल संघ की और कई राज्यों की राजभाषा है, वहीं अंग्रेजी भारत संघ की अघोषित राजभाषा होने के साथ-साथ भारत के सभी राज्यों और संघ शासित प्रदेशों की अघोषित राजभाषा भी बना दी गई। इसी के साथ-साथ विभिन्न कानूनों के अंतर्गत दी जाने वाली सूचनाओं की भाषा तय न करने के कारण, वहां अंग्रेजी स्थापित हो गई। इसका परिणाम यह हुआ कि जो स्थान हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में मिलना था, उस स्थान पर धीरे-धीरे अंग्रेजी ने अपना कब्जा जमा लिया। इसका परिणाम यह हुआ कि अंग्रेजी भारत संघ और भारत के राज्यों के साथ-साथ न्याय, व्यापार, व्यवसाय, वाणिज्य, शिक्षा आदि सभी क्षेत्रों में स्थापित कर दी गई। संविधान के अनुच्छेद 343 में हिंदी को संघ की राजभाषा कहा गया। संविधान की अष्टम अनुसूची में जो अंग्रेजी है ही नहीं, उसे पिछले दरवाजे से लाकर भारत की तथा भारत के सभी राज्यों और संघ शासित प्रदेशों की भाषा के साथ-साथ अंतरराज्यकीय संपर्क की भाषा भी बना दिया गया। बात संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी की होती रही और राज अंग्रेजी का चलने लगा। यह जो कुछ हुआ, वह निश्चय ही सरकार की सोची-समझी रणनीति के तहत ही हुआ।

संविधान के अनुच्छेद 348 (1) में तो अंग्रेजी को उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में न्याय की और विधि भाषा बना दिया गया था। संविधान के अनुच्छेद 348 (2) में राज्यों के उच्च न्यायालय में अंग्रेजी के अतिरिक्त हिंदी और राज्यों की राजभाषा अपनाने का जो दरवाजा रखा गया था। 1965 में उसे भी असंवैधानिक रूप से एक मंत्रिमंडलीय निर्णय के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय की इच्छा पर छोड़ दिया गया। नतीजा यह हुआ कि जब किसी राज्य के राज्यपाल नें अपने राज्य स्थित उच्च न्यायालय में संविधान के अनुच्छेद 348 (2) के अंतर्गत अपने राज्य की राजभाषा की मांग की तो सरकार ने उसे सर्वोच्च न्यायालय को भेज दिया और सर्वोच्च न्यायालय ने उसे नकार दिया। इस तरह तमिलनाडु, गुजरात, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, झारखंड और हरियाणा राज्यों के प्रस्ताव आज भी सरकारी फाइलों में धूल खा रहे हैं। कुल मिलाकर हिंदी कहने को भारत संघ की और कुछ राज्यों की राजभाषा रही, लेकिन अंग्रेजी का साम्राज्य संघ से लेकर राज्यों तक, विधि से न्याय तक और शिक्षा से लेकर व्यापार-व्यवसाय तक हर क्षेत्र में ऊपर से नीचे तक पसर गया। अन्य भारतीय भाषाओं के साथ भी कमोबेश ऐसा ही हुआ।

1986 की शिक्षा नीति के पश्चात भारत में स्कूली शिक्षा का तेजी से अंग्रेजीकरण होने लगा था। इस समय केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा शिक्षा में अंग्रेजी को बढ़ाने के लिए नीतिगत निर्णय लेते हुए कहा गया कि हमें भूल जाना चाहिए की अंग्रेजी औपनिवेशिक भाषा है। भारत में विज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए सभी स्तरों पर अंग्रेजी को अपनाए जाने की और सभी शिक्षकों को अंग्रेजी में दक्ष बनाए जाने की आवश्यकता है। फिर जब ज्ञान आयोग बना तो उसके अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने खुलकर भारतीय भाषाओं की तुलना में अंग्रेजी की वकालत की। भारत की राजधानी दिल्ली में भी 1986 और उसकी कई वर्षों बाद तक स्नातक स्नातकोत्तर तक की शिक्षा हिंदी में उपलब्ध थी। राज्यों में भी स्कूली शिक्षा तो लगभग पूरी तरह वहां की भाषाओं में उपलब्ध थी। सैम पित्रोदा की अध्यक्षता वाले ज्ञान आयोग की सिफारिशें भी अंग्रेजी के पक्ष में थीं। उसके बाद जिस गति से अंग्रेजी को बढ़ाया गया, नर्सरी स्तर तक अंग्रेजी माध्यम पहुंच गया। महानगरों, नगरों और कस्बों से होते हुए अंग्रेजी माध्यम गांव-गांव तक पसर गया। सबको लगने लगा कि उच्च शिक्षा और उच्च रोजगार अंग्रेजी से ही मिल सकता है। व्यवस्था में तमाम परिवर्तनों के चलते, यही हुआ भी। इसका परिणाम यह हुआ कि मातृभाषा माध्यम में केवल वही विद्यार्थी रह गए जो महंगे अंग्रेजी स्कूलों में दाखिला नहीं ले सकते थे। आज भी भारत में कमोबेश यही स्थिति है।

उधर वोट बैंक की राजनीति भी हिंदी सहित भारतीय भाषाओं के प्रयोग व प्रसार में बाधा बन कर खड़ी रही। स्वतंत्रता पूर्व जहां राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की बात थी। बाद में हिंदी विरोध को राजनीति का औजार बना दिया गया। तमिलनाडु सहित कर्नाटक, महाराष्ट्र और कई अन्य राज्यों में भी कमोबेश हिंदी के विरुद्ध विषवमन होता रहा है। इनमें से कुछ की आपत्ति यह है कि हिंदी को राष्ट्रभाषा क्यों कहा जाए, हमारी भाषा को राष्ट्रभाषा क्यों न कहा जाए , या फिर यह कि हिंदी उन पर थोपी जा रही है।

देखा जाए तो स्वतंत्रता पूर्व से लेकर अब तक अगर किसी एक बात पर सहमति रही है, तो वह त्रिभाषा-सूत्र। यही बात राजभाषा संकल्प-1968 में त्रिभाषा सूत्र में निहित है। भले ही उसके कार्यान्वयन में कुछ अंतर हो। समानता यह कि पहले राज्य की भाषा, फिर देश की भाषा और विदेशी भाषा के रूप में अंग्रेजी। कमोबेश देश में यही चलता भी रहा है। यह बात अलग है कि राजनीतिक कारणों से कुछ राज्यों में इसका विरोध भी किया गया। यही नहीं, राजनीतिक वर्चस्व की आकांक्षा के चलते हिंदी-भाषी राज्यों में हिंदी की बोलियों और हिंदी के बीच भी संघर्ष पैदा किया गया। हिंदी की अनेक बोलियों के स्वयंभु ठेकेदारों ने इन्हें हिंदी के समकक्ष संविधान की अष्टम अनुसूची में शामिल करने की मांग की। कुल मिलाकर हिंदी को कमजोर करने के प्रयास होते रहे।

2014 में भाजपा सरकार के आने के बाद एक बार फिर इस विषय पर गहन-मंथन हुआ। सरकार ने हिंदी के साथ-साथ सभी भाषाओं को समान महत्व देने का निर्णय किया। नई शिक्षा नीति 2020 में भी भारतीय भाषाओं को महत्व दिया गया। नई शिक्षा नीति समिति के अध्यक्ष और इसरो के पूर्व प्रमुख स्वर्गीय कस्तूरीरंगन ने रेखांकित किया कि अपनी भाषा में कोई भी व्यक्ति बेहतर तरीके से सीख और समझ सकता है। इसलिए नई शिक्षा नीति में शिक्षा के माध्यम के रूप में, विशेषकर, प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में दिए जाने की बात कही गई है। हालांकि इस राह में अभी भी अनेक बाधाएं हैं। नई शिक्षा नीति में यहां पहले के मुकाबले अधिक लचीली भाषा नीति अपनाई गई। इस नीति में कोई भी भाषा अनिवार्य न करते हुए कोई दो भारतीय भाषाएं और कोई अन्य भाषा पढ़ने की बात कही गई। अब हिंदी या कोई भी भाषा थोपने की बात नहीं है और विद्यार्थी अपना हित सोचते हुए स्वेच्छा से भाषाएं चुन सकते हैं। नई शिक्षा नीति में भाषा शिक्षण की स्वतंत्रता के बावजूद भी राजनीतिक विरोध हुआ। हालांकि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आम जनता का इस तरह की बातों से कोई खास सरोकार नहीं रहा। आम व्यक्ति केवल अपनी सुविधा देखता है। वह अच्छी तरह जानता है कि अपने प्रदेश में उसे अपनी भाषा अर्थात मातृभाषा आनी चाहिए, देश भर में संपर्क के लिए हिंदी को अपनाना चाहिए और विदेशों से संपर्क अथवा वहां की ज्ञान-विज्ञान को समझने के लिए अंग्रेजी भी आनी चाहिए। इसलिए यह विरोध कहीं भी सामान्य जन का न था और न है, यह केवल राजनीतिक है।

भाषा-नीति के संबंध में मैं यहां मैं एक और वैचारिक समानता का उल्लेख करना चाहूंगा। यह वैचारिक समानता महात्मा गांधी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच साफ दिखाई देती है। महात्मा गांधी मातृभाषा में शिक्षा और राष्ट्रीय स्तर पर संपर्क भाषा के रूप में हिंदी के प्रबल पक्षधर थे, जिसे वे राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकारते थे। हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने भी कहा कि भारत की सभी भाषाएं राष्ट्रीय भाषाएं हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर संवाद के लिए हमें अपनी किसी भाषा को तो अपनाना होगा, जो विदेशी न हो। निश्चय ही व्यवहारिक स्तर पर, वह हिंदी के अलावा कोई और भाषा नहीं हो सकती। मैं यहां मोहनदास कर्मचंद गांधी और मोहन भागवत के विचारों में कोई अंतर नहीं देखता।

2014 के पश्चात जब केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तो एक बड़ा परिवर्तन यह हुआ कि भाषा की राजनीति और उसके नाम पर देशवासियों के बीच पैदा की जा रही दरार को पाटने के लिए भारत की सभी भाषाओं को समान महत्व देने का निर्णय किया गया। इस संबंध में दो निर्णय नई शिक्षा नीति में दिखाई देते हैं, पहला मातृभाषा में शिक्षा और कोई भी दो भारतीय भाषाएं पढ़ने की छूट। इसमें कहीं भी हिंदी या किसी अन्य भाषा की अनिवार्यता की बात नहीं है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह कि भारत की सभी भाषाएं, राष्ट्रीय भाषाएं हैं। यहां भी किसी भाषा को प्रधानता देने की बात नहीं है।

पिछले वर्ष हिंदी दिवस पर गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली में, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग में भारतीय भाषा अनुभाग के गठन की घोषणा की, जिसमें विभिन्न भाषाओं के अधिकारी रखे गए हैं। उनके द्वारा यह घोषणा भी की गई है कि उनके मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों को पत्रादि जल्द ही उनकी भाषाओं में भेजे जाएंगे। इसी प्रकार शिक्षा मंत्रालय द्वारा 15 नवंबर 2021 को एक उच्च-प्राधिकारी समिति के रूप में भारतीय भाषा समिति की आधिकारिक स्थापना की गई। इस समिति की भूमिका राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 में वर्णित भारतीय भाषाओं के समग्र विकास की दिशा में सुझाव देना और नई शिक्षा नीति के अनुरूप भाषाओं का समग्र विकास ताकि भारतीय भाषाओं को शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थानों में पुनर्जीवित करना है। जिसके अंतर्गत भाषा संस्थानों, भाषाविदों और भाषाओं का डेटा बैंक बनाना, भारतीय भाषाओं के लिए विशिष्ट कार्य योजनाओं का निर्माण, शोध, तकनीकी, व्यापार और भारतीय ज्ञान प्रणाली में भाषा के अनुप्रयोग आदि हैं। साथ ही समिति को 22 अनुसूचित भाषाओं में 22,000 पुस्तकों का निर्माण का कार्य भी कर रही है। समिति के माध्यम से देश की 22 भाषाओं और कुछ विदेशी भाषाओं में अनुवाद के लिए एक महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर -अनुवादिनी- भी तैयार किया गया है।

वर्तमान सरकार न्यायपालिका में सभी स्तरों पर राज्यों की मांग के अनुसार उनकी भाषा में न्याय देने के लिए प्रयासरत है। यही नहीं, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2019 में कृत्रिम मेधा आधारित अनुवाद प्रणाली (एसयूवीए-सएस- सुवास) की मदद से निर्णयों का अनुवाद 13 भारतीय भाषाओं में किया जा रहा है। यही नहीं सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट पर भारतीय भाषाओं में निर्णय पोर्टल पर उपलब्ध हैं। उच्च न्यायालयों में फैसलों के डिजिटल रिकॉर्ड और अनुवाद के लिए एक राष्ट्रीय पोर्टल भी विकसित किया गया है। इससे निर्णयों के हिंदी/क्षेत्रीय भाषा अनुवाद जनता के लिए आसान पहुंच में आ सकें। उल्लेखनीय है कि 2023 में प्रधानमंत्री और भारत के मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि नागरिकों को उनकी मातृभाषा में न्याय मिलना चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक सुप्रीम कोर्ट रिपोर्ट्स (ई-एससीआर) और सुवास के जरिए सुप्रीम कोर्ट के हजारों फैसले हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

भारतीय भाषाओं में इंजीनियरिंग शिक्षा के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा कई कदम उठाए गए हैं, जिनका उद्देश्य 2026 तक इंजीनियरिंग डिप्लोमा और डिग्री पाठ्यक्रमों की पुस्तकें 12 भारतीय भाषाओं में तैयार और उपलब्ध करवाना है। पहले और दूसरे वर्ष के लिए अब तक लगभग 600 पुस्तकें 12 भाषाओं में तैयार और अपलोड कर दी गई हैं और इस दिशा में तेजी से कार्य चल रहा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और भारतीय भाषा समिति के सहयोग से अगले 5 वर्षों में 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं में लगभग 22,000 पाठ्य-पुस्तकें और स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की 4000-5000 पुस्तकें तैयार करने की योजना है। मध्यप्रदेश और राजस्थान आदि राज्यों में राज्य की राजभाषा हिंदी में इंजीनियरिंग और मेडिकल की शिक्षा प्रारंभ की है। लेकिन यहां यह भी विचारणीय है कि जब तक भारतीय भाषाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को स्वभाषा माध्यम से रोजगार के पर्याप्त अवसर प्राप्त नहीं होंगे वे भारतीय-भाषा माध्यम अपनाने से हिचकेंगे। इस पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

इस तरह अब संघ सरकार की भाषा नीति राजभाषा से आगे निकलकर सभी भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय-भाषाओं की पहचान देते हुए आगे बढ़ाने की है। शिक्षा सहित सभी क्षेत्रों में भारतीय भाषाओं के प्रयोग व प्रसार बढ़ाने तथा उनमें सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए सरकार प्रयासरत है। निश्चय ही यह नीति भारत की सामासिक एकता को आगे बढ़ाने के साथ-साथ ग्रामीण-प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने व देश के सर्वांगीण विकास में कारगर सिद्ध होगी।

(लेखक गृह मंत्रालय के तहत राजभाषा विभाग के पूर्व क्षेत्रीय उपनिदेशक और वैश्विक हिंदी सम्मेलन के संस्थापक एवं निदेशक हैं)

इलेक्ट्रॉनिकी में उत्कृष्टता का 57 वां वर्ष

राष्ट्र की सेवा में परमाणु | ईसीआईएल ECIL | ATOMS IN THE SERVICE OF THE NATION

ईसीआईएल: बहु उत्पाद, बहु-प्रौद्योगिकी उद्यम है जो परमाणु ऊर्जा, रक्षा, वांतरिक्ष, सुरक्षा तथा सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-अभिशासन के सामरिक क्षेत्र में नवोन्नत प्रौद्योगिकी समाधान उपलब्ध कराता है

उत्पाद एवं सेवाएं निवेदित

- नियंत्रण एवं उपकरणीकरण प्रणाली, विकिरण संसूचक एवं उपकरण
- वीडियो निगरानी सहित एकीकृत सुरक्षा प्रणाली, कार्मिक एवं वाहन अभिगम नियंत्रण, वीडियो विश्लेषिक एवं सुरक्षा उपकरण
- इलेक्ट्रॉनिक निगरानी एवं युद्धकौशल प्रणाली, रेडियो संचार उपस्कर, रक्षा के लिए कमान्ड एवं नियंत्रण प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक फ्यूज, जैमर, डाटा, वॉयस एवं वीडियो के लिए एनक्रिप्शन उपस्कर
- ऐन्टेना प्रणाली एवं वी-सैट नेटवर्क, कॉकपिट वॉयस रिकार्डर, सिन्क्रोज एवं जाइरो
- ई-अभिशासन अनुप्रयोग, कंप्यूटर शिक्षा सेवा, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीन एवं मतदाता सत्यापन पेपर ऑडिट परीक्षण प्रिन्टर
- परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, इलेक्ट्रॉनिक ऊर्जा मीटर, थिक फिल्म हाइब्रिड सूक्ष्म परिपथ इत्यादि

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (परमाणु ऊर्जा विभाग) का उद्यम
हैदराबाद-500062, तेलंगाना
टेलीफैक्स: +91 40 27122584, ई-मेल- cpr@ecil.co.in
वेब: www.ecil.co.in

संस्थान की दूरदृष्टि - शरीर को पोषण व देश को एक्सलरेशन (तीव्रगति)

आज भारत हर क्षेत्र में अपना अद्भुत परचम लहरा रहा है, फिर चाहे वह खाद्य व पोषण सुरक्षा का क्षेत्र हो, चाहे संप्रेषण का, चाहे सूचना प्रौद्योगिकी का, चाहे स्वास्थ्य का, चाहे रक्षा का आदि। आज हम आत्म निर्भर ही नहीं, बल्कि दूसरे देशों को भी अपनी सेवाएं एवं योगदान देने में सक्षम हैं। हैदराबाद स्थित भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, श्री अन्न अनुसंधान तथा विकास पर कार्यरत देश का एकमात्र संस्थान है जो देश के गरीब किसानों के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य का हितैषी भी है। यह संस्थान 'श्री अन्न (मिलेट्स)' अर्थात बाजरा, ज्वार, रागी, कंगनी, कोदो, कुटकी, सावां, चेना, छोटी कंगनी आदि के अनुसंधान एवं विकास कार्यों को आगे बढ़ा रहा है ताकि भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व खाद्य एवं पोषण की समस्या से उभर सके। संस्थान में स्थापित न्यूट्रीहब, श्री अन्न के क्षेत्र में नवोद्यमियों (स्टार्टअपों) को आगे बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण प्रदान करता है और इसके प्रयासों के परिणामस्वरूप 450 से ज्यादा नवोद्यमी लाभान्वित हुए हैं तथा श्री अन्न के क्षेत्र में सफलता के साथ व्यवसाय कर रहे हैं। इस संस्थान की गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए इसे श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र में उन्नत किया गया ताकि इस संस्थान के अनुसंधान एवं परिणामों से पूरा विश्व लाभान्वित हो सके। इसके अलावा भारत की जी20 अध्यक्षता को दौरान लिए गए निर्णय के अनुसार इस संस्थान में श्री अन्न एवं अन्य प्राचीन अनाज पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पहल (MAHARISHI) का सचिवालय भी स्थापित किया गया है। हमारे संस्थान ने विविध प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण हेतु देश-विदेश स्थित कई सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों के साथ करार ज्ञापन एवं समझौते किए हैं ताकि श्री अन्न विभिन्न रूपों में हर वर्ग तक पहुंच सके। यह संस्थान अपने समर्पित प्रयासों से भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व को खाद्य एवं पोषण सुरक्षा प्रदान करने की ओर अग्रसर है।

हमारा संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में भी पूरी तत्परता के साथ अग्रसर है। हाल ही में हमारे संस्थान द्वारा प्रकाशित नवीनतम श्री अन्न उत्पादन एवं प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियां नामक पुस्तक का राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा हैदराबाद में आयोजित राजभाषा स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान विमोचन किया गया। यह संस्थान विविध भारतीय भाषाओं में प्रशिक्षणों, ज्ञानवर्धन दौरों, प्रक्षेत्र दिवसों आदि के माध्यम से किसानों, केंद्र एवं राज्यों के कृषि अधिकारियों व अन्य कार्यकर्ताओं, नवोद्यमियों, छात्रों, शोधकर्ताओं आदि को श्री अन्न की खेती की उन्नत प्रक्रियाओं तथा उनके विविध लाभ से अवगत करा रहा है। हमारे शोध परिणामों को हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं में लाना, प्रत्येक भारतीय तक उनकी पहुंच को सुलभ बनाकर भारत को तीव्र गति प्रदान करने में सहायक होंगे। इस संस्थान के श्री अन्न संबंधी अथक अनुसंधान प्रयास संपूर्ण विश्व को खाद्य एवं पोषण सुरक्षा प्रदान के साथ-साथ लोगों को उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण होंगे। जयहिंद!

डॉ. (श्रीमती) सी. तारा सत्यवती
निदेशक
भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थासन

हिंदी : राष्ट्र की पहचान और विकास की भाषा

भारत विविधताओं का देश है। यहाँ सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ प्रचलित हैं, परंतु हिंदी वह धारा है जो इन सबको जोड़कर एक राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करती है। हिंदी न केवल करोड़ों भारतीयों की मातृभाषा है, बल्कि यह संस्कृति, परंपरा और भारतीय अस्मिता का प्रतीक भी है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जब हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया, तो इसके पीछे उद्देश्य यही था कि यह भाषा पूरे राष्ट्र के प्रशासन और व्यवहार की धुरी बने। लेकिन यह यात्रा उतनी सरल नहीं रही जितनी सोची गई थी। आज, जब राजभाषा विभाग की स्थापना को 50 वर्ष और हिंदी को राजभाषा बनाए जाने को 75 वर्ष हो चुके हैं, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि हिंदी की वर्तमान स्थिति क्या है और इसके भविष्य का स्वरूप कैसा होना चाहिए।

हिंदी और अंतरराष्ट्रीय पहचान

अक्सर यह महसूस किया जाता है कि जब तक हिंदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान नहीं बना लेती, तब तक यह भारत में भी पूर्ण रूप से स्थापित नहीं होगी। अंग्रेज़ी भाषा का प्रभाव हमारे सामाजिक, शैक्षिक और प्रशासनिक जीवन में गहराई तक पैठ बना चुका है। ऐसे में हिंदी को विश्वभाषा बनाने का प्रयास भारत के आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और देश के भीतर इसके प्रयोग को भी प्रोत्साहन देगा। यह वही स्थिति होगी जब राष्ट्र और भाषा दोनों का विकास समानांतर रूप से होगा-एक विकासशील राष्ट्र की विकासशील राजभाषा।

प्रशासनिक कार्यों में हिंदी का प्रयोग

राजभाषा विभाग ने नीतिगत स्तर पर अनेक पहल की हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि मंत्रालयों और केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग अभी भी सीमित है। अधिकांश पत्राचार अंग्रेज़ी में ही होता है। यदि केंद्र सरकार के कर्मचारी ही यह अनुभव न कर पाएँ कि हिंदी उनके दैनिक कार्यों की भाषा है, तो आम जनता तक इसकी पहुँच कैसे संभव होगी? राजभाषा केवल विभागीय मेल या पत्रों तक सीमित न रहे, बल्कि अन्य सभी संचार में भी हिंदी का प्रयोग बढ़ाया जाए। तभी यह भाषा प्रशासन की रीढ़ बन सकेगी।

निरीक्षण और पारदर्शिता

संसदीय राजभाषा समिति समय-समय पर विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण करती है, किंतु केवल अधीनस्थ कार्यालयों तक सीमित रहना पर्याप्त नहीं है। मंत्रालयों का भी परीक्षण होना चाहिए। यदि शीर्ष स्तर पर ही हिंदी की उपेक्षा होगी तो अधीनस्थ कार्यालयों में गंभीरता की अपेक्षा नहीं की जा सकती। निरीक्षण और मूल्यांकन से ही स्पष्ट होगा कि हिंदी किस गति से आगे बढ़ रही है और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

सम्मेलनों का प्रभाव और चुनौतियाँ

राजभाषा सम्मेलनों का आयोजन निश्चय ही प्रेरणादायी होता है। इनसे कर्मचारियों और अधिकारियों में उत्साह का संचार होता है। लेकिन जब कार्यालयों का वातावरण ही हिंदी के प्रति उदासीन हो, तो यह उत्साह शीघ्र ही क्षीण हो जाता है। यह वैसा ही है जैसे किसी धावक को प्रोत्साहन तो मिले, किंतु उसकी दौड़ की राह में बाधाएँ बनी रहें। इस स्थिति में अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हो सकते।

डॉ. बी. बालाजी
प्रबंधक
(हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार)
मिश्र धातु निगम लिमिटेड, हैदराबाद

हिंदी विवाद और उसका समाधान

हिंदी को लेकर समय-समय पर विवाद खड़े होते रहे हैं। वास्तव में यह विवाद तर्कहीन हैं। हिंदी किसी क्षेत्र विशेष की नहीं, बल्कि पूरे भारत की भाषा है। यह जोड़ने का कार्य करती है, बाँटने का नहीं। यदि हिंदी भाषी लोग अन्य भारतीय भाषाएँ सीखने और उनका प्रयोग करने की पहल करें, तो यह संदेश जाएगा कि हिंदी किसी भाषा को दबाने नहीं, बल्कि अपनाने और साथ लेकर चलने वाली भाषा है। इस दृष्टिकोण से भाषाई विरोध स्वतः समाप्त हो सकता है।

तकनीकी युग और हिंदी

आज का युग तकनीक और डिजिटल उपकरणों का है। राजभाषा विभाग द्वारा विकसित ई-टूल्स हिंदी के प्रचार-प्रसार में क्रांतिकारी भूमिका निभा सकते हैं। किंतु इन्हें केवल कार्यालयों तक सीमित न रखकर आम जनता के लिए भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। यदि ये टूल्स गूगल की तरह सर्वसुलभ और लोकप्रिय हो जाएँ, तो लोगों के लिए हिंदी का प्रयोग सहज और आकर्षक बन जाएगा।

मातृभाषा का सम्मान

हिंदी भाषियों के लिए यह अनिवार्य है कि वे अपनी मातृभाषा का सम्मान करें। जब तक हम स्वयं अपनी भाषा को हीन दृष्टि से देखते रहेंगे, तब तक अन्य लोग भी उसे महत्व नहीं देंगे। बच्चों को यह सिखाना होगा कि हिंदी कोई पिछड़ी या ग्रामीण भाषा नहीं, बल्कि आधुनिक, वैज्ञानिक और समृद्ध भाषा है। यदि हिंदी को केवल बोलचाल, अनुष्ठान या मनोरंजन तक सीमित कर दिया गया, तो उसका विकास अवरुद्ध हो जाएगा। इसे व्यवहार और कार्य की भाषा बनाना समय की माँग है।

निजी क्षेत्र और शिक्षा

सरकारी कार्यालयों के साथ-साथ निजी क्षेत्र में भी हिंदी का प्रयोग बढ़ना चाहिए। व्यवसायिक विज्ञापन, बैंकिंग, बीमा और औद्योगिक क्षेत्रों में हिंदी की सशक्त उपस्थिति लोगों के विश्वास को और मज़बूत करेगी। तकनीकी, विधिक और वैज्ञानिक साहित्य हिंदी में उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। इसके बिना हिंदी शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएगी।

विद्यालयों और कॉलेजों में बच्चों को हिंदी बोलने से रोकने जैसी प्रवृत्तियाँ चिंताजनक हैं। यह न केवल भाषा के प्रति हीन भावना पैदा करती हैं, बल्कि बच्चों के आत्मविश्वास को भी कमजोर करती हैं। स्कूलों को चाहिए कि वे बच्चों को मातृभाषा में बोलने और लिखने के लिए प्रोत्साहित करें। इससे वे सहजता से अन्य भाषाएँ भी सीख पाएँगे।

मंच और हिंदी का गौरव

सरकारी कार्यक्रमों, विद्यालयों और महाविद्यालयों में मंचासीन व्यक्तियों को हिंदी में ही व्याख्यान देने का प्रयास करना चाहिए। जब उच्च पदों पर आसीन लोग हिंदी का प्रयोग करेंगे, तभी यह संदेश जाएगा कि हिंदी वास्तव में गौरव की भाषा है। उदाहरण प्रस्तुत करने से ही समाज में सकारात्मक बदलाव आता है।

निष्कर्ष

हिंदी की यात्रा लंबी है, चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं, लेकिन अवसर अनंत हैं। आवश्यकता इस बात की है कि इसे केवल राजभाषा के औपचारिक दायरे में सीमित न रखकर व्यवहार और तकनीक की भाषा बनाया जाए। यदि हिंदी अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित होगी, तो देश के भीतर भी यह और मज़बूत होगी। यह भाषा न केवल भारत की आत्मा है, बल्कि भारतीयता की साझा पहचान भी है। जब हम सब मिलकर इसे सम्मान और प्रयोग देंगे, तभी यह सच्चे अर्थों में राष्ट्र की पहचान और विकास की भाषा बनेगी।

हिंदी

सहस्त्रों वर्षों की संपत्ति है हिंदी भाषा
सकल जन संघ की संगी भाषा
सुधा की निधि है हिंदी भाषा
भारत की यह भव्य भाषा
नवरस साहित्य की भाषा
नवनीत स्वाद,सुनाद-सुराग भाषा
सुवर्ण,सुविशाल इतिहास की भाषा

आदिकाल की अमृत भाषा
वीरगाथाओं की विपुल भाषा
चंदबरदाई की कीर्ति का चंदन भाषा
जगनिक कलम की जनपद भाषा
विद्यापति के विख्यात लोकगीत की भाषा

रीतिकाल की ख्याति भाषा
कविवर वृंद की नीति भाषा
भूषण का आभूषण भाषा
चिंतामणि के चित्त-मन की भाषा
बिहारी के गागर में सागर की भाषा

भक्तिकाल के ऐक्य राग की आध्यात्मिक भाषा
भजन कीर्तन की मनभावन भाषा
संत कबीर के मानवीय मूल्यों की भाषा
सूर के कंठ में कृष्ण लीलाओं की भाषा
तुलसी कृति-सुधा रामचरित की रमणीय भाषा
मीरा के हिय में गोपाल के गान की भाषा
रैदास के पद में अमूल्य रत्न की भाषा
रहीम की नीति और प्रेम संदेश की भाषा

आधुनिक काल का आधार है यह हिंदी भाषा
भारतेंदु के निज विचार उन्नत की अत्युत्तम भाषा
हरिऔध केप्रिय प्रवास की प्रीति भाषा
प्रेमचंद का सम समाज पथ निर्माण की भाषा
यशपाल के यश गाने वाली क्रांति की भाषा
पंत के वर्णन में, प्रकृति के सरगम की भाषा
आज्ञेय की यात्रा में नावों की झंकार भाषा
हिंदीतर भाषी, रंगेयराघव की संगी भाषा
दिनकर के कुरुक्षेत्र में धर्मोपदेश की भाषा
जयशंकर की कामायनीकी कमनीय भाषा
लक्ष्मीबाई की शौर्यगाथा, सुभद्रा की रौद्र भाषा
विश्व पटल पर अटल बिहारी का
अद्भुत भाषण की गौरव भाषा
विजय ध्वज फहराने विजयी भाषा
अनंत कलमों की आत्मीय भाषा
ज्ञानपीठ सम्मान की भाषा
विद्यालयों में छात्रों के
भविष्य निर्माण पाठ की भाषा

आजादी की अमर कहानी समर की भाषा
राष्ट्र विकास में चैतन्य की भाषा
राज-काज के भार संभालने वाली
भारत का भाग्य राजभाषा

विदेशी विश्वविद्यालयों में
विराजमान है हिंदी भाषा
विश्व भर अपनी सुगंध फैलाकर
सुना रही है जय-जयकार
विश्व के कंठ में हिंदी की अमृत धार
बिन हिंदी के जग में साँझ न भोर।

के.एल.प्रभाकर प्राणसुमन,
जहीराबाद, तेलंगाना।

भाषा केवल विचारों व भावों की ही नहीं, संस्कृति की भी संवाहक

भाषा केवल विचारों व भावों की ही नहीं, संस्कृति की संवाहक भी होती है। कोई भी देश जब तक अपनी भाषा में कार्य-व्यवहार नहीं करता, तब तक वह अपने आपकों पूर्णतः अभिव्यक्त करने में सक्षम नहीं हो पाता है। इस संबंध में लगभग दो शताब्दियों के बाद, आज भी श्री भारतेन्दु हरिशचंद्र जी की पंक्तियां - ..निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल, बिनु निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल.. उपयुक्त प्रतीत होती है। अर्थात हम कितनी भी प्रगति क्यों न कर लें, परंतु जब तक उनका प्रचार-प्रसार व उपयोग हमारे समाज द्वारा नहीं होता है तब तक उस प्रगति का कोई मूल्य नहीं। अतः हमें हमारे कार्यों को अपनी भाषा में लाना ही होगा तभी उनकी सार्थकता होगी और स्थानीय प्रयोक्ता उनका लाभ उठा पाएंग।

इस संदर्भ में आज भारत नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से सभी भारतीय भाषाओं को महत्व देते हुए सही दिशा में जा रहा है और हमें चाहिए कि हम उसका विरोध न करते हुए सहर्ष स्वीकार करें। यह सर्वविदित है बच्चा सर्वप्रथम अपनी मातृभाषा सीखता है, अगर उसे उसी की भाषा में ज्ञान प्रदान किया जाता है तो ज्यादा सार्थक होगा, न की पहले उसे एक विदेशी भाषा सीखाने हेतु दबाव डाला जाए। क्योंकि उसके लचीले मस्तिष्क में जो नवोन्मेषी विचार डाले जाएंगे वे उसे लंबे समय तक साथ देंगे और भाषा तो वह आवश्यकतानुसार कभी भी सीख सकता है। कोई भी भाषा सीखना गलत नहीं है, परंतु अपनी भाषा को दुत्कार कर अन्य भाषा सीखना एक व्यक्ति के पूर्ण विकास में बाधक ही होगी, न की साधक।

हमारी संस्कृति के रक्षार्थ हमारी भाषाओं को जीवंत रखना अत्यंत आवश्यक है। यह सर्वविदित है कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस बहुभाषी देश, भारत में हिंदी ने ही एक दूसरे को समीप लाने हेतु सेतु का कार्य किया, अन्यता एक-दूसरे की भाषा का विरोध करते तो स्वतंत्रता केवल एक सपना ही बनकर रह जाती। आज हमें उस समय से सीख लेते हुए, सभी अत्यंत समृद्ध भाषाओं वाले इस बहुभाषी देश भारत में हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में स्वीकारते हुए केंद्र के कदमों का स्वागत करना चाहिए। सभी भारतीय भाषाएं (संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित 22 भाषाएं) हमारी राष्ट्रभाषा है और उन्हें भी हमें पूरा सम्मान देना होगा, तभी सही अर्थों में हमारा देश पूर्णतः गुलामी मुक्त स्वतंत्र भारत कहलाएगा। जयहिंद!

डॉ. महेश कुमार
सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा)
भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थासन

भारतीय चिकित्सा ज्ञान : भविष्य की पीढ़ियों के लिए धरोहर

प्रियजनों,

हमारा गौरवशाली अतीत हमारी ताकत है, और इसे सहेजना हमारी जिम्मेदारी है। हैदराबाद में स्थित राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (NIIMH) दशकों से पारंपरिक चिकित्सा के संरक्षण और प्रचार के लिए काम कर रहा है। 3 जून 2024 को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने इसे पारंपरिक चिकित्सा में अनुसंधान के लिए अपने पहले सहयोगी केंद्र के रूप में चुना है। साथ ही, यह डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के अंतर्गत द्रव्यगुण और आयुर्वेद सिद्धांतों में पीएचडी केंद्र के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।

हमारा मेडिको-हिस्टोरिकल संग्रहालय अनूठा है, जहाँ आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और योग से जुड़ी हजारों पुरातात्विक वस्तुएं, पांडुलिपियां और लोक चिकित्सा पद्धतियां संरक्षित हैं। यह संग्रहालय इतिहासकारों, वैज्ञानिकों और जनता में हमारी विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाता है। हमारी लाइब्रेरी में 500 से अधिक पांडुलिपियां, 20,000 से ज्यादा किताबें और सैकड़ों पत्रिकाएं हैं, जिनमें दुर्लभ ग्रंथ शामिल हैं। अमर वेब पोर्टल के माध्यम से हम इन पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण, लिप्यंतरण, अनुवाद और प्रकाशन कर रहे हैं, ताकि यह ज्ञान जन-जन तक पहुँचे।

आपसे अपील है कि भारतीय चिकित्सा संपदा को सहेजने में सहयोग करें। यदि आपके पास पुरानी पांडुलिपियां, आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध या योग से संबंधित ग्रंथ, या पुरातात्विक सामग्री जैसे सिक्के, मूर्तियां या चिकित्सा उपकरण हैं, तो कृपया उन्हें NIIMH को दान करें। हम इनका आपके नाम के साथ संरक्षण करेंगे और आपको प्रमाणपत्र प्रदान करेंगे। आप CSR या व्यक्तिगत रूप से धनराशि भी दान कर सकते हैं, जिसका उपयोग अनुसंधान उपकरण, संग्रहालय विकास, चिकित्सा शिविर और स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लिए होगा।

हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम अपनी समृद्ध विरासत को बचाएं और भविष्य की पीढ़ियों तक पहुँचाएं। आपके सहयोग से यह संभव होगा। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट https://niimh.nic.in पर जाएं।

जय हिन्द, जय आयुर्वेद!

डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद
प्रभारी सहायक निदेशक
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
सर्वे नंबर 314, रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी, गड्डीअन्नारम, हैदराबाद – 500036
ई-मेल: niimh.hyderabadgmail.com

हिंदी : भारतीय अस्मिता का प्रतीक और एकता का सूत्र

हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि भारतीय अस्मिता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। यह हमारी परंपराओं, मूल्यों और विविधताओं को जोड़ने वाली वह कड़ी है, जो भारत की आत्मा को अभिव्यक्त करती है। संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा प्रदान किया और उसी दिन की याद में हिंदी दिवस मनाया जाता है। यह अवसर हमें हिंदी की शक्ति और हमारे जीवन में उसकी अनिवार्यता का स्मरण कराता है।

आज हिंदी विश्व की प्रमुख भाषाओं में गिनी जाती है। करोड़ों लोग इसे अपनी मातृभाषा या संपर्क भाषा के रूप में बोलते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया ने इसकी पहुँच को और व्यापक बनाया है। हिंदी ने सिद्ध किया है कि वह आधुनिकता और तकनीक के साथ कदमताल कर सकती है और विज्ञान व प्रौद्योगिकी जैसे जटिल विषयों को भी सरल भाषा में प्रस्तुत करने की क्षमता रखती है।

विज्ञान और तकनीकी लेखन में हिंदी की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यदि वैज्ञानिक और तकनीकी जानकारी केवल अंग्रेज़ी में सीमित हो, तो समाज का एक बड़ा वर्ग उससे वंचित रह जाता है। हिंदी के माध्यम से विज्ञान को जन-जन तक पहुँचाना संभव है। तकनीकी शब्दावली के हिंदी रूपों का प्रयोग और प्रशिक्षण इस दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम हैं। इससे राष्ट्र की वैज्ञानिक चेतना सशक्त होगी।

मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) एक तकनीकी संगठन है। यहाँ राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। उच्च तकनीकी कार्यों और 'ग' क्षेत्र में स्थित होने की चुनौतियों के बावजूद मिधानि

परिवार ने यह सिद्ध किया है कि यदि आत्मीयता और प्रतिबद्धता हो, तो हिंदी प्रशासनिक और तकनीकी दोनों कार्यों की सक्षम भाषा बन सकती है। हमारे लिए हिंदी केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जिम्मेदारी भी है। हिंदी में कार्य करना प्रक्रियाओं को सरल बनाता है और संगठन में आत्मीयता तथा सहयोग का वातावरण निर्मित करता है।

हिंदी दिवस और विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर मिधानि में विविध प्रतियोगिताएँ और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इससे कर्मचारियों में न केवल भाषा के प्रति आत्मीयता बढ़ती है, बल्कि साहित्यिक और रचनात्मक अभिव्यक्ति को भी प्रोत्साहन मिलता है। कर्मचारियों को हिंदी भाषा और टंकण का प्रशिक्षण दिया जाता है। श्रेष्ठ कार्य के लिए उन्हें प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत सम्मानित किया जाता है। यह दर्शाता है कि हिंदी मिधानि की कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है।

हिंदी दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हिंदी हमारी पहचान है और इसे आत्मीयता से अपनाना हमारा दायित्व है। मुझे विश्वास है कि हिंदी आने वाले समय में और अधिक सशक्त, आधुनिक और वैश्विक भाषा के रूप में प्रतिष्ठित होगी। मिधानि परिवार यह संकल्प लेता है कि राजभाषा हिंदी को प्रशासनिक, तकनीकी और वैज्ञानिक कार्यों में और अधिक गति प्रदान की जाएगी, ताकि यह भाषा केवल परंपरा का नहीं, बल्कि भविष्य की प्रगति का भी आधार बने। भारतेंदु हरिश्चंद्र के शब्दों में कहा जा सकता है कि निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल,बिनु निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल ।अँग्रेजी पढ़ि के जदपि, सब गुन होत प्रवीन,पै निज भाषा-ज्ञान बिन, रहत हीन के हीन।

– डॉ. एस.वी.एस नारायण मूर्ति
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मिधानि

नराकास (उपक्रम) और ईसीआईएल : राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्टता का प्रतीक

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद और इसके समन्वय कार्यालय इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) ने राजभाषा कार्यान्वयन को परियोजना प्रबंधन के रूप में साकार कर एक अनूठा कीर्तिमान स्थापित किया है। नराकास (उपक्रम) ने विगत कई वर्षों से राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त करने की गौरवशाली परंपरा कायम रखी है। पिछले वर्ष समिति ने अखिल भारतीय स्तर पर 'ग' क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि इस वर्ष 'उत्कृष्ट श्रेणी नराकास' पुरस्कार हासिल कर अपनी उत्कृष्टता को और सुदृढ़ किया है।

नराकास (उपक्रम) राजभाषा अधिनियम, नियमों और संवैधानिक प्रावधानों का पालन करते हुए 'विकसित भारत 2047' की दृष्टि को साकार करने की दिशा में कार्यरत है। समिति मौलिक लेखन, रिकॉर्ड डिजिटलीकरण और प्रौद्योगिकी अनुवाद के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। सभी सदस्य कार्यालयों से प्राप्त राजभाषा संबंधी रिपोर्ट और सूचनाएं डिजिटल प्रारूप में सुरक्षित की जाती हैं।

ईसीआईएल के समन्वय कार्यालय ने राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए एक वार्षिक प्रतियोगिता कैलेंडर तैयार किया है। प्रत्येक माह एक सदस्य कार्यालय में प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, जिसमें गंभीरता, शुचिता और पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए अन्य सदस्य कार्यालय के अधिकारी को पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य समय प्रबंधन, प्रोटोकॉल, आयोजन प्रबंधन और सामान्य व्यवस्थाओं से संबंधित योजनाओं को सीखने का अवसर प्रदान करना है।

ईसीआईएल प्रत्येक वर्ष 12 प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है, जिनमें अनुवाद, सुलेख, श्रुतलेख, शब्दावली, टिप्पण और आलेखन, वाक्, कंप्यूटर पर हिंदी शब्द संसाधन, अंत्याक्षरी, 'अतीत की स्मृतियों के झरोखे से', एक भारत-श्रेष्ठ भारत, राजभाषा नीति प्रश्नमंच, तकनीकी विषयों पर पेपर प्रस्तुतीकरण और निबंध लेखन प्रतियोगिताएं शामिल हैं। विशेष रूप से 'अतीत की स्मृतियों के झरोखे से' प्रतियोगिता ने सभी का ध्यान आकर्षित किया है, जिसमें प्रतिभागी अपने जीवन के प्रेरक संस्मरण साझा करते हैं, जो अन्य प्रतिभागियों को भाव-विभोर कर देता है। यह अनूठी प्रतियोगिता केवल नराकास (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद में आयोजित की जाती है।

ईसीआईएल का समन्वय कार्यालय प्रौद्योगिकी अनुवाद, भाषा प्रौद्योगिकी और प्रकाशन कौशल के क्षेत्र में उत्कृष्टता का केंद्र है। यहां की राजभाषा टीम प्रकाशन कौशल, प्रौद्योगिकी अनुवाद और मशीन अनुवाद में सिद्धहस्त है। यह टीम प्रतियोगिताओं, प्रशिक्षण और क्षमता संवर्धन पर निरंतर कार्यरत है।

आगामी योजनाओं में संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण प्रश्नावली पर संभावित प्रश्नों के सटीक और तथ्यपरक उत्तर तैयार करने, धन्यवाद ज्ञापन पर प्रभावशाली प्रशिक्षण, पत्रिका संपादन कौशल पर व्यावहारिक प्रशिक्षण और तकनीकी लेख लेखन पर विशेष प्रशिक्षण शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, पैनेल डिस्कशन के माध्यम से संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण में विशेषज्ञता रखने वाले अधिकारियों को आमंत्रित करने की योजना है।

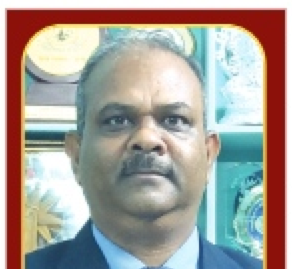

डॉ. राजनारायण अवस्थी
सदस्य-सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) हैदराबाद-सिकंदराबाद

नराकास (उपक्रम) उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालयों को राजभाषा शील्ड, ट्रॉफी और कप से सम्मानित करता है। ईसीआईएल स्वयं के तत्वावधान में राजभाषा गरिमा पुरस्कार, राजभाषा प्रेरणा पुरस्कार और राजभाषा सौरभ पुरस्कार जैसे सम्मान प्रदान करता है। ये पुरस्कार राजभाषा हिंदी के प्रगामी उपयोग को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) और ईसीआईएल राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और कार्यान्वयन में प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर हैं, जो न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करता है।

आयुर्विज्ञान को हिंदी में जन-जन तक पहुँचाने में NIIMH का अमूल्य योगदान

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (NIIMH), हैदराबाद, भारतीय पारंपरिक चिकित्सा की समृद्ध विरासत को संरक्षित और प्रचारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। 3 जून 2024 से, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने NIIMH को पारंपरिक चिकित्सा में मौलिक और साहित्यिक अनुसंधान के लिए सहयोगी केंद्र (CC) के रूप में मान्यता दी है। संस्थान के वैज्ञानिक पारंपरिक चिकित्सा शब्दावली के मानकीकरण और अंतर्राष्ट्रीय रोग वर्गीकरण (ICD-11) के अद्यतन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में थकब का सहयोग कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, NIIMH डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय के अंतर्गत द्रव्यगुण और मौलिक सिद्धांतों में पीएचडी केंद्र के रूप में भी कार्य कर रहा है।

NIIMH की परियोजनाएँ व्यापक और प्रभावशाली हैं। साही पोर्टल के माध्यम से शिलालेखों और ताम्रपत्रों में संरक्षित आयुर्वेदिक ज्ञान को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया जा रहा है। अमर परियोजना के तहत, देवनागरी, संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, गुरुमुखी, शारदा, ग्रंथा, ब्राह्मी, और प्राकृत जैसी लिपियों में लिखित चिकित्सा पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण, संरक्षण और कैटलॉगिंग की जा रही है। इससे प्राचीन ग्रंथों का लिप्यंतरण और अनुवाद संभव हो रहा है, जिससे यह ज्ञान शोधकर्ताओं और जनमानस के लिए सुलभ हो रहा है।

संस्थान को गर्व है कि प्रांतीय भाषाओं के विशाल चिकित्सा साहित्य ने भारत की चिकित्सा संपदा को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। स्वतंत्रता के बाद हिंदी ने देश को एक सूत्र में बाँधने और शोध को जन-जन तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई है। विदेशी शासन, विशेषकर ब्रिटिश काल में, उनकी भाषा को प्राथमिकता दी गई थी, लेकिन आज हिंदी ने अनुसंधान और ज्ञान प्रसार के सेतु के रूप में इस कमी को पूरा किया है।

डॉ. गोली पेंचला प्रसाद, प्रभारी निदेशक, NIIMH, ने कहा कि प्रांतीय भाषाओं के प्रति उदासीनता को दूर करना आवश्यक है। कई शिलालेख और पांडुलिपियाँ अभी भी अप्रकाशित हैं, क्योंकि इनके लिए सटीक लिपि और भाषा विशेषज्ञों की कमी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पारंपरिक ज्ञान को भावी पीढ़ियों तक पहुँचाने और इसके विनाश को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। भाषा और लिपि ज्ञान के संवाहक हैं, जो भारत की संस्कृति और वैज्ञानिक सोच को सशक्त बनाते हैं और राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं।

डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद
प्रभारी निदेशक,
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (NIIMH), हैदराबाद

केंद्र सरकार की हिंदी भाषा नीतियों ने सरकारी कार्यों में एकरूपता लाई है, और राजभाषा के साथ-साथ प्रांतीय भाषाओं के विकास के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (CCRAS) के अंतर्गत संस्थानों के माध्यम से प्राचीन शास्त्रों और पांडुलिपियों के शोध-आधारित तथ्यों को हिंदी और अन्य राष्ट्रीय भाषाओं में जनमानस तक पहुँचाया जा रहा है।

भविष्य में, NIIMH आयुर्विज्ञान से संबंधित जानकारी को लोगों की अपनी भाषा में उपलब्ध कराने के प्रयासों को और सशक्त करेगा। इससे आयुष प्रणाली के प्रति जनसामान्य में जागरूकता और प्रेम बढ़ेगा, जिससे लोग स्वस्थ, निरोगी और आनंदमय जीवन जी सकेंगे।

प्रगति के पथ का सोपान: हिन्दी महाविद्यालय

दक्षिण भारत के हृदय स्थल हैदराबाद में स्थापित हिन्दी महाविद्यालय वर्ष 1961 से अपनी अविराम गतिविधियों और उपलब्धियों के कारण नगरद्वय की शिक्षण संस्थाओं के लिए प्रेरणा स्रोत रहा है। यह संस्था दक्षिण भारत में हिन्दी माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करने का एक अनुपम उदाहरण है।

स्थापना और प्रारंभिक इतिहास

हिन्दी महाविद्यालय की स्थापना हैदराबाद के भूतपूर्व वित्त मंत्री माननीय विनायक राव विद्यालंकार की इच्छाशक्ति और सुप्रसिद्ध समाजसेवी पन्नालाल पित्ती जी के अतुल्य योगदान से हुई। महाविद्यालय भवन का शिलान्यास आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नीलम संजीव रेड्डी के करकमलों से हुआ। संस्थापक प्राचार्य कृष्णदत्त, पूर्व सचिव गंगाराम, खंडेराव कुलकर्णी सहित अनेक हिन्दी सेवियों के निःस्वार्थ समर्पण ने इस संस्था को एक मजबूत नींव प्रदान की।

शैक्षणिक प्रगति और स्वायत्तता

हिन्दी महाविद्यालय को वर्ष 2006 में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन समिति द्वारा मान्यता प्राप्त हुई। वर्ष 2012 में स्वायत्तता प्राप्ति के साथ संस्था ने प्रगति के नए आयाम स्थापित किए। शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 से 2027-28 तक महाविद्यालय को स्वायत्तता का दर्जा प्राप्त है, और वर्ष 2023 में नैक के चतुर्थ चक्र में ग्रेड 'बी' प्राप्त हुआ।

महाविद्यालय ने कला, वाणिज्य, और विज्ञान संकायों में अपनी पहचान बनाई। वर्ष 1969 में वाणिज्य और 1971 में विज्ञान संकाय की शुरुआत हुई। वर्ष 1991 में माननीय राज्यपाल कृष्णकांत के आशीर्वाद से एम.ए. हिन्दी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू हुआ, जिसने उत्तर और दक्षिण भारत को शैक्षिक रूप से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आधुनिक पाठ्यक्रम और तकनीकी प्रगति

छात्रों के चतुर्दिक विकास को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय ने अंग्रेजी माध्यम में बी.एससी. (2007-08) और बी.बी.ए. (2011-12) पाठ्यक्रम शुरू किए। वर्ष 2012-13 में स्वतंत्र परीक्षा विभाग की स्थापना और हिन्दी स्नातकोत्तर विभाग को स्वायत्तता प्राप्त हुई। सभी शैक्षणिक सूचनाएँ वेबसाइट पर उपलब्ध हैं, और परीक्षा विभाग आधुनिक तकनीक से सुसज्जित है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की कौशल विकास योजना के तहत वर्ष 2015 से बी. वोकेशनल स्टडीज में बैंकिंग एंड इंश्योरेंस और हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन पाठ्यक्रम शुरू किए गए। वर्ष 2016-17 में बायोटेक्नॉलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, केमिस्ट्री, बायोकेमिस्ट्री, गणित, सांख्यिकी, भौतिकशास्त्र और कंप्यूटर साइन्स जैसे पाठ्यक्रमों का नवीनीकरण हुआ।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएँ

महाविद्यालय का पुस्तकालय 45,000 से अधिक पुस्तकों के साथ शोधार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र है। यहाँ कला, वाणिज्य, विज्ञान, और साहित्य से संबंधित संदर्भ ग्रंथ उपलब्ध हैं। छात्रों के लिए पृथक अध्ययन कक्ष और हॉस्टल की सुविधा भी उपलब्ध है।

कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र में 78 इंटरनेट युक्त कंप्यूटरों के साथ अंग्रेजी संप्रेषण कौशल और कंप्यूटर ज्ञान की विशेष कक्षाएँ संचालित की जाती हैं। विज्ञान संकाय की प्रयोगशालाएँ आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित हैं।

खेल और सह-पाठ्यचर्या

वर्ष 1998 में स्थापित क्रिकेट कोचिंग अकादमी ने कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया है, जिनमें विकलांग खिलाड़ी भी शामिल हैं। महाविद्यालय के विशाल खेल मैदान में ओपन स्टेडियम राज्य स्तरीय खेल स्पर्धाओं का केंद्र है। एनसीसी और एनएसएस इकाइयाँ भी सक्रिय रूप से कार्यरत हैं।

प्रबंधन और नेतृत्व

महाविद्यालय प्रबंध समिति के कुशल नेतृत्व में निरंतर प्रगति कर रहा है। स्व. चेयरमैन एमिरेटस सुरेंद्र लूणिया, अध्यक्ष श्री लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा, सचिव श्री शीलकुमार जैन, संयुक्त सचिव श्री प्रदीप दत्त, और कोषाध्यक्ष सी.ए. एस.बी. काबरा के मार्गदर्शन में संस्था ने अपनी हीरक जयंती पूर्ण की। डायमंड जुबिली ब्लॉक में 33 कक्षाएँ और स्टॉफ रूम के साथ वाणिज्य, प्रबंधन, और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (स्किल डेवलेपमेंट) की कक्षाएँ संचालित हो रही हैं।

एम.सी. गुप्ता कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट

सुप्रसिद्ध सामाजिक विभूति स्वर्गीय माणिकचंद गुप्ता के आर्थिक सहयोग से उस्मानिया विश्वविद्यालय से संबद्ध एम.सी. गुप्ता कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एमबीए) की स्थापना हुई। यह पाठ्यक्रम छात्रों को सरकारी और निजी संगठनों में अपनी योग्यता सिद्ध करने का अवसर प्रदान कर रहा है।

सामाजिक योगदान

महाविद्यालय सामाजिक और नैतिक मूल्यों के प्रति कटिबद्ध है। यह प्रतिवर्ष नगर के एकल शिक्षक विद्यालयों को अनुदान राशि प्रदान करता है।

भविष्य की दृष्टि

दृष्टि 2030 के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर हिन्दी महाविद्यालय उच्च शिक्षा के सभी मानदंडों को पूर्ण करने में संलग्न है। यह संस्था न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए भी समर्पित है।

– डॉ. सुरभि दत्त,
– डॉ. रजनीधारी

अमृत संजीवनी के मालिक शुक्र आज सिंह राशि में करेंगे प्रवेश

दैत्यों के गुरु, भाग्य के कारक और समस्त प्रकार के भौतिक सुखों को प्रदान करने वाले शुक्र देव 14 सितंबर की मध्य रात्रि पश्चात 00:16 मिनट पर कर्क राशि की यात्रा समाप्त करके सिंह राशि में प्रवेश कर रहे हैं। यह इस राशि में 09 अक्टूबर तक विराजमान रहेंगे। इसके बाद कन्या राशि में गोचर कर जाएंगे। शुक्र ग्रह को भोग विलास, सुख-सुविधा, प्रेम, विलासिता जैसा कारकों के लिए जाना जाता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि 14 सितंबर को शुक्रदेव कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। शुक्र के राशि परिवर्तन से राशि चक्र की सभी राशियों पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा। शुक्र के राशि परिवर्तन का प्रभाव कुछ राशियों के लिए लाभकारी साबित होगा। शुक्र एक राशि में लगभग 23 दिनों तक रहते हैं इसके बाद वह फिर से राशि परिवर्तन करते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शुक्र का गोचर बहुत अहम माना जाता है क्योंकि यह वैवाहिक जीवन सौंदर्य सुख विलासिता आदि के कारक ग्रह माने जाते हैं। शुक्र के गोचर के प्रभाव सभी राशियों पर देखने को मिलेगा। कुछ राशियों के लिए शुक्र का गोचर जीवन में उतार-चढ़ाव लेकर आएगा तो कुछ राशियों के जीवन में अच्छे दिन आएंगे।

वैदिक ज्योतिष में शुक्र ग्रह को एक शुभ ग्रह माना गया है। इसके प्रभाव से व्यक्ति को भौतिक, शारीरिक और वैवाहिक सुखों की प्राप्ति होती है। इसलिए ज्योतिष में शुक्र ग्रह को भौतिक सुख, वैवाहिक सुख, भोग-विलास, शोहरत, कला, प्रतिभा, सौन्दर्य, रोमांस, काम-वासना और फैशन-डिजाइनिंग आदि का कारक माना जाता है। शुक्र वृषभ और तुला राशि का स्वामी होता है और मीन इसकी उच्च राशि है, जबकि कन्या इसकी नीच राशि कहलाती है। शुक्र को 27 नक्षत्रों में से भरणी, पूर्वा फाल्गुनी और पूर्वाषाढ़ा नक्षत्रों का स्वामित्व प्राप्त है। ग्रहों में बुध और शनि ग्रह शुक्र के मित्र ग्रह हैं और तथा सूर्य और चंद्रमा इसके शत्रु ग्रह माने जाते हैं।

शुक्र के पास अमृत संजीवनी

अमृत संजीवनी के मालिक शुक्र पृथ्वी के साथ हैं और शुक्र के पास अमृत संजीवनी है। प्राकृतिक आपदा और अप्रिय घटनाएं जन शून्य स्थानों पर होने की संभावना अधिक है। शुक्र अमृत संजीवनी के कारण संक्रमण और दुर्घटना के शिकार लोगों को बचाने में सफल रहेंगे।

शुक्र का शुभ-अशुभ प्रभाव

शुक्र के राशि परिवर्तन से कानूनी मामलों में वृद्धि होगी। देश की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ रहेगा। खाने की चीजों की कीमतें सामान्य रहेंगी। सब्जियां, तिलहन और दलहन की कीमतें कम होंगी। भौतिक सुख और वैवाहिक सुख में वृद्धि होगी। मशीनरी समान महंगे हो सकते हैं। व्यापार में तेजी रहेगी। सोने चांदी के भाव में वृद्धि होगी। दूध से बनी चीजों का उत्पादन बढ़ सकता है। सुख-सुविधाओं की चीजों में बढ़ोत्तरी भी हो सकती है। आय में बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही राजनीति में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। शुक्र के अशुभ प्रभाव से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी होती है।

शुक्र ग्रह के उपाय

लक्ष्मी माता की उपासना करें। सफेद वस्त्र दान करें। भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कौवे और कुत्ते को दें। शुक्रवार का व्रत रखें और उस दिन खटाई न खाएं। चमकदार सफेद एवं गुलाबी रंग का प्रयोग करें। श्री सूक्त का पाठ करें। शुक्रवार के दिन दही, खीर, ज्वार, इत्र, रंग-बिरंगे कपड़े, चांदी, चावल इत्यादि वस्तुएं दान करें।

शुक्र के गोचर से सभी राशियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

मेष राशि–विद्यार्थियों और प्रतियोगिता में बैठने वाले छात्रों के लिए तो यह समय अतिउत्तम है। किसी भी तरह की सरकारी सर्विस के लिए आवेदन करना हो अथवा नए अनुबंध पर हस्ताक्षर करना हो तो परिणाम सुखद रहेगा। प्रेम संबंधी मामलों में प्रगाढ़ता आएगी।

वृषभ राशि–जमीन जायदाद से जुड़े मामले हल होंगे। मकान अथवा वाहन प्राप्ति का भी योग। मित्रों तथा संबंधियों से भी सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। विदेशी कंपनियों में सर्विस अथवा नागरिकता के लिए प्रयास करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से भी समय बेहतरीन रहेगा। नए लोगों से मेलजोल बढ़ेगा।

मिथुन राशि–धर्म और आध्यात्म में भी रुचि रहेगी। धार्मिक ट्रस्टों तथा अनाथालय आदि में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे और दान पुण्य करेंगे। परिवार में छोटे भाइयों से मतभेद बढ़ने न दें। अपनी रणनीतियां तथा योजनाओं को गोपनीय रखते हुए कार्य करेंगे तो अधिक सफल रहेंगे।

कर्क राशि–आय के स्रोत भी बढ़ेंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से दाहिनी आंख से संबंधित समस्या से सावधान रहें। कार्यक्षेत्र में षड्यंत्र का शिकार होने से बचें और कोर्ट कचहरी से संबंधित मामले भी आपस में सुलझा लेना समझदारी रहेगी। पैतृक संपत्ति संबंधी विवाद हल होंगे। परिवार में मांगलिक कार्यों का सुअवसर आएगा।

सिंह राशि–कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। कोई भी नया कार्य आरंभ करना हो या साझा व्यापार करना हो तो उस दृष्टि से भी यह अवसर बेहतर रहेगा। शासन सत्ता का भी पूर्ण सहयोग मिलेगा। माता-पिता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशील रहें। मकान अथवा वाहन का क्रय करना चाह रहे हों तो भी समय उत्तम है।

कन्या राशि–यात्रा देशाटन का लाभ मिलेगा। विदेशी मित्रों तथा संबंधियों से भी सुखद समाचार प्राप्ति के योग। विद्यार्थी वर्ग विदेश में पढ़ाई करने के लिए जाने का प्रयास कर रहे हों तो उस दृष्टि से ग्रह गोचर अनुकूल रहेगा। विवादित मामले कोर्ट से बाहर ही सुलझाएं।

तुला राशि–अपनी ऊर्जाशक्ति का सदुपयोग करेंगे तो पूर्ण सफल रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम संबंधी मामलों में प्रगाढ़ता आएगी। प्रेम विवाह भी करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से भी ग्रह गोचर अनुकूल रहेगा। नव दंपति के लिए संतान प्रादुर्भाव का भी योग।

वृश्चिक राशि–जमीन जायदाद से जुड़े मामले हल होंगे। मकान अथवा वाहन का क्रय करना चाह रहे हों तो भी ग्रह स्थितियां अनुकूल रहेगी। मित्रों तथा संबंधियों से सुखद समाचार प्राप्ति के योग। इस अवधि के मध्य यात्रा सावधानी पूर्वक करें और सामान चोरी होने से बचाएं।

धनु राशि–यात्रा देशाटन का लाभ मिलेगा। किसी दूसरे देश के लिए वीजा आदि का आवेदन करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से भी ग्रह-गोचर अनुकूल रहेगा। धर्म और आध्यात्म में रुचि बढ़ेगी यहां तक कि धार्मिक ट्रस्टों और अनाथालय आदि में भी बढ़कर हिस्सा लेंगे और दान पुण्य करेंगे। योजनाएं गोपनीय रखें और कार्य में लगे रहें।

मकर राशि–कार्यक्षेत्र में षड्यंत्र का शिकार होने से बचें। धोखाधड़ी से भी बचें। आपके अपने ही लोग नीचा दिखाने की कोशिश कर सकते हैं सावधान रहें। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। विषमताओं के बावजूद कहीं न कहीं आपके लिए सामाजिक सम्मान अथवा पुरस्कार की घोषणा हो सकती है।

कुंभ राशि–दांपत्य जीवन में भी मधुरता आएगी। ससुराल पक्ष से सहयोग मिलेगा। केंद्र अथवा राज्य सरकार के विभागों में किसी भी तरह के टेंडर आदि के लिए आवेदन करना हो तो उस दृष्टि से भी ग्रह स्थितियां अनुकूल रहेंगी। नए लोगों से मेल-जोल बढ़ेगा। परिवार में नए मेहमान के आगमन से माहौल खुशनुमा रहेगा।

मीन राशि –यात्रा देशाटन का तो लाभ मिलेगा ही विलासिता पूर्ण वस्तुओं पर अधिक खर्च होगा। उच्चाधिकारियों से मतभेद बढ़ने न दें। विवाह संबंधी वार्ता में थोड़ा और समय लगेगा। अत्यधिक खर्च के कारण आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ सकता है इसलिए अपव्यय से बचें।

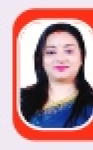

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

गजकेसरी राजयोग से निम्न राशियों के जीवन में आएगा बदलाव

वैदिक ज्योतिष में चंद्रमा को सबसे महत्वपूर्ण ग्रह माना जाता है। सभी नौ ग्रहों में चंद्रमा को सबसे तेज गति से चलने वाला ग्रह माना जाता है। चंद्रमा एक राशि में करीब ढाई दिनों तक रहते हैं फिर इसके बाद दूसरी राशि में गोचर करते हैं। चंद्रमा के ढाई दिनों में राशि बदलने के कारण इसकी किसी न किसी ग्रह के साथ युति जरूर पड़ती है। जिसके कारण कई तरह के राजयोगों का निर्माण होता है। ऐसा ही कुछ योग 14 सितंबर को चंद्रमा के मिथुन राशि में गोचर करने से होगा। जिसके चलते पहले से मिथुन राशि में मौजूद देवगुरु बृहस्पति के साथ युति बनेगी।

ज्योतिष में चंद्रमा-गुरु की युति को बहुत ही अच्छा माना जाता है। इन दोनों की ग्रहों की युति से शक्तिशाली और शुभ गजकेसरी राजयोग का निर्माण होता है। गजकेसरी राजयोग बनने से सभी 12 राशियों पर कुछ न कुछ शुभ प्रभाव अवश्य देखने को मिलेगा, लेकिन सबसे ज्यादा इन राशि वालों को लाभ मिलने की संभावना है।

मिथुन राशि –आपकी राशि के लग्न भाव में ही गजकेसरी राजयोग का निर्माण 14 सितंबर से लेकर 17 सितंबर तक रहेगा। मिथुन राशि वालों को इस दौरान कई तरह की खुशियां और शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। इस शुभ योग के प्रभाव के चलते आपके आत्मविश्वास और मान-सम्मान में वृद्धि देखने को मिलेगा। आपको कार्य में सफलता मिलेगी जो काम पिछले कई दिनों से अधूरे थे वह अब पूरे होंगे। आर्थिक लाभ की अच्छी संभावना है। नौकरी की तलाश करने वाले जातकों को कोई अच्छी नौकरी मिल सकती है। आपके लक्ष्य इस दौरान पूरे होंगे। लोग विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाह रहे हैं उनके लिए नए तरह के अवसर मिलेंगे।

सिंह राशि – इस माह मिथुन राशि में बना गजकेसरी राजयोग सिंह राशि वालों के लिए कुछ विशेष तरह की उपलब्धियों की तरफ संकेत हैं। गुरु-चंद्रमा की युति से बना गजकेसरी राजयोग आपके कार्यक्षेत्र में आपको नए तरह के मुकाम दिला सकता है। इस दौरान कोई महत्वपूर्ण काम बनने से आपको काफी राहत महसूस होगी। आपके मान-सम्मान और आत्मविश्वास में वृद्धि देखने को मिलेगी। जो लोग किसी काम को पूरा करने में काफी दिनों से प्रयासरत थे उनको इसमें सफलता मिल सकती है। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और अतिरिक्त धन लाभ के अवसर भी मिलेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा। आपके करियर में स्थिरता रहेगी।

तुला राशि – मिथुन राशि में चंद्रमा और गुरु की युति होने से बना गजकेसरी राजयोग तुला राशि वालों के भाग्य में वृद्धि के संकेत है। इस दौरान आपके करियर-कारोबार में अच्छी प्रगति देखने को मिलेगी। नौकरी में एक से बढ़कर एक बेहतरीन अवसर आपको मिलेंगे और व्यापार में अच्छी तरक्की देखने को मिलेगी। इस दौरान आपको कोई बड़ा पुरस्कार भी मिल सकता है। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। इस दौरान आपको अपने शत्रुओं पर विजय हासिल होगी।

जितिया व्रत के दिन क्या करें और क्या न करें

इन नियमों का ध्यान रखने से व्रत का पूर्ण फल होगा प्राप्त

जितिया व्रत हर साल आश्विन मास में कृष्ण पक्ष की सप्तमी वृद्धा अष्टमी तिथि पर रखा जाता है। इस व्रत का बहुत खास महत्व होता है। भविष्य पुराण के अनुसार, जितिया व्रत करने से संतान की आयु लंबी होती है। इस कठिन व्रत को करने के कई नियम होते हैं, जिनका ख्याल रखना जरूरी होता है। इस दिन कुछ कार्य करने और न करने से आपका व्रत अधूरा रह सकता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि नहाय खाय से लेकर व्रत के पारण तक व्रती महिलाओं को किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

एक दिन पूर्व से करें नियमों का पालन

इस बार जितिया व्रत 14 सितंबर, रविवार के दिन रखा जाएगा और इसका पारण 15 सितंबर को होगा। व्रत करने वाली महिलाओं को एक दिन पहले से तामसिक भोजन छोड़ देना चाहिए। ऐसे में नहाय खाय के दिन लहसुन, प्याज आदि चीजों का प्रयोग खाने में नहीं करना चाहिए।

जितिया व्रत में नहाय खाय के नियम

नहाय खाय के दिन महिलाएं नदी या तालाब में स्नान करती हैं और फिर, झिमनी के पत्तों पर सरसों के तेल की खली को रखकर जीमूतवाहन भगवान की पूजा करती हैं। ऐसा संभव न होने पर आप घर में भी स्नान कर सकती हैं। वहीं, झिमनी के पत्ते न उपलब्ध हो पाने पर केले के पत्तों का प्रयोग किया जा सकता है। विधि-विधान से पूजा करने के पश्चात व्रती महिलाओं को तेल अपनी संतान के सिर पर आशीर्वाद के रूप में लगाना चाहिए।

नहाय खाय के दिन क्या करें, क्या न करें

सप्तमी तिथि यानी आज दिन के समय कई स्थानों पर मड़ुआ की रोटी और मछली खाने की परंपरा होती है। वहीं, जिनके यहां मांसाहार नहीं बनता है, वो व्रती महिलाएं सात्विक भोजन ग्रहण करती हैं। सप्तमी तिथि के दिन ज्यादा हैवी और ऑयली खाना खाने से बचना चाहिए। क्योंकि यह व्रत बेहद लंबा होता है। ऐसे में व्रत रखने में आपको समस्या आ सकता है। खाना खाने के बाद अच्छी तरह दांत साफ करने चाहिए ताकि दांत में अन्न का कोई टुकड़ा न बचे।

जितिया व्रत ओठगन के नियम

इस बार अष्टमी तिथि 14 सितंबर को पड़ रही है। इस दिन सूर्योदय से पहले यानी ब्रह्म मुहूर्त में जितिया ओठगन रहेगा। इस दौरान व्रती महिलाएं चूड़ा, दही, पानी, नारियल पानी आदि ग्रहण कर सकती है। भोजन करने के बाद अपने शरीर को दरवाजे से टिकाकर पानी ग्रहण किया जाता है। माना जाता है कि इससे भाइयों की आयु भी लंबी होती है।

जितिया व्रत और पारण के नियम

ओठगन के बाद महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखती हैं। इस दौरान अन्न का एक दाना भी ग्रहण नहीं किया जाता है और न ही दातुन किया जाता है। इसके बाद, नवमी तिथि जो इस बार 15 सितंबर, रविवार को पड़ रही है। इस दिन सुबह 6 बजकर 35 मिनट पर अष्टमी तिथि समाप्त हो जाएगी। जिसके पश्चात विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए और फल, नारियल, अकड़ी आदि को ढककर रखना चाहिए। अपनी संतान से कपड़ा हटवाने के बाद प्रसाद ग्रहण करके व्रत का पारण करना चाहिए। साथ ही, इस दिन आम दतुअन से दातुन करने का विधान होता है।

कथाओं के अनुसार, व्रत का पारण गाय के कच्चे दूध से किया जाता है। कहा जाता है कि चील ने जितिया व्रत रखने के बाद गउशाला से गाय का कच्चा दूध लाकर इस व्रत का पारण किया था। ऐसी मान्यता भी है कि व्रती को व्रत वाले दिन खाना बनाना नहीं चाहिए और न सिलाई-बुनाई का काम करना चाहिए।

जितिया व्रत में आधी रात को क्यों खाते हैं दही-चूड़ा?

जितिया व्रत यूपी, बिहार और झारखंड में विशेष तौर पर माताएं अपने बच्चों की सुख-समृद्धि और सलामती के लिए रखती हैं। इस व्रत में महिलाओं को निर्जला उपवास रखना होता है यानी कि, दिनभर बिना जल के रहना होता है, जो इस व्रत की विशेषता भी है।

इस कारण व्रत शुरू होने से पहले माताएं नहाय खाए और फिर सप्तमी की अर्ध रात्रि को दही चूड़ा खाने की परंपरा को निभाती हैं। आइए जानते हैं आखिर आधी रात को दही चूड़ा क्यों खाया जाता है?

जितिया व्रत में अर्ध रात्रि को दही चूड़ा पौष्टिकता के साथ साथ पचने में भी हल्का होता है। दही के सेवन से शरीर को ठंडक और चूड़े से पर्याप्त मात्रा में कार्बोहाइड्रेट मिलता है, जिसके कारण अगले दिन व्रती महिलाओं को निर्जला उपवास रखनी की शक्ति प्राप्त होती है।

दही में जलांश की मात्रा अधिक होती है, जो पेट को लंबे समय तक शांत और ठंडा रखता है। इससे अगले दिन भूख-प्यास ज्यादा नहीं लगती है।

जितिया व्रत मुख्यत भाद्रपद या आश्विन माह में आता है, जब ये मौसम धान कटाई का भी होता है। ऐसे में चावल और चूड़ा जैसे खाद्य पदार्थ आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। कहने का मतलब जितिया व्रत में दही चूड़ा खाने की परंपरा केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, मौसम और व्यावहारिकता से भी जुड़ी हुई है।

जब माताएं जितिया का व्रत करती हैं, तो उपवास रखने से पहले और पारण के समय खाने-पीने की कुछ खास परंपराएं भी निभाई जाती है।

नहाय खाय (व्रत से एक दिन पहले)

अरवा का चावल, कद्दू, झींगा, मूली, अरबी जैसी सब्जियां, दाल, देसी घी, व्रत की रात (सप्तमी की अर्ध रात्रि), दही-चूड़ा

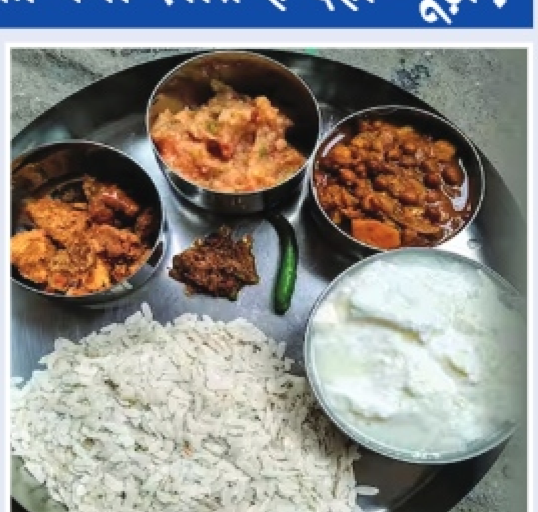

क्षेत्रीय विभिन्नता के कारण कई जगह दूध-चूड़ा या गुड़ के साथ दही चूड़ा का सेवन किया जाता है। यह भोजन हल्का होने के साथ लंबे समय तक ऊर्जा देने वाला भी माना जाता है।

अष्टमी के दिन (व्रत के दिन)

व्रती महिलाएं पूरे दिन निर्जला उपवास रखती है।

माताएं पूजा-पाठ करने के बाद जीउतिया की कथा सुनती हैं और निर्जला व्रत रखती हैं।

व्रत का पारण नवमी तिथि को

इस दिन खास तरह के पकवान बनाएं जाते हैं।

पूड़ी, कचौड़ी, दाल-भात

कद्दू-झींगा, नोनिया का साग, मूली की सब्जी

मीठे में ठेकुआ, खीर और गुड़ की मिठाईयां

कई जगहों पर मछली भात (चावल) भी खाया जाता है।

जितिया या जीवित्पुत्रिका व्रत किन महिलाओं को नहीं रखना चाहिए

जितिया व्रत रविवार, 14 सितंबर 2025 को रखा जाएगा। इसे जिउतिया या जीवित्पुत्रिका व्रत के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू धर्म में छठ पूजा के बाद इसे सबसे कठिन व्रत माना जाता है, जिसमें माता निर्जला व्रत रखकर संतान की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना करती हैं।

जितिया व्रत का विशेष धार्मिक महत्व होता है। इस व्रत के नियम पूरे तीन दिनों तक चलते हैं। जिसमें नहाय-खाय, निर्जला व्रत और पारण शामिल है। मान्यता है कि इस व्रत को रखने से संतान के जीवन पर कोई खतरा नहीं रहता और हर क्षेत्र में उसे सफलता मिलती है।

वैसे तो हर माता के लिए जितिया का व्रत रखना बहुत शुभ होता है। लेकिन कुछ महिलाओं को यह व्रत रखने से बचना चाहिए। इसलिए यह जान लीजिए किन महिलाओं को जितिया का व्रत नहीं रखना चाहिए।

ऐसी महिलाएं न रखें जितिया व्रत

गर्भवती महिलाएं– जो महिलाएं गर्भवती हैं, उन्हें यह व्रत नहीं रखना चाहिए। इसका कारण यह है कि जितिया का व्रत निर्जला यानी अन्न-जल ग्रहण किए बिना रखा जाता है। गर्भावस्था में जितिया व्रत रखना गर्भवती महिला और गर्भस्थ शिशु की सेहत के लिए नुकसान दायक हो सकता है। इसलिए आप जितिया व्रत न रखकर केवल विधि-विधान से पूजा कर अपने शिशु के लिए कामना कर सकती हैं।

निसंतान महिला– जितिया का संतान की रक्षा, खुशहाली और लंबी उम्र के लिए रखा जाता है। ऐसे में जिन महिलाओं को संतान नहीं है, उन्हें यह व्रत नहीं रखना चाहिए। धार्मिक मान्यता के अनुसार वैसे तो निसंतान महिला को जितिया व्रत नही रखना चाहिए। लेकिन विभिन्न क्षेत्रों की परंपराओं में अंतर होता है। कुछ जगहों पर बड़े-बुजुर्ग जितिया व्रत रखने की सलाह देते हैं, जिससे कि महिला की सूनी गोद जल्दी भर जाए। आप जितिया व्रत करने से पहले अपने घर बड़े-बुजुर्गों की सलाह जरूर लें।

जाने-अनजाने में कुछ खा लेने पर– ऐसी महिलाएं जोकि व्रत रखने का संकल्प ले लेती हैं। लेकिन यदि वह जाने-अनजाने में कुछ खा लेती हैं, तो उन्हें भी जितिया का व्रत नहीं रखना चाहिए। क्योंकि व्रत के दौरान भूल से भी यदि अन्न-जल ग्रहण कर लिया जाए तो इससे व्रत खंडित माना जाता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज छात्र शिक्षा क्षेत्र में चमकेंगे और नवीन तरीकों से समस्याओं को सुलझाने की अपनी विशेष प्रतिभा के लिए पहचान हासिल करेंगे.व्यवसाय क्षेत्र में, आप प्रशंसा प्राप्त करेंगे और अच्छा उत्थान या पदोन्नति भी प्राप्त कर सकते हैं. आपकी लोकप्रियता बहुत बढ़ जाएगी. आपकी आमदनी बढ़ेगी जबकि आपके खर्च घटेंगे. बचत आपके आत्मविश्वास–स्तर को बढ़ावा देगी. आपका पारिवारिक जीवन आर–ामदायक और सुखद रहेगा. आपका जीवनसाथी के साथ तालमेल बहतर रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज रुके हुए काम जल्दी पूरे हो सकते हैं. जो काम आप काफी समय से करने की सोच रहे हैं, वो कर लेंगे. किसी बोझ या अनचाहे साथी से भी आपको छुटकारा मिल सकता है. अचानक इनकम बढ़ेगी. किसी उलझी हुई स्थिति को सुलझाने में आप सफलरहेंगे. अपने प्रेमीजनों की जरूरतों और उनकी बातों को समझने की कोशिश करें. परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज व्यवसाय के सिलसिले में विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है. परिवार में आपके गुणों की प्रशंसा होगी, जिससे आपका मन खुश रहेगा. नयी तकनीक को अपनाने से आपके काम में वृद्धि होगी. आप अपनी कोई बात दोस्तों से शेयर कर सकते हैं. शनिवार का दिन खुद में बदलाव लाने के लिये अच्छा है. आपको आगे बढ़ने के लिए नई योजनाएं बनानी पड़ सकती है. ब्राह्मण को मिष्ठान भोग अर्पित करें कार्य सिद्धि होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ऑफिस में उच्च पदाधिकारियों द्वारा काम की सराहना होगी और वे आपके प्रेरणा स्रोत बनेंगे. आपकी शोहरत बढ़ेगी और आप आसानी से दूसरे लिंग के लोगों को अपनी तरफ़ आकर्षित करेंगे. नशीले पदार्थों का सेवन ना करें. आपको इससे काफी नुकसान हो सकता है. साथ ही देर रात में वाहन ना चलाएं. दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी. आपको अपने पार्टनर के प्रति वफादार रहने की जरूरत है.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन आपके लिए कुछ परेशानी वाला हो सकता है.नौकरी पेशा जातकों के लिए के लिए यह समय मुश्किल भरा हो सकता है . आर्थिक पक्ष में गिरावट संभव है . आपके जीवनसाथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उन्हें चिकित्सकीय देखरेख की जरूरत हो सकती है. सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है. प्रेम संबंधन को बहुत ही सावधानी और समझदारी से निभाने की जरूरत होगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

परेशान लोगों को कुछ राहत मिल सकती है. धन की बचत करने में सफल रहेंगे. अपनी कोशिशों के दम पर सही समय पर सही जगह आप मौजूद रहेंगे और इससे आपके रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं. घर–परिवार या पड़ोस में कोई कठिन परिस्थिति बने तो सकारात्मक रहें.दाम्पत्य जीवन में सुख मिलेगा. शादी लायक लोगों को आज ऑफर मिल सकते हैं. लोग आपकी सलाह मानेंगे. आज आप थोड़ा संतुलित व्यवहार रखें.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए अग्रसर रहेंगे. ऑफिस में आप किसी तरह की राजनीति में उलझ सकते हैं. इससे आपका कुछ समय खराब हो सकता है. घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे आपका मन खुश रहेगा. ऑफिस में काम की अधिकता थोड़ी ज्यादा हो सकती है. आज आप दोस्तों के साथ समय बितायेंगे. उनके साथ किसी नए विषय पर बातचीत कर सकते हैं। देवमंदिर मे दीपक प्रज्वलित करें , आपका दिन बेहतर गुजरेगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन शुरू किया गया निर्माण का कार्य संतोषजनक रूप से पूरा होगा. आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है. आप अपने परिजनों से मिलने जाएंगे. यह मुलाकात काफी लंबे समय बाद हो रही है. इससे आप बहुत ही खुश होंगे. आकस्मिक यात्रा हो सकती है. आर्थिक पक्ष मजबूत हो–गा.पारिवारिक यात्रा का माहौल बनेगा, अपनी सामर्थ्य अनुसार गौसेवा करें मानसिक शान्ति मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

छात्रों को सामान्य से अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, फिर भी वे अपने निरंतर प्रयासों से सफलता प्राप्त कर सकते हैं. आपको अध्ययन के प्रति अपने दृष्टिकोण में अधिक ध्यान केंद्रित होना होगा. यदि आप नई नौकरी की तलाश कर रहे हैं, तो आपके रास्ते में बहुत सारे अवसर हो सकते हैं और यहां तक कि चुनने के लिए विकल्प भी हो सकते हैं. महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए दूसरों पर निर्भर रहना आपको परेशानी में डाल सकता है. परिवार की महिला सदस्य को स्वास्थ्य तकलीफ दे सकता हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

घर पर ज्यादा समय देना पड़ेगा. आपको जरूरत पड़ने पर परिवार के लिए कुछ त्याग भी करना पड़ सकता है. प्रेम संबंधों के लिए अच्छा समय है. दिन भी अच्छा रहेगा. सुख मिलेगा. सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. सेहत अच्छी रहेगी. कोई ऐसी बात आपके सामने आ सकतीहै जिससे आपको भविष्य में होने वाले फायदे का संकेत मिल सकता है. किसी भी मामले को गंभीर होकर निपटा लें. कोई टेंशन भी जल्दी खत्म हो सकती है. मन में उत्साह रहेगा.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

करियर के मामले में आपको बड़ी सफलता मिलेगी. कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे. आप ऐसे लोगों के साथ जुड़ेंगे, जो आपकी हर तरह से मदद के लिये तैयार रहेंगे. आपके सगे–संबंधी आर्थिक रूप से आपकी मदद के लिए तैयार रहेंगे. बिजनेसमैन को बेहतर अपॉर्चुनिटिज़ मिलेगी. आपके परिवार में ख़ुशी का माहौल रहेगा. साथ ही घर के सदस्यों का सहयोग मिलेगा. आपका कोई जरूरी काम पूरा होगा. देवी मंत्र का स्मरण जप पाठ करें

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका या परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है. मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है. यात्रा आपके लिए आनन्द दायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी. पारिवारिक जीवन में अब तक का सबसे सुनहरा पल देखने को मिलेगा. किसी भी प्रकार के अनैतिक कार्यों से दूर रहने की गणेशजी सलाह देते हैं. ध्यान और आध्यात्मिकता मन को शांति प्रदान करेंगे. मेहनत करें भाग्य बदल जाएगा. समय रहते कार्य पूरा करें.

आज का पंचांग

दिनांक : 14 सितंबर 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन,कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 03:08 तक
नक्षत्र : रोहिणी प्रातः 08:41 तक
योग : वज्र प्रातः 07:35 तक
करण : बालव सायं 04:04 तक
चन्द्रराशि : वृषभ रात्रि 08:04 तक
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:19 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:21 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:14 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:10 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अष्टमी श्राद्ध , अशोकाष्टमी , कालाष्टमी , महालक्ष्मी व्रत

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

ओलंपिक में पदक जीतने का लक्ष्य रखें खिलाड़ी : नायब सिंह सैनी

पंचकूला, 13 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज पंचकूला में अश्वनी गुप्ता मेमोरियल ऑल इंडिया सब–जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट का शुभारंभ करते हुए खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि खिलाड़ियों का अंतिम लक्ष्य केवल एशियन जूनियर टूर्नामेंट नहीं, बल्कि ओलंपिक खेलों में पदक जीतना होना चाहिए।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों में भारत को एक खेल महाशक्ति बनाने का लक्ष्य है और हरियाणा सरकार अभी से इसकी तैयारियों में जुट गई है। पंचकूला में आयोजित इस टूर्नामेंट में देशभर से लगभग 2000 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि जीत–हार खेल का हिस्सा है, लेकिन उनका जज्बा और खेल भावना ही उन्हें महान खिलाड़ी बनाएगी। इस अवसर पर उन्होंने अपने स्वैच्छिक कोष से स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी, पंचकूला को 11 लाख रुपये देने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने हरियाणा को 'स्पोर्ट्स हब' बताते हुए कहा कि राज्य ने 'खेले हरियाणा–बढ़े हरियाणा' के मंत्र के साथ खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 1,489 खेल नर्सरियां कार्यरत हैं, जिनमें 37 हजार से अधिक खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इन खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता भी दी जा रही है, जिससे वे अपनी खेल प्रतिभा को निखार सकें। नायब सिंह सैनी ने हरियाणा के खिलाड़ियों की उपलब्धियों का भी जिक्र किया।

उन्होंने बताया कि पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के 6 में से 5 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते, और टोक्यो ओलंपिक 2020 में 7 में से 4 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने हासिल किए थे। उन्होंने कहा कि यह हमारे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और सरकार की नीतियों का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों से टीम भावना के साथ खेलने का आग्रह किया और कहा कि बैडमिंटन जैसे खेल शारीरिक कौशल के साथ–साथ मानसिक दृढ़ता और अनुशासन भी सिखाते हैं।

हरियाणा रोडवेज की बसों के एक्सीडेंट मामलों की जांच के लिए कमेटी गठित होगी: अनिल विज

अंबाला, 13 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने आज कहाकि हरियाणा रोडवेज की बसों के एक्सीडेंट होने के मामलों की जांच के लिए कमेटी का गठन किया जाएगा और इस कमेटी में तकनीकी अधिकारियों के साथ–साथ पुलिस के जांच अधिकारी को भी शामिल किया जाएगा। विज ने आज सिरसा में हरियाणा रोडवेज की बस से ट्रेक्टर–ट्रॉली के टकराने के कारण दो औरतों की मृत्यु होने पर कडा संज्ञान लेते हुए यह आदेश परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को दिए। उन्होंने अतिरिक्त मुख्य सचिव को निर्देशित करते हुए कहा कि रोडवेज बसों के साथ होने वाली दुर्घटनाओं के संबंध में जांच करने की प्रैक्टिस सेट कर दी जाए ताकि जांच में जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

सिरसा में हुई दुर्घटना के संबंध में विज ने अतिरिक्त मुख्य सचिव को निर्देश देते हुए यह भी कहा कि "मैं चाहता हूं कि इस दुर्घटना की एक जांच होनी चाहिए कि हमारी रोडवेज की बस के ड्राइवर की गलती थी या ट्रैक्टर चलाने वाले ड्राईवर की गलती थी क्योंकि इस संबंध में हमें पता होना चाहिए"।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि यह पहल हरियाणा की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में जवाबदेही को मजबूत करेगी और सड़क सुरक्षा को बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा परिवहन विभाग में बसों की दुर्घटनाओं के बारे में अब यह प्रैक्टिस बना ली जाएगी कि जब भी इस प्रकार की दुर्घटनाएं हरियाणा रोडवेज की बस के साथ होगी तो उसकी जांच जरूर की जाएगी।

इन दुर्घटनाओं के बारे में एक कमेटी का गठन किया जाएगा जिनमें तकनीकी अधिकारियों के साथ–साथ पुलिस के जांच अधिकारी भी शामिल किए जाएगें ताकि यह पता चल सकें कि सडक दुर्घटनाओं में गलत कौन था यदि हमारे रोडवेज के ड्राइवर गलत ड्राइविंग करते हैं तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। गौरतलब है कि सिरसा के ऐलनाबाद में आज सुबह सड़क हादसा हो गया जिसमें हरियाणा रोडवेज की बस से ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि इस हादसे में ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार दो लोगों की मौत हो गई जबकि सात लोग घायल हो गए। हादसे के बाद घायलों को नागरिक अस्पताल में पहुंचाया गया है जहां घायलों का उपचार चल रहा है।

प्रदेश में स्वास्थ्य ढाँचे को किया जाएगा मजबूत : आरती सिंह राव

चंडीगढ़, 13 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने और आम जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 135 नए स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण को प्रशासनिक मंजूरी प्रदान कर दी है। इन संस्थानों के निर्माण पर लगभग 74.43 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने जानकारी दी कि इनमें 126 सब हेल्थ सेंटर शामिल हैं, जिन पर लगभग 6993 लाख रुपये की लागत आएगी। इसी के साथ 9 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट्स के निर्माण को भी स्वीकृति प्रदान की गई है, जिन पर कुल 450 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने विस्तार से बताया कि जिन जिलों में सब हेल्थ सेंटर स्थापित किए जाएंगे, उनमें महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, भिवानी, चरखी दादरी, फतेहाबाद, गुरुग्राम, झज्जर, जींद, करनाल, कुरुक्षेत्र, कैथल, पलवल, पानीपत और सोनीपत शामिल हैं। वहीं ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट्स का निर्माण सिरसा, भिवानी, रेवाड़ी, झज्जर और पानीपत जिलों में किया जाएगा।

आरती सिंह राव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को उन्नत बनाने के लिए कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य है कि राज्य का कोई भी नागरिक बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे। इसी दिशा में डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने, आधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जिस भी गांव या शहर में स्वास्थ्य संस्थान की आवश्यकता महसूस होगी, वहां यथाशीघ्र नए संस्थान का निर्माण सुनिश्चित किया जाएगा।

पंचकूला में ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप की शुरुआत

पंचकूला , 13 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से अश्विनी गुप्ता मेमोरियल ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। सेक्टर 3 ताऊ देवीलाल स्टेडियम के मल्टीपर्पज हॉल में शनिवार को बैडमिंटन चैंपियनशिप का आगाज हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप के शुभारंभ कार्यक्रम में पहुंचे।

हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता की अध्यक्षता में इस बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन हो रहा है, जिसमें अंडर 15 और 17 आयु समूह के लड़के और लड़कियां हिस्सा ले रही हैं। इस चैंपियनशिप में देश के अलग–अलग राज्यों से करीब 2,000 खिलाड़ी भाग लेने पहुंचे हैं। इस सेलेक्शन टूर्नामेंट में चुने गए खिलाड़ी चाइना में होने वाली बैडमिंटन चैंपियनशिप में खेलेंगे।

इस चैंपियनशिप के कालीफाइंग राउंड मुकाबले 13–17 सितंबर के बीच आयोजित होंगे। मुख्य ड्रॉ के मैच 18–21 सितंबर तक खेले जाएंगे। लड़कियों के कालीफाइंग मैच जीरकपुर स्थित एएम बैडमिंटन एकेडमी में होंगे।

अश्विनी गुप्ता मेमोरियल ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप से उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सकेगा। इसके साथ ही उनकी रैंकिंग में भी असर देखने को मिलेगा, जिससे आगे चलकर वह राष्ट्रीय टीम या बड़े टूर्नामेंट्स में चयनित हो सकें।हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन की इस पहल से खिलाड़ियों को कम उम्र में उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिलेगा। खिलाड़ियों के टैलेंट को सामने लाना और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना ही इस प्रतियोगिता का मकसद है।

इसके साथ ही अश्विनी गुप्ता मेमोरियल ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप के आयोजन से बैडमिंटन को राज्य और देशभर में लोकप्रिय बनाने में योगदान मिलेगा।इस आयोजन से खिलाड़ियों में खेल भावना, अनुशासन और टीम स्प्रिट विकसित होगी। इसके साथ ही खिलाड़ी खेल के शुरुआती स्तर पर ही फिटनेस और तकनीकी कौशल में सुधार के लिए प्रेरित होंगे।

हरियाणा में नमो युवा रन में होगी दौड़

चंडीगढ़, 13 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन और भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर बड़े पैमाने पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। हरियाणा के युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता तथा खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने घोषणा की है कि 17 सितंबर से पूरे प्रदेश में 'सेवा पखवाड़ा' की शुरुआत की जाएगी। यह पखवाड़ा 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर समाप्त होगा।

गौतम ने यह जानकारी चंडीगढ़ स्थित भाजपा कार्यालय में एक प्रेस वार्ता के दौरान दी। इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे। गौरव गौतम ने बताया कि इस पखवाड़े के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी कड़ी में, युवाओं को प्रेरित करने के लिए 21 सितंबर को कुरुक्षेत्र और गुरुग्राम में 'नमो युवा रन' का आयोजन भी किया जाएगा। यह पहल प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों और भगवान विश्वकर्मा जयंती के महत्व को एक साथ जोड़ती है, जिसमें सेवा, समर्पण और कौशल विकास पर जोर दिया गया है।

लालसोट में राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन, करोड़ों के प्रकरणों का निस्तारण

लालसोट, 13 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में शनिवार को तालुका विधिक सेवा समिति, लालसोट मुख्यालय पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हुआ।सचिव राहुल कुमार शर्मा ने बताया कि लालसोट न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निस्तारण हेतु दो बैंच गठित की गईं। इनमें अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रितु चौधरी की बैंच ने 125 प्रकरणों का निस्तारण कर ₹1,10,18,320 के अवार्ड पारित किए। वहीं वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं एसीजेएम–01 रितु चंदानी की बैंच ने 185 प्रकरणों में ₹83,67,388 के समझौते कराए।

लोक अदालत में एसबीआई, यूको बैंक, केनरा बैंक, पीएनबी सहित विभिन्न बैंकों, बीमा कंपनियों और बिजली विभाग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अधिवक्ताओं ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा का विधानसभा स्पीकर पर विवादित बयान

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। विधानसभा में विपक्ष की तरफ एक्स्ट्रा कैमरे लगाकर जासूसी करने के विवाद के बीच कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने स्पीकर वासुदेव देवनानी पर बड़ा आरोप लगाया है। डोटासरा ने कहा कि स्पीकर कांग्रेस की महिला विधायकों को रेस्ट रूम में बैठकर देखते हैं और उनकी वेशभूषा और अवस्था पर फोकस रखते हैं।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत में डोटासरा ने कहा, स्पीकर का केवल महिलाओं पर ज्यादा ध्यान है। इससे बड़ी शर्म की बात नहीं हो सकती कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति हमारे प्रतिपक्ष की महिला विधायकों के रेस्ट रूम में कैमरा लगाकर उनका एक्सेस रखता है। ऐसे व्यक्ति को डूब के मर जाना चाहिए।विधानसभा में जासूसी के आरोप पर दो दिन तक हंगामा हुआ था। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने इसका बचाव करते हुए कहा था कि सुरक्षा के लिए कैमरे लगाए गए हैं और सदन का 360 डिग्री व्यू यूट्यूब पर भी आता है।

इस मामले में कांग्रेस विधायकों ने राज्यपाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और जासूसी की जांच के लिए संयुक्त कमेटी बनाने की मांग की है।

उदयलाल माली दिशा समिति में राज्य स्तरीय सदस्य मनोनीत

भीलवाड़ा, 13 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य विकास समन्वय और निगरानी समिति–दिशा का गठन किया गया है। इस (दिशा) कमेटी में भीलवाड़ा जिले के लाम्बियाकलां निवासी उदयलाल माली को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली दिशा समिति में राज्य स्तरीय सदस्य नियुक्त किया।

दिशा के केन्द्रीय सचिव पियूष राजन ने आदेश जारी कर उदयलाल को गैर सरकारी स्टेट लेवल सदस्य नियुक्त किया।

राजस्थान में मातृ मृत्यु दर अब राष्ट्रीय औसत से कम

प्रदेश में 94.9 प्रतिशत संस्थागत प्रसव

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का निरन्तर उन्नयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता के चलते प्रदेश में गांव–ढाणी तक मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार सुदृढ़ किया गया है, ताकि प्रदेश में मातृ एवं शिशु मृत्युदर को न्यूनतम स्तर पर लाया जा सके। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने कई नवाचार कर एवं मातृ स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर सकारात्मक परिणाम हासिल किए हैं। हाल ही में जारी एसआरएस सर्वे के अनुसार प्रदेश में मातृ मृत्यु दर घटकर 86 प्रति एक लाख जीवित जन्म दर्ज की गई है जो कि राष्ट्रीय औसत से कम है।

मातृ स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से एएनसी रजिस्ट्रेशन के साथ ही कम से कम 4 बार गर्भवती महिला की जांच की जाती है। उन्हें आईएफए कैल्शियम एवं आयरन की गोलियां देने के साथ ही डीटी के दो टीके लगाए जाते हैं। हर माह की 9, 18 एवं 27 तारीख को प्रत्येक पीएचसी स्तर से लेकर उच्चतर संस्थानों तक गर्भवती की विशेष जांच व्यवस्था नियमित रूप से उपलब्ध है। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत प्रत्येक गर्भवती माता को निशुल्क दवा, जांच, रेफरल व प्रसव के समय भर्ती के दौरान कलेवा एवं आवश्यकता होने पर निःशुल्क रक्त प्रदान करने की सेवाएं उपलब्ध है। प्रसव कक्षों की गुणवत्ता बनाए रखने हेतु दक्षता कार्यक्रम संचालित है। प्रत्येक प्रसव के समय संबल प्रदान करने की दृष्टि से प्रसव सखी अर्थात् प्रसूता की परिजन महिला को साथ रखा जाता है। प्रत्येक प्रसूता को जेएसवाई एवं लाडो प्रोत्साहन योजना का लाभ सीधा बैंक खातों में दिया जा रहा है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को निरंतर कम करने के लिए प्रदेश में गांव–कस्बों तक मातृ एवं स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया गया है। विभाग का प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा प्रसव संस्थागत हो, ताकि जच्चा–बच्चा के जीवन को कोई खतरा नहीं रहे। इस दिशा में प्रदेश में कुल 2065 डिलीवरी प्वाइंट संचालित हैं, जहां संस्थागत प्रसव संपादित होते हैं। राज्य में जिला स्तर व उप जिला स्तर पर कुल 42 एमसीएच इकाइयां स्वीकृत हैं। अधिक भार वाले चिकित्सा संस्थानों में 114 जेएसवाई वार्ड संचालित हैं। प्रदेश में स्वीकृत 160 एफआरयू केन्द्रों में से 106 पर सिजेरियन विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध है। शेष केन्द्रों पर भी सामान्य प्रसव सेवाएं दी जा रही हैं। मातृ एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को देखते हुए लक्ष्य कार्यक्रम के तहत 95 लेबर रूम एवं 44 ओटी भारत सरकार के स्तर से सर्टिफाई किए जा चुके हैं। इन सभी प्रयासों के चलते प्रदेश में संस्थागत प्रसव लगातार बढ़ता जा रहा है। एनएफएचएस–5 सर्वे के अनुसार राज्य में संस्थागत प्रसव 94.9 प्रतिशत है जो अन्य राज्यों की तुलना में काफी बेहतर है।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि हमारी माताएं–बहनें स्वस्थ एवं सेहतमंद रहें और आने वाली पीढ़ी भी स्वस्थ एवं तंदुरूस्त हो, इसी संवेदनशील सोच के साथ राज्य सरकार मा–वाउचर योजना लेकर आई। सुदूरवर्ती गांव–कस्बों में जिन राजकीय अस्पतालों में सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां राज्य सरकार ने निजी केन्द्रों पर निःशुल्क सोनोग्राफी के लिए यह योजना शुरू की है। योजना के लागू होने से गर्भस्थ शिशु एवं गर्भावस्था में गर्भवती महिला की प्रसव संबंधी जटिलता की पहचान होने पर आवश्यक प्रबंधन संभव हो रहा है। योजना के तहत लगभग 1300 अधिकृत निजी सोनोग्राफी केन्द्रों पर क्यूआर कोड आधारित वाउचर से निःशुल्क सोनोग्राफी की जा रही है। अब तक 2 लाख से अधिक कूपन जारी किए जा चुके हैं। इन कूपनों के आधार पर लगभग 1 लाख 50 हजार गर्भवती महिलाएं निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा प्राप्त कर चुकी हैं। योजना के तहत प्रतिवर्ष लगभग 03 लाख गर्भवती महिलाओं को सेवा दिये जाने का लक्ष्य रखा गया है।

लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के स्थापना दिवस समारोह में बोले सीएम योगी

राष्ट्रहित और जनहित में निर्णय लेना ही हमारी संस्कृति है

298 करोड़ की परियोजनाओं का किया लोकार्पण

लखनऊ, 13 सितंबर (एजेंसियां)। हमारे जीवन की तीन स्थितियां होती हैं, जिसमें पहली प्रवृत्ति, दूसरी विकृति और तीसरी संस्कृति होती है। इसमें स्थिति का यथारूप रहना प्रवृत्ति है। इंसान परिवर्तन तो चाहता है, लेकिन परिवर्तन करने के लिए अपने आपको तैयार करने में हिचकता है। वहीं अगर कोई संस्थान या इंसान लगातार गिरावट की ओर जाता है तो यह विकृति होती है। इसी कड़ी में अगर एक व्यक्ति निर्णय लेता है। उसका निर्णय व्यापक जनहित और राष्ट्रहित में है, तो उसका निर्णय संस्कृति है। इसी संस्कृति का एक बेहतरीन उदाहरण डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान है। संस्थान ने महज 19 वर्षों में 20 बेड से बढ़कर 1,375 बेड का विस्तार किया है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के स्थापना दिवस समारोह में कही। इस दौरान सीएम योगी ने 298 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोहिया संस्थान एक ऐसे स्थान पर स्थित है, जो पूर्वी उत्तर प्रदेश का मुहाना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश का हर पेशेंट सबसे पहले आरएमएल में आता है। इसके बाद केजीएमयू या एसजीपीजीआई की तरफ जाता है। उन्होंने कहा कि सबसे घनी आबादी पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, नेपाल की है।

ऐसे में यहां से लोग सबसे पहले आरएमएल की ओर अपना रूख करते हैं। सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश में चिकित्सा और चिकित्सा शिक्षा में हुए सुधारों की दिशा में तीन प्रमुख संस्थानों का योगदान अत्यधिक सराहनीय रहा है।

इन संस्थानों ने सम और विषम परिस्थितियों में कार्य करते हुए प्रदेश में स्वास्थ्य और शिक्षा के नए मानक स्थापित किए हैं। यह सुधार खासतौर पर कोरोना महामारी के दौरान देखे गए, जब उत्तर प्रदेश को पहली बार ऐसी महामारी का सामना करना पड़ा। कोरोना के प्रारंभिक दिनों में उत्तर प्रदेश में कोविड की जांच की कोई सुविधा नहीं थी। जब पहला मरीज आगरा और नोएडा से आया, तो उनके सैंपल दिल्ली के प्रतिष्ठित अस्पताल एम्स और सफदरजंग में भेजे गए थे। धीरे-धीरे प्रदेश में जांच की सुविधाएं विकसित की गईं और टेस्टिंग प्रक्रिया में सुधार हुआ। उस समय राज्य में 36 जनपद ऐसे थे, जहां आईसीयू का एक भी बेड नहीं था और ट्रेंड मैनपावर की भारी कमी थी। इसके बावजूद प्रदेश ने नए मॉडल अपनाए, जैसे वर्चुअल आईसीयू। एसजीपीजीआई, केजीएमयू और आरएमएल अस्पतालों ने प्रदेश के 75 जनपदों में वर्चुअल आईसीयू के माध्यम से मरीजों को बेहतर राहत देने के लिए प्रशिक्षित मैनपावर को भेजा। इन संस्थानों ने प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर ट्रेनर्स की मदद से अन्य मेडिकल कॉलेजों और कोविड अस्पतालों को मार्गदर्शन प्रदान किया। इसी का परिणाम है कि प्रदेश ने टेक्नोलॉजी का उपयोग करके महामारी को मात देने का मॉडल दुनिया के सामने प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर जिस तरह भीड़ को नियंत्रित किया गया, आज भी उसे अपनाकर अस्पतालों और संस्थानों में भीड़ को कम किया जा सकता है।

टेली कंसल्टेशन की सुविधा दूर-दराज के क्षेत्रों में पीएचसी, सीएचसी और डिजिटल अस्पतालों में उपलब्ध कराकर मरीजों की स्क्रीनिंग को सही तरीके से पूरा किया जा सकता है। जब स्वास्थ्य की बात की जाती है, तो सुश्रुत और चरक जैसे भारतीय चिकित्सकों का उल्लेख नितांत आवश्यक है। भारत ने दुनिया को सर्वोत्तम चिकित्सक दिए हैं, जिनका योगदान बेमिसाल है। इन संस्थानों ने अपने अनुभव और ज्ञान के आधार पर चिकित्सा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की दिशा तैयार की है। उन्होंने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में पिछले कई वर्षों में 50,000 से अधिक बच्चों की मौत इंसेफेलाइटिस बीमारी से हुई थी, लेकिन टीमवर्क और जागरूकता के बाद बीमारी पर पूरी तरह से काबू पाया लिया गया है।

स्वास्थ्य विभाग के नेतृत्व में हुए इस परिवर्तन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब सभी विभाग और संस्थान मिलकर काम करते हैं, तो सकारात्मक परिणाम आ सकते हैं। इन सुधारों का परिणाम यह हुआ कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रों में जहां पहले भय का माहौल था, अब उत्साह और उमंग का वातावरण है। सीएम ने कहा कि संस्थान में 50 करोड़ की गामा नाइफ मशीन और प्रदेश के पहले एडवांस्ड न्यूरो साइंसेज सेंटर का उद्घाटन किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश के लोगों को अब ब्रेन ट्यूमर और अन्य मस्तिष्क संबंधित बीमारियों के इलाज में सहायता मिलेगी। उत्तर प्रदेश में मेडिकल डिवाइस और फार्मा पार्क के विकास की दिशा में भी सकारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। सीएम ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर में मेडिकल डिवाइस पार्क और ललितपुर में फार्मा पार्क का कार्य जारी है। हम प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं, जो आगे भी युद्धस्तर पर जारी रहेगा। इस अवसर पर प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, राज्य मंत्री मयंकेश्वरण शरण सिंह, प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा, संस्थान के निदेशक प्रो. सीएम सिंह, डीन प्रो. प्रद्युम्न सिंह, सीएमएस विक्रम सिंह वगैरह उपस्थित थे।

महाकुंभ-2025 में उत्कृष्ट कार्यों की गूंज देश से विदेश तक पहुंची

यूपी के अग्निशमन विभाग को मिला एफएसएआई का शीर्ष सम्मान

लखनऊ, 12 सितंबर (एजेंसियां)। फायर एंड सेक्योरिटी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएसएआई) ने महाकुंभ-2025 के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग को ब्रेवरी एवं सुपर हीरो ऑफ फायर सर्विसेज अवार्ड से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार विभाग की एडीजी पद्मजा चौहान (आईपीएस) के नेतृत्व में टीम को प्रदान किया गया।

महाकुंभ-2025 की सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुरुआत से ही सुरक्षित महाकुंभ का संकल्प लिया था। उनकी निरंतर निगरानी के चलते न सिर्फ फायर एवं इमरजेंसी सर्विसेज को अत्याधुनिक तकनीक और उपकरण उपलब्ध कराए गए, बल्कि बड़े स्तर पर संसाधनों और जनशक्ति की भी तैनाती की गई। यही कारण रहा कि इतने विशाल आयोजन में आगजनी की किसी भी घटना से जनहानि नहीं हुई और महाकुंभ का समापन सुरक्षित एवं सफलतापूर्वक हुआ। एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में विभाग ने गंभीर से गंभीर अग्निकांड पर भी त्वरित काबू पाया और पूरे 45 दिन के आयोजन में शून्य जनहानि का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया। इस दौरान 185 अग्निकांड और 24 बड़ी आग की घटनाओं पर काबू पाते हुए लगभग 16.5 करोड़ रुपए की सम्पत्ति को सुरक्षित बचाया गया।

सम्मान पाने वालों में प्रमुख रूप से प्रमोद शर्मा (नोडल अफसर महाकुंभ मेला), अंकुश मित्तल (सीएफओ), रमेश तिवारी (सीएफओ), संजीव कुमार (फायर अफसर) और अमित कुमार (सेकंड फायर अफसर) शामिल रहे। प्रमोद शर्मा ने बताया कि फायर डिपार्टमेंट ने आयोजन से पहले जो युद्धस्तर की तैयारियां की थीं, ये उसी का नतीजा है कि आयोजन के दौरान हमारी टीम ने दिन रात अग्निजनित घटनाओं का पूरी बहादुरी से सामना किया और शून्य जनहानि का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया

उन्होंने बताया कि महाकुंभ-2025 में 25 सेक्टरों में 54 फायर स्टेशन और 27 चौकियां स्थापित की गईं। 1500 प्रशिक्षित अग्निशमन कर्मियों की तैनाती की गई। 351 फायर टेंडर और आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। आर्टिकुलेटिंग वाटर टावर, क्विक रिस्पॉन्स व्हीकल, एटीवी, फायर मिस्ट बाइक, रोबोट और फायर फाइटिंग बोट जैसी तकनीक का उपयोग किया गया। इन व्यवस्थाओं की वजह से बिना जनहानि के सभी घटनाओं को नियंत्रित किया जा सका। महाकुंभ से पूर्व, गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने भी एडीजी पद्मजा चौहान और नोडल अधिकारी प्रमोद शर्मा को सम्मानित किया था तथा यूपी फायर सर्विसेज की तैयारियों की सराहना की थी।

एसटीएफ ने करोड़ों की साइबर ठगी गैंग का किया भंडाफोड़

आधा दर्जन लोग गिरफ्तार, कई और लोगों की तलाश जारी

लखनऊ, 13 सितंबर (एजेंसियां)। विगत कुछ दिनो से यूपी एसटीएफ को सूचना प्राप्त हो रही थी कि एनसीआर के जनपद गौतबुद्धनगर एवं गाजियाबाद क्षेत्र में एक गैंग सक्रिय हैं जो जनता के लोगों को अधिक धन देने का लालच देकर ठगी तथा साइबर फ्रॉड के माध्यम से व्यक्तियों के खाते में धन मंगाकर आर्थिक अपराध करने में संलिप्त है। एसटीएफ नोएडा की टीम को दिनांक 11 सितम्बर को ज्ञात हुआ कि इस गैंग के बाबा नाम के व्यक्ति द्वारा हरियाणा निवासी युनुस खान से ठगी की गयी है। काफी छानबीन करने के बाद एसटीएफ को गैंग को पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई। एसटीएफ ने शुभम राज, प्रदीप कुमार, धीरज मिश्रा, सोनू कुमार, अमरजीत एवं अनुराग को अपराध में संलिप्तता के कारण गिरफ्तार किया।

अभियुक्तों द्वारा छल करने के लिए विभिन्न सोसायटियों में फ्लैट किराए पर लिया गया था जिसमें गौर सिद्धार्थम सोसायटी, साया गोल्ड सोसायटी इन्दिरापुरम, प्रतीक सोसायटी, सिद्धार्थनगर गाजियाबाद, पंचशील ग्रीन टू ग्रेटर नोएडा वेस्ट, सूपर नोवा सुपरटेक सेक्टर 94 नोएडा तथा अंकुर विहार लोनी गाजियाबाद में फर्जी कूटरचित आधार कार्ड का प्रयोग करके फ्लैट किराये पर लिए गए थे। इन फ्लैट में लोगों को नोट बदलने के लिए बुलाया जाता था। अभियुक्त ठगी करके फ्लैट खाली करके अन्यत्र ठिकाना बदल लेते थे।

गिरफ्तार अभियुक्त शुभम राज ने पूछताछ में बताया कि उसकी उम्र लगभग 26 साल है और वह कक्षा 12 पास है। वर्ष 2019 में वह स्नातक की पढाई करने दिल्ली आया था परन्तु पढाई छोडकर प्राइवेट काम करने लगा था। वर्ष 2022 में बिहार में इसके मित्र धीरज ने इसकी मुलाकात सीतामढ़ी बिहार निवासी नसीम सिद्दीकी से कराई जो नोट बदलने के नाम पर ठगी के अपराध में संलिप्त था। अभियुक्त शुभम राज ने करीब एक वर्ष नसीम सिद्दीकी के साथ रहकर बड़े नोटों के बदले छोटे नोट ज्यादा देने का झांसा देकर ठगी करने का काम सीखा। इसके उपरान्त शुभम राज ने वर्ष 2023 में दिल्ली आकर इन्द्रमणी के साथ मिलकर एक गिरोह बनाया और भारत के विभिन्न स्थानों से झांसा देकर बड़े पैमाने पर ठगी का काम करने लगा। इस गैंग द्वारा प्रत्येक व्यक्ति से ठगी के लिए एक फ्लैट कूटरचित दस्तावेजों का प्रयोग कर किराए पर लिया जाता था और ठगी करने के पश्चात उस फ्लैट का तत्काल खाली कर देते थे।

इस गैंग द्वारा ठगी करने का एक अनोखा तरीका प्रकाश में आया। इसमें लोगों को यह कहकर लालच में फंसाया जाता था कि उनके पास 100 एवं 200 के नोट के करोड़ों रुपए हैं, उन्हें किसी राजनीतिक पार्टी को देना है, यह धन 500 के नोटों में बदलना है, अतः उनसे 500 के नोट एक निश्चित धनराशि के मंगाए जाते थे और उन्हें 100-200 के नोट उस धनराशि से डेढ गुना तक देने का लालच देकर अपने बताए फ्लैट पर बुला लिया जाता था, जहां पर पूर्व से नियोजित कमरे में एक तखतनुमा चौकी का प्रयोग किया जाता था जिसे बीच से काटकर एक छेद बनाया हुआ है इस तख्त को ऐसे स्थान पर रखा जाता था जहां तख्त के पीछे की दिवार में भी एक छेद बना लिया जाता था, एक व्यक्ति तख्त के ऊपर बैठकर बैंग में गड्डियां रखने का काम करता था तथा नोटों की असली गड्डियां चौकी के नीचे बैठे व्यक्ति को पकड़ा देता था तथा उससे कागज की गड्डियां लेकर बैग में रख देता था।

इस तख्त के सामने कुर्सियों पर ग्राहक को बैठाया जाता था तथा उससे मशीन से नोट गिनकर देने को कहते थे, उन्ही के आसपास 2-3 लोग उनका ध्यान भटकाने का काम करते थे।

ग्राहक को बैग में नोटो की गड्डियों दिखाई जाती थी जबकि केवल ऊपरी परत पर ही असली नोट होते थे बाकी कागज की नोट के साईज की गड्डियां होती थीं। इस ठगी का कार्य जादू के खेल की तरह ट्रिक का प्रयोग कर किया जाता था जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का हिस्सा तय होता था। लोगों को लाने वाले व्यक्ति को एजेंट कहते थे जो सोशल मीडिया एवं व्यक्तिगत सम्बन्धों का प्रयोग करके ग्राहक को फ्लैट पर लेकर जाते थे। इंस्ट्राग्राम, यू-ट्यूब एवं अन्य सोशल साइटों पर नोटों की गड्डियों की वीडियो डालकर नोट बदलने एवं अच्छा मुनाफा प्राप्त करने का प्रचार किया जाता था। यह ठगी का काम कैश के बदले कैश, अथवा आरटीजीएस के बदले कैश, यूएसडीटी के बदले कैश के रूप में करते थे। इसके लिए बैंक के कई फर्जी एकाउंट प्रयोग में लाए जाते थे।

इस गैंग के लिए बंधन बैंक, तकियापुर जनपद दानापुर बिहार के कर्मचारी तन्मय एवं एचडीएफसी बैंक, सोनपुर जनपद छपरा बिहार के कर्मचारी अमिताभ और आयुष मदद करते थे जिनको बदले में आर्थिक लाभ प्राप्त होता था। इस गैंग से लगभग 100 बैंक एकाउंट की डिटेल प्राप्त हुई है जिन पर 25 से अधिक साइबर फ्रॉड की शिकायतें संज्ञान में आई हैं, जिसमें लगभग 1 करोड़ 9 लाख 51 हजार 169 रुपए की धोखाधड़ी रिपोर्ट की गई है। इन एकाउन्ट में बहुत सारे म्यूल एकाउन्ट के रूप में लोनिंग और गैमिंग ऐप के लिए भी प्रयोग हुए हैं, जिनके बारे में गहराई से जानकारी की जा रही है। साइबर ठगी की दर्ज इन शिकायतों के निस्तारण हेतु अलग से विधिक कार्यवाही कराई जा रही है। जबकि व्यक्तिगत रूप से ठगे गए लोगों के बारे में जानकारी प्राप्त की जा रही है एवं पीड़ितों से शिकायतें प्राप्त की जा रही है।

बाबा बागेश्वर ने काशी विश्वनाथ धाम में किए दर्शन

वाराणसी, 13 सितंबर (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने शनिवार को काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया। उनके साथ संतोष दास सतुआ बाबा उपस्थित थे। दर्शन के बाद वे सतुआ बाबा आश्रम पहुंचे। यहां भारी संख्या में श्रद्धालु उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब दिखे।

पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने नेपाल में अशांति से लेकर बांग्लादेश में नरसंहार एवं सनातन धर्म पर कई बातें कहीं। उन्होंने कहा कि भारत को नेपाल और बांग्लादेश की घटनाओं से सबक लेना चाहिए।

भारत में हिंदू एकता का कार्य बहुत जरूरी है। भारत को घोषित रूप से हिंदू राष्ट्र बनाना बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि मैं सात नवंबर से 16 नवंबर तक पदयात्रा कर रहा हूं ताकि भारत हिंदू राष्ट्र बने। विश्व में शांति के लिए हिंदू राष्ट्र ही एकमात्र रास्ता है। हिंदुत्व मानवता की एक विचारधारा है।

पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भगवाधारियों के राजनेता बनने के सवाल पर कहा, जब चोर उचक्के अपराधी नेता बन सकते हैं तो भगवाधारी क्यों नहीं बन सकते राजनेता? उन्होंने सीएम योगी की तारीफ करते हुए कहा, मैं योगी बाबा का समर्थन करता हूं। योगी बहुत अच्छे हैं। जिसको बुरा लगे वो हमारी हवेली पर आएं, हमसे बात करें। पीएम की मां पर टिप्पणी को लेकर पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि सबकी मां पूज्यनीय हैं, सबका सम्मान होना चाहिए।

किसी भी मां के लिए किसी भी व्यक्ति को निंदनीय शब्द नहीं बोलने चाहिए। बाबा बागेश्वर ने कहा कि मैं बिहार के गया जा रहा हूं। बिहार मेरा घर है, मैं चुनाव के लिए नहीं जा रहा हूं। पितरों के तर्पण के लिए गया जाना चाहिए। भाजपा के पक्ष में होने के सवाल पर उन्होंने कहा, मैं सच्चा सनातनी हूं। सनातन की बात करता हूं किसी पार्टी की नहीं।

सचिन और विराट हैं मेरे आदर्श : शुभमन

दुबई,13 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के उपकप्तान बने शुभमन गिल का कहना है कि वह सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली को वह अपना आदर्श मानते हैं। शुभमन पिछले कुछ समय में तेजी से अपने करियर में बुलंदियों पर आये हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने इंग्लैंड दौरे में हुई टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। शुभमन को प्रिंस के नाम से भी जाना जाता है और प्रशंसकों को उम्मीद है कि वह भविष्य में किंग कोहली की तरह बनेंगे। टेस्ट में कप्तानी मिलने के बाद से ही उनकी बल्लेबाजी काफी अच्छी हुई है। उन्होंने इंग्लैंड दौरे में 700 से अधिक रन बनाये थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जिस प्रकार वह ऊपर आये हैं उससे साफ है कि आने वाला समय उनका है। वहीं शुभमन ने कहा मेरे दो आदर्श रहे हैं। पहले हैं सचिन तेंदुलकर। वह मेरे पिता के पसंदीदा थे और मैं क्रिकेट में आया भी तो उनकी ही वजह से। वह 2013 में रिटायर हुए और 2011-13 के आसपास मैं क्रिकेट को समझने लगा।

वहीं शुभमन ने आगे कहा, 'उसी समय मैंने विराट को बारीकी से देखना शुरू कर दिया। वह जिस तरह से अपना काम करते थे, उसे देखना मैं पसंद करने लगा। खेल के लिए उनका जुनून और भूख मुझे अच्छी लगने लगी। आप सभी कौशल और सभी तकनीक सीख सकते हैं पर भूख ऐसी चीज है जो या तो आपके पास होगी या नहीं होगी। विराट में यह कूट-कूटकर था और इसने मुझे वाकई प्रभावित किया।

श्रेयस के लिए जगह बनाने सैमसन को पांचवे नंबर पर आजमाया जा रहा : श्रीकांत

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि एशिया कप में जिस प्रकार संजू सैमसन को पांचवें नंबर पर रखा गया है उससे उन्हें नुकसान होगा। श्रीकांत के अनुसार इस नंबर पर सैमसन अधिक सफल नहीं रहे है और इससे उनका मनोबल कमजोर होगा। इस पूर्व बल्लेबाज का मानना है कि श्रेयस अय्यर के लिए जगह बनाने सैमसन को पांचवे नंबर पर आजमाया जा रहा है। यूएई के खिलाफ मैच में वह पांचवे नंबर पर उतरे थे। शुभमन गिल को टी20 में उपकप्तान बनाये जाने के बाद से ही ये तय हो गया था कि सैमसन के हाथ से पारी की शुरुआत का अवसर निकल गया है। श्रीकांत ने कहा, मुझे लगता है कि सैमसन को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कराकर, वे श्रेयस अय्यर की टीम में वापसी का रास्ता बना रहे हैं। संजू ने पांचवें नंबर पर ज्यादा बल्लेबाजी नहीं की है और उन्हें उस नंबर पर बल्लेबाजी भी नहीं करनी चाहिए। इससे पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने का उनका आत्मविश्वास डगमगा जाएगा। ये सैमसन के पास अंतिम अवसर है। मैं उन्हें यह भी बता दूंगा कि अगर वह इस नंबर पर अगली तीन पारियों में रन नहीं बना पाए, तो श्रेयस उनकी जगह ले लेंगे।

न्यूज ब्रीफ

हांगकांग ओपन 2025: सात्विक-चिराग की जोड़ी फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली। भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शनिवार को सीधे गेम में जीत के साथ हांगकांग ओपन सुपर 500 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। विश्व की 9वें नंबर की जोड़ी ने चीनी ताइपे के बिंग-वेई लिन और चेन चेंग कुआन को 21-17, 21-15 से हराकर छह सेमीफाइनल में मिली हार के बाद सत्र के अपने पहले फाइनल में जगह बनाई। आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी का सामना फाइनल में चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग और चीनी ताइपे के फैंग-चिह ली और फैंग-जेन ली के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। सात्विक और चिराग के लिए, यह परिणाम एक और फाइनल मुकाबले की ओर कदम बढ़ाने से कहीं बढ़कर है। यह एक कठिन वर्ष के बाद एक रोमांचक वापसी का प्रतीक है जिसने उनके शरीर और मनोबल दोनों की कड़ी परीक्षा ली थी। भारतीय जोड़ी ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था और साइना नेहवाल और पीवी सिंधु के बाद इस प्रतियोगिता में एक से अधिक पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय जोड़ी बन गई। सात्विक ओलंपिक के बाद के महीनों पीठ और कोहनी की चोटों से जूझते रहे और फरवरी में उनके पिता का हृदयाघात से निधन हो जाने के बाद उन्हें व्यक्तिगत रूप से एक बड़ी त्रासदी का सामना करना पड़ा। चिकनपॉक्स के कारण उनकी वापसी फिर से रुक गई। चिराग भी बार-बार पीठ की चोट से जूझते रहे, जिससे यह जोड़ी लय और परिणाम दोनों खो बैठी।

भारत-पाकिस्तान मुकाबले में इस बार नहीं दिखेंगे विराट , रोहित और बाबर जैसे दिग्गज

दुबई। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में रविवार को भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमें आमने-सामने होंगी। गत एक दशक में ये पहली बार होगा जब भारत-पाक मुकाबले में विराट कोहली, रोहित शर्मा और बाबर आजम जैसे खिलाड़ी नहीं दिखेंगे। इस मैच को प्रशंसक टीवी पर देख सकते हैं। इसकी मोबाइल पर लाइव स्ट्रीमिंग भी होगी। एशिया कप में दोनो ही टीमों के बीच हुए मुकाबलों पर नजर डालें तो अब तक ये टीमें 19 मुकाबलों में आमने-सामने रही हैं। इसमें भारतीय टीम ने 10 बार जीत हासिल की है। वहीं साल 2023 में ग्रुप- स्तर के तीन मैच खराब मौसम के कारण रद्द कर दिए गए थे। पाकिस्तान ने साल 2022 में संयुक्त अरब अमीरात में हुए मुकाबले में भारत को हराया था। तब सबसे अधिक 71 रन बनाए थे। दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम 11 भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव।

एशिया कप : ओमान पर जीत के बाद भी अंक तालिका में भारत से पीछे हैं पाकिस्तान

दुबई। मोहम्मद हारिस की शानदार बल्लेबाजी से पाकिस्तान ने ओमान को 93 रनों से हराकर एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में अपना पहला मुकाबला जीत लिया है। इस मैच में पाक की ओर से हारिस ने सबसे ज्यादा 66 रन बनाये। इस जीत के बाद भी पाक टीम अंक तालिका में भारत से पीछे है। भारतीय टीम ने अपने पहले ही मैच में यूएई को एकतरफा मुकाबले में 9 विकेट से हराया था। अब रविवार को भारतीय टीम का मुकाबला पाक से होगा। अब एशिया कप ग्रुप ए अंक तालिका में भारतीय टीम 2 अंक के साथ पहले नंबर पर है। वहीं पाक को भी एक जीत से 2 अंक मिले हैं पर वह रन रेट के आधार पर दूसरे नंबर पर हैं। भारतीय टीम का नेटरन रेट 10.483 का हो गया है। वहीं पाक टीम का नेट रन रेट 4.650 है। दूसरी ओर ग्रुप बी में अफगानिस्तान और बांग्लादेश की टीम दो-दो अंक लेकर पहले और दूसरे नंबर पर हैं। इस मैच में पाक ने सात विकेट पर 160 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए ओमान की टीम 16.4 ओवर में 67 रन ही बना पायी। ओमान की ओर से हम्माद मिर्जा ने सबसे ज्यादा 27 रन बनाए। इसके अलावा हम्माद मिर्जा ने 27 रन बनाए। इसके अलावा आमिर कलीम 13 और शकील अहमद 10 ही दो अंकों तक पहुंच पाये।

हॉकी दिग्गजों ने की पंजाब हॉकी लीग की सराहना कहा- पीएचएल हमारे समय में होती तो बढ़ जाते करियर

मोहाली,13 सितंबर (एजेंसियां)।

राउंडग्लास और हॉकी पंजाब के संयुक्त आयोजन में चल रही पंजाब हॉकी लीग (पीएचएल) को भारत के हॉकी महान खिलाड़ियों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। उनका मानना है कि यह लीग देश में खेल का भविष्य बदल रही है। 30 लाख रुपये की इनामी राशि जो भारत में जूनियर हॉकी के लिए अब तक की सबसे बड़ी रकम है, और देशभर की टीमों की भागीदारी के साथ, पीएचएल ने जमीनी स्तर के विकास में नए मानक स्थापित कर दिए हैं।

भारत के पूर्व फॉरवर्ड और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित प्रभजोत सिंह ने आयोजकों द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में टूर्नामेंट के पैमाने और दृष्टिकोण की सराहना करते हुए इसे "युवाओं के लिए सबसे बड़ा मंच बताया।

उन्होंने कहा, "यह लीग, जो राउंडग्लास और हॉकी पंजाब ने शुरू की है, शानदार पहल है। जब ऐसी लीग होती है, तो सभी जूनियर्स को मौका मिलता है। साथ ही इसमें 30 लाख रुपये की बड़ी इनामी राशि भी है। यह खिलाड़ियों के लिए बड़े टूर्नामेंट की तैयारी का शानदार प्लेटफॉर्म है।,"

2001 जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप विजेता और दो बार एशिया कप जीत चुके प्रभजोत ने कहा कि लीग के हर साल आयोजित होने से युवाओं को स्पष्टता और प्रेरणा मिलती है।

उन्होंने कहा, पहले खिलाड़ियों को यह नहीं पता होता था कि कौन-सा टूर्नामेंट खेलना है। अब इस लीग के चलते उन्हें पता है कि यह हर साल होती है। इसलिए वे इसके लिए तैयारी करते हैं। वे यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं ताकि यह उन्हें सीनियर कैंप में चयन का मौका दिला सके।,"

प्रभजोत ने यहां तक कहा कि अगर उनके दौर में भी ऐसी लीग होती, तो खिलाड़ियों का करियर कई साल और बढ़ जाता।

हॉकी के दिग्गज बलजीत सिंह ने कहा कि इस पहल का असर पंजाब से आगे भी दिखेगा।

उन्होंने कहा, यह शानदार पहल है। इससे भारतीय हॉकी को बढ़ावा मिलेगा। पंजाब की हॉकी हमेशा समृद्ध रही है और अब अन्य राज्य भी हमारी हॉकी संस्कृति से लाभ उठा सकते हैं। ऐसी पहलों को नियमित समर्थन मिलना चाहिए ताकि भारत को लगातार अच्छे खिलाड़ी मिलते रहें। बलजीत ने पूरे देश से भागीदारी और उसके मिलने वाले अनुभव को अहम बताया।

उन्होंने कहा, हम आमतौर पर इस स्तर के आयु-वर्ग टूर्नामेंट नहीं देखते। यहां जूनियर खिलाड़ी उसी स्तर की हॉकी खेल रहे हैं, जैसा हॉकी इंडिया लीग में दिखता है, जो कि बड़ी बात है। जब ये खिलाड़ी एचआईएल और दुनिया भर के अन्य टूर्नामेंट्स में जाएंगे, तो उन्हें महसूस होगा कि वे पहले ही दबाव की परिस्थितियों के आदी हो चुके हैं।,"

भारत के पूर्व कप्तान राजपाल सिंह ने राउंडग्लास की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने हर सीजन में स्तर को ऊंचा किया है।

उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छी पहल है। इसका पूरा श्रेय राउंडग्लास को जाता है। उन्होंने हॉकी को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी ली है और पिछले सीजन से इस बार तक स्तर में सुधार का श्रेय उन्हें ही है।"

अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित राजपाल ने इनामी राशि और राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व, दोनों की अहमियत पर भी जोर दिया।

हॉकी इंडिया की मान्यता और लगातार बढ़ती प्रतिष्ठा के साथ, पंजाब हॉकी लीग को अब जूनियर्स के लिए वैश्विक स्तर तक पहुंचने का अहम रास्ता माना जा रहा है। पंजाब हॉकी लीग 2025 का पहला चरण मंगलवार (9 सितम्बर) को पूरा हुआ, जिसमें मौजूदा चैंपियन राउंडग्लास हॉकी अकादमी 20 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर रही। उसने सातों मैच जीतकर क्लीन स्वीप किया। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, सोनीपत (एसएआई, एनसीओई, सोनीपत) 18 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। लीग का दूसरा चरण 15 सितम्बर से जालंधर में शुरू होगा।

अब तुर्की के फुटबॉल क्लब से खेलेंगे मैनचेस्टर यूनाइटेड के आंद्रे ओनाना

मैनचेस्टर,13 सितंबर (एजेंसियां)।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के गोलकीपर आंद्रे ओनाना अब आने वाले सत्र में तुर्की के फुटबॉल क्लब त्राब्जोंसपोर की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। त्राब्जोंसपोर ने इस फुटबॉलर को लोन पर शामिल किया है हालांकि अभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस करार को मंजूरी मिलनी शेष है। यह करार तुर्की की ट्रांसफर विंडो बंद होने से पहले ही पूरा किया गया है। इसी को लेकर त्राब्जोंसपोर ने कहा, मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ करार हुआ है, जिसके तहत पेशेवर फुटबॉलर आंद्रे ओनाना का 2025-26 सत्र के लिए हमारे क्लब में ट्रांसफर किया गया है इस फुटबॉलर ने जुलाई 2023 में इटली के इंटर मिलान क्लब से जुड़ने के बाद रेड्स की ओर से 102 मैच खेले हैं। आंद्रे ने मैनचेस्टर में अपने पहले सीजन के दौरान केवल एक मैच ही नहीं खेला था। उन्होंने एफए कप में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

आंद्रे पिछले सत्र में भी पसंदीदा गोलकीपर बने थे। वह सेव ऑफ द मंथ अवॉर्ड को तीन बार जीतने वाले पहले गोलकीपर हैं।

अब हैम्पशर की ओर से काउंटी क्रिकेट खेलेंगे सुंदर

नई दिल्ली। ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर अब इंग्लैंड की काउंटी चैंपियनशिप 2025 में हैम्पशर की ओर से खेलते नजर आयेंगे। हैम्पशर ने समरसेट और सरे के खिलाफ अपने मुकाबलों के लिए सुंदर के नाम की घोषणा की है। हैम्पशर ने सोशल मीडिया में लिखा, ''आपका स्वागत है, सुंदर। वह अंतिम दो काउंटी मैचों के लिए हमारी टीम से जुड़ेंगे। हैम्पशर के क्रिकेट निदेशक जाइल्स वाइट ने भी सुंदर से करार पर खुशी जतायी हैं और कहा कि भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। वाइट ने कहा, ''काउंटी चैंपियनशिप के लिए वॉशिंगटन को क्लब में शामिल कर हमें खुशी हो रही है। समरसेट और सरे के खिलाफ आने वाले दो मैचों में वह महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।'' इस पांच मैचों की सीरीज में वॉशिंगटन ने 47 के औसत से 284 रन बनाए जिसमें ओल्ड ट्रैफर्ड में बनाया गया उनका पहला शतक भी शामिल है। वॉशिंगटन काउंटी क्रिकेट में दूसरी बार खेलेंगे। इससे पहले उन्होंने 2022 में लंकाशर के लिए चैंपियनशिप और वनडे कप खेला था।

पेरिस में मिश्रित रिले

पेरिस में मैराथन रेस वाक के मिश्रित रिले मे भाग लेते हुए प्रतियोगी।

इंग्लैंड ने रचा इतिहास, टी20 अंतरराष्ट्रीय में 300 का आंकड़ा पार करने वाली पहली टीम बनी

इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को दूसरे टी20 में 146 रनों से हराया

मैनचेस्टर,13 सितंबर (एजेंसियां)।

मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में इंग्लैंड ने इतिहास रच दिया है। इंग्लिश टीम ने शुक्रवार देर रात (भारतीय समयानुसार शनिवार) को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 20 ओवर में सिर्फ 2 विकेट खोकर 304 रन बनाए और टी20 अंतरराष्ट्रीय में किसी फुल-मेम्बर टीम के खिलाफ 300 का आंकड़ा पार करने वाली पहली टीम बन गई। फिल सॉल्ट ने धमाकेदार पारी खेलते हुए मात्र 60 गेंदो में नाबाद 141 रन बनाए।

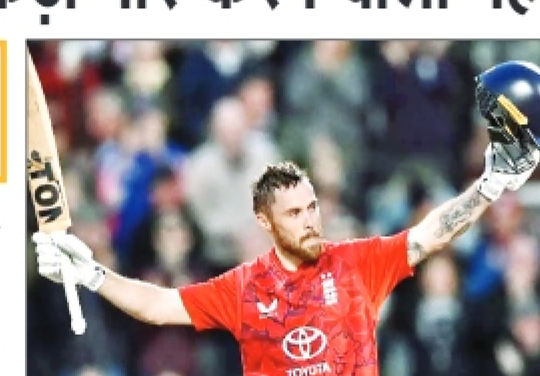

यह किसी भी इंग्लिश बल्लेबाज का टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। कप्तान जोस बटलर ने भी सिर्फ 30 गेंदों में 83 रन की तूफानी पारी खेलकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। पहले ही ओवर से इंग्लैंड ने अपने इरादे साफ कर दिए थे। बटलर ने मात्र 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और टीम ने 5.5 ओवर में ही 100 रन ठोक दिए। सॉल्ट ने 39 गेंदों में शतक पूरा कर इंग्लैंड की ओर से सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम 16.1 ओवर में सिर्फ 158 रन पर ढेर हो गई। कप्तान एडेन मार्करम (41) और ब्योर्न फोर्टुइन (32) ने थोड़ी कोशिश की, लेकिन इंग्लिश गेंदबाजों के सामने पूरी टीम बिखर गई। जोफ्रा आर्चर ने 25 रन देकर 3 विकेट और सैम करन ने 11 रन देकर 2 विकेट झटके। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। यह इंग्लैंड की टी20अंतरराष्ट्रीय में अब तक की सबसे बड़ी जीत है।

संक्षिप्त स्कोर

इंग्लैंड: 304/2 (20 ओवर)
- फिल सॉल्ट 141* (60 गेंद)
- जोस बटलर 83 (30 गेंद)
- ब्योर्न फोर्टुइन 2/52
- दक्षिण अफ्रीका: 158 (16.1 ओवर)
- एडेन मार्करम 41
- ब्योर्न फोर्टुइन 32
- जोफ्रा आर्चर 3/25, सैम करन 2/11

इंग्लैंड ने 146 रनों से जीत दर्ज की।

विश्वकप निशानेबाजी : ईशा ने महिलाओं की एयर पिस्टल में जीता स्वर्ण, भारत को मिला पहला पदक

नई दिल्ली,13 सितंबर (एजेंसियां)।

ओलंपियन और मौजूदा मिश्रित टीम पिस्टल विश्व चैम्पियन ईशा सिंह ने अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल, निंगबो (चीन) में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को प्रतियोगिता का पहला पदक दिलाया। निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में हुए फाइनल में ईशा ने मेजबान चीन की पसंदीदा और फ़ॉर्म में चल रही याओ चियानसुन को मात्र 0.1 अंकों से पछाड़ा। वहीं, इस स्पर्धा की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन कोरिया की ओ येजिन को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

पहली बार विश्व कप एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण जीतने के बाद ईशा ने कहा, मैं बहुत खुश हूं क्योंकि एयर पिस्टल वही स्पर्धा है जिससे मैंने शूटिंग की शुरुआत की थी। इसमें विश्व कप स्वर्ण जीतना मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। मेरे कुछ लक्ष्य पूरे होते देख अच्छा लग रहा है।

आगे की चुनौतियों पर उन्होंने कहा, इस साल का अगला बड़ा लक्ष्य विश्व चैम्पियनशिप है। हम उसके लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं और मुझे यक़ीन है कि काहिरा में भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहतरीन रहेगा।

फाइनल के दौरान मानसिकता पर बात करते हुए ईशा बोलीं, हाँ, मुझे पता था कि भारत को अब तक कोई पदक नहीं मिला है और मुकाबले में विश्व स्तरीय निशानेबाज हैं। लेकिन मैं इन खिलाड़ियों के ख़िलाफ़ कई बार फाइनल खेल चुकी हूँ और अब मुझे विश्वास है कि पिस्टल मेरे हाथ में है और असली लड़ाई मेरे खुद के साथ है। इसलिए मैं मैच को ज़्यादा से ज़्यादा एंजॉय करने की कोशिश करती हूँ।

ईशा और रिदम सांगवान ने 578 अंक बनाकर महिलाओं की एयर पिस्टल फाइनल के अंतिम दो स्थान हासिल किए। याओ चियानसुन 584 के स्कोर के साथ शीर्ष पर रहीं। वहीं, केवल रैंकिंग अंक के लिए खेल रही एशियाई खेलों की चैम्पियन पलक गुलिया ने शानदार 586 अंक बनाए, जो सभी से बेहतर था। भारत की तीसरी प्रतिभागी सुरभि राव 568 अंक बनाकर 25वें स्थान पर रहीं। आठ निशानेबाजों के फाइनल में ईशा और रिदम ने अच्छी शुरुआत की। पहले पांच शॉट के बाद रिदम शीर्ष पर थीं और ईशा दूसरे स्थान पर, जबकि हंगरी की पेरिस ओलंपिक पदक विजेता वेरोनिका मेजर पीछा कर रही थीं।

दूसरे सीरीज़ के बाद ईशा 0.2 अंकों की बढ़त से शीर्ष पर आ गईं। रिदम पाँचवें स्थान पर खिसक गईं और अंत तक उसी पर रहीं। सिंगल शॉट शुरू होने पर दबाव का असर ओलंपिक चैम्पियन ओ येजिन पर भी दिखा जब उन्होंने 11वें शॉट पर निचले 8 अंक लगाए। 12वें शॉट के बाद चीन की 19 वर्षीय झेंग सबसे पहले बाहर हुईं। ईशा ने 13वें शॉट पर 10.8 का सटीक निशाना लगाया। रिदम ने भी 15वें शॉट पर 10.8 मारकर कुछ समय के लिए चौथे स्थान पर चढ़ाई की, लेकिन 18वें शॉट तक पहुँचते-पहुँचते उनका अभियान समाप्त हो गया।

अंतिम छह शॉट्स में ईशा 1.1 अंकों से आगे थीं, लेकिन 19वें शॉट के बाद याओ ने अंतर घटाकर 0.6 कर दिया। ईशा ने दबाव झेलते हुए लगातार दो 10.7 लगाए और अंत तक 0.1 अंक की नज़दीकी बढ़त बनाए रखी। उन्होंने 242.6 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दिन की दूसरी स्पर्धा, पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में, भावेश शेखावत 575 अंकों के साथ 22वें स्थान पर रहे। उनके हमवतन प्रदीप सिंह शेखावत भी समान स्कोर के साथ 23वें स्थान पर रहे, जबकि मंदीप सिंह 562 अंकों के साथ 39वें स्थान पर रहे।

ईशा के स्वर्ण के साथ भारत अब पदक तालिका में पाँचवें स्थान पर पहुँच गया है और निंगबो में स्वर्ण जीतने वाले पाँच देशों में शामिल हो गया है। मेज़बान चीन दो स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य के साथ शीर्ष पर है। भारत ने इस विश्व कप में अपने चौथे से छठे क्रमांक के निशानेबाज़ों को मौका दिया है, जो भविष्य के लिए टीम की गहराई को दर्शाता है।

भारत में आईफोन शिपमेंट रिकॉर्ड 1.5 करोड़ यूनिट तक पहुंचने की उम्मीद

वैश्विक बाजार में भारत अगले दो सालों में बिक्री में अहम भूमिका निभाएगा

नई दिल्ली,13 सितंबर (एजेंसियां)। टेक कंपनी एप्पल का भारत में आईफोन शिपमेंट 2025 तक 25 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 1.4 से 1.5 करोड़ यूनिट पहुंचने की उम्मीद है। शिपमेंट में यह उछाल पुराने मॉडलों पर भारी छूट और न्यूली लॉन्च आईफोन 17 सीरीज की रणनीतिक कीमतों के कारण है। रिसर्च फर्म इंटरनेशनल डेटा कॉरपोरेशन (आईडीसी) इंडिया को उम्मीद है कि 2025 में शिपमेंट 1.5 करोड़ यूनिट तक पहुंच सकता है, जो 2024 में 1.2 करोड़ यूनिट था। मीडिया रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि 1.42 करोड़ यूनिट और काउंटरपॉइंट रिसर्च का अनुमान 18-19 फीसदी की वृद्धि का है, जिसका लक्ष्य भारतीय स्मार्टफोन बाजार में 8 फीसदी बाजार हिस्सेदारी हासिल करना है। उद्योग जगत के विशेषज्ञों का कहना है कि एप्पल के तेजी से बढ़ता वैश्विक बाजार में भारत अगले दो सालों में बिक्री में एक अहम भूमिका निभाएगा, जिसमें त्योहारी मांग की भी भूमिका होगी। नए लॉन्च हुए आईफोन 17 की कीमत 82,900 रुपए है, जो आईफोन 16 से थोड़ी ज्यादा हैं। रिसर्च फर्म ने अनुमान लगाया है कि कंपनी का घरेलू थोक राजस्व 2025 में बढ़कर 1,08,412 करोड़ रुपए हो सकता है, जो पिछले साल 98,717 करोड़ था। इसे प्रो मॉडल के अपग्रेड और नए आईफोन एयर मॉडल की बिक्री से मदद मिलेगी। कंपनी ने कहा कि इकोसिस्टम उत्पादों की बढ़ती अटैचमेंट दरों से भी राजस्व वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। विश्लेषकों ने बताया कि आईफोन 16 मॉडल 2025 की पहली छमाही में भारत का सबसे ज्यादा बिकने वाला मॉडल था।

न्यूज़ ब्रीफ

सुजुकी ने सुपरनेकेड बाइक कटाना को चुपचाप हटाया

नई दिल्ली। भारतीय बाजार से सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने अपनी सुपरनेकेड बाइक कटाना को चुपचाप हटा दिया है। बिग बाइक लवर्स के लिए निराशाजनक खबर सामने आई है। सुजुकी कटाना को खासतौर पर अपनी '80एस रेट्रो-इंस्पायर्ड स्टाइलिंग और जबरदस्त परफॉर्मेंस के लिए पसंद किया जाता था। इसमें 999 सीसी का 4-सिलेंडर इंजन मिलता था, जो 152 एचपी की पावर और 106 एनएम का टॉर्क देता था। इसका चेसिस जीएसएक्स-एस1000 पर आधारित था और भारत में यह होंडा सीबी1000 हॉर्नेट एसपी जैसी बाइक्स से मुकाबला करती थी। इसकी आखिरी कीमत 13.61 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) थी। कटाना एक स्टाइलिश और पावरफुल बाइक होने के बावजूद भारतीय बाजार में ज्यादा सफल नहीं हो सकी। अक्सर डीलरशिप पर यह भारी डिस्काउंट के साथ उपलब्ध रहती थी। बाइक के बंद होने के बाद सुजुकी के पास अब भारत में कोई 1000सीसी इनलाइन-फोर मोटरसाइकिल नहीं है। फिलहाल कंपनी हायाबुसा, जीएसएक्स-8आर और वी-स्ट्रॉम 800 डीई जैसे मॉडल बेच रही है। हालांकि सुजुकी ने हाल ही में ग्लोबल मार्केट में जीएसएक्स-आर1000आर को फिर से पेश किया है, लेकिन भारत में इसकी वापसी को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है।

टैक्स कट का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाएगी रॉयल एनफील्ड

नई दिल्ली। जीएसटी दरें कम होने के बाद रॉयल एनफील्ड कंपनी ने घोषणा की है कि वह टैक्स कट का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाएगी। सबसे ज्यादा बिकने वाली रेंज क्लासिक 350, बुलेट 350, हंटर 350 और मेटॉर 350 के खरीदारों को इसका फायदा मिलेगा। इन बाइक्स की कीमतों में 22,000 रुपये तक की कमी की जाएगी। नई दरें 22 सितंबर, 2025 से लागू होंगी। जीएसटी काउंसिल ने हाल ही में 350 सीसी तक की मोटरसाइकिलों पर टैक्स दर को 28प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। इस बदलाव के बाद रॉयल एनफील्ड की 350 सीसी सेगमेंट की बाइक्स और भी किफायती हो जाएंगी। कंपनी के सीईओ बी. गोविंदराजन ने कहा कि यह सुधार न केवल ग्राहकों को राहत देगा, बल्कि पहली बार बाइक खरीदने वालों का उत्साह भी बढ़ाएगा और इस सेगमेंट को और मजबूती मिलेगी। कंपनी ने यह भी साफ कर दिया है कि जीएसटी कट का असर सिर्फ मोटरसाइकिलों तक सीमित नहीं रहेगा।

मोटो मोरिनी ने भारतीय ग्राहकों के लिए किया बड़े तोहफे का ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय ग्राहकों के लिए इटैलियन मोटरसाइकिल ब्रांड मोटो मोरिनी ने बड़ा तोहफा पेश किया है। मोटो मोरिनी ने अपनी लोकप्रिय सेइमेजो रेट्रो स्ट्रीट और स्क्रैम्बलर मोटरसाइकिलों पर भारी डिस्काउंट और आकर्षक फाइनेंस स्कीमें लॉन्च की हैं। कंपनी ने सेइमेजो सीरीज की कीमतों में सीधे 91 हजार रुपये तक की कटौती की है। पहले इनकी कीमत 5.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) थी, जबकि अब ग्राहक इन्हें केवल 4.29 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) में खरीद सकते हैं। इतालवी डिजाइन और हाईटेक इंजीनियरिंग से बनी यह बाइक अब पहले से कहीं ज्यादा किफायती हो गई है। यही नहीं, 21 सितंबर से पहले की गई खरीद पर ग्राहकों को 33 हजार रुपये तक का जीएसटी बेनिफिट भी मिलेगा। साथ ही, कंपनी ने फेस्टिव फाइनेंस ऑफर भी पेश किया है जिसमें लो ईएमआई, आकर्षक ब्याज दरें, 60 महीने तक की अवधि, तुरंत अप्रूवल और 95 प्रतिशत तक डेट कवरेज जैसी सुविधाएं शामिल हैं। ग्राहकों को इसके लिए सैलरी सर्टिफिकेट की भी जरूरत नहीं होगी। प्रीमियम मोटरसाइकिलों की बढ़ती कीमतों और महंगाई के दौर में मोटो मोरिनी का यह कदम ग्राहकों को बड़ी राहत देने वाला है। भारी डिस्काउंट, टैक्स बेनिफिट और आसान फाइनेंसिंग के चलते यह ऑफर उन लोगों के लिए सुनहरा मौका है जो लंबे समय से इस बाइक का इंतजार कर रहे थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आशा और...

कहीं भी विकास की जड़ें जमाने के लिए शांति आवश्यक है। पिछले 11 वर्षों में पूर्वोत्तर में कई संघर्षों और विवादों का समाधान हुआ है। लोगों ने शांति का मार्ग चुना है और विकास को प्राथमिकता दी है। हमें संतोष है कि हाल ही में पहाड़ियों और घाटियों में विभिन्न समूहों के साथ समझौतों पर बातचीत हुई है। ये भारत सरकार के प्रयासों का हिस्सा है, जिनमें संवाद, सम्मान और आपसी समझ को महत्व देते हुए शांति स्थापित करने का कार्य किया जा रहा है। मैं सभी संगठनों से शांति के मार्ग पर आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने की अपील करता हूं। मैं आपके साथ हूं, भारत सरकार मणिपुर के लोगों के साथ है।

उन्होंने कहा, मणिपुर की ये धरती हौसलों और हिम्मत की धरती है। ये पहाड़ियां प्रकृति का अनमोल उपहार हैं, और साथ ही ये पहाड़ियां आप सभी लोगों की निरंतर मेहनत का भी प्रतीक हैं। मणिपुर के नाम में ही मणि है, ये वो मणि है, जो आने वाले समय में पूरे पूर्वोत्तर की चमक बढ़ाने वाली है। भारत सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि मणिपुर को विकास के रास्ते पर तेजी से आगे ले जाएं। इसी कड़ी में मैं आज यहां आप सभी के बीच आया हूं। थोड़ी देर पहले इसी मंच से करीब 7 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास हुआ है। ये प्रोजेक्ट्स मणिपुर के लोगों की, यहां हिल्स पर रहने वाले ट्राइबल समाज की जिंदगी को और बेहतर बनाएंगे।

पीएम मोदी ने कहा, भारत सरकार मणिपुर की विकास यात्रा को गति देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी भावना से मैं आज आपके बीच आया हूं। कुछ समय पहले, इसी मंच से लगभग 7,000 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। ये परियोजनाएं मणिपुर के लोगों और हमारे आदिवासी समुदायों के जीवन में महत्वपूर्ण सुधार लाएंगी। मणिपुर की सीमा अन्य देशों से लगती है और यहां कनेक्टिविटी हमेशा से एक चुनौती रही है। मैं समझता हूं कि खराब कनेक्टिविटी के कारण आपको किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए 2014 से मैंने मणिपुर में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने पर बहुत जोर दिया है। इसके लिए भारत सरकार ने दो स्तरों पर काम किया है। पहला, हमने रेल और सड़क परियोजनाओं के लिए बजट में कई गुना वृद्धि की है। दूसरा, हमने शहरों से गाँवों तक सड़कें बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। हाल के वर्षों में यहां राष्ट्रीय राजमार्गों पर 3,700 करोड़ खर्च किए गए हैं और 8,700 करोड़ के निवेश से नए राजमार्गों पर काम चल रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, पहले यहां गांवों में पहुंचना कितना मुश्किल था, आप सभी जानते हैं। अब सैकड़ों गांवों में यहां रोड कनेक्टिविटी पहुंचाई गई है। इसका बहुत अधिक लाभ पहाड़ी लोगों को, ट्राइबल गांवों को हुआ है। हमारी सरकार के दौरान ही मणिपुर में रेल कनेक्टिविटी का विस्तार हो रहा है। जीरीबाम-इंफाल रेलवे लाइन बहुत जल्द राजधानी इंफाल को नेशनल रेल नेटवर्क से जोड़ देगी। पीएम मोदी ने कहा, एक समय था जब दिल्ली में लिए गए फैसलों को यहां तक पहुंचने में दशकों लग जाते थे। आज हमारा चुराचांदपुर, हमारा मणिपुर, देश के बाकी हिस्सों के साथ मिलकर प्रगति कर रहा है। जैसे हमने देश भर के गरीबों के लिए पक्के मकान बनाने की घोषणा की, मणिपुर को भी इसका लाभ मिला है। यहां लगभग 60,000 घर पहले ही बन चुके हैं, जिससे हजारों परिवारों को सम्मान और सुरक्षा का जीवन मिल रहा है।

उन्होंने कहा, आज भारत बहुत तेजी से विकसित हो रहा है। हम बहुत जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाले हैं। हमने देशभर में गरीबों के लिए पक्के घर बनाने की योजना शुरू की। इसका फायदा मणिपुर के भी हजारों परिवारों को मिला। बीते साल में 15 करोड़ से अधिक देशवासियों को नल से जल की सुविधा मिल चुकी है। मणिपुर में 7-8 साल पहले तक सिर्फ 25-30 हजार घरों में ही पाइप से पानी आता था। आज यहां साढ़े 3 लाख से अधिक घरों में नल से जल की सुविधा मिल रही है। पहले पहाड़ी और आदिवासी इलाकों में अच्छे स्कूल और अस्पताल बस एक सपना ही थे। आज भारत सरकार के प्रयासों से यह स्थिति बदल रही है। चुराचांदपुर में अब एक मेडिकल कॉलेज बन गया है। आजादी के दशकों बाद भी मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में एक भी मेडिकल कॉलेज नहीं था। हमारी सरकार ने इस जरूरत को पूरा किया है। पीएम-देवाइन योजना के तहत हमारी सरकार पांच पहाड़ी जिलों में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का विकास कर रही है। आयुष्मान भारत योजना के जरिए भारत सरकार गरीबों को 5 लाख तक का मुफ्त इलाज मुहैया करा रही है। अकेले मणिपुर में ही इस योजना के जरिए 2.5 लाख से ज्यादा मरीजों को मुफ्त इलाज मिल चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुराचांदपुर के शांति मैदान में मणिपुर जातीय हिंसा के कारण विस्थापित हुए कई लोगों से बातचीत की। पीएम मोदी ने आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) के परिवारों की चिंताओं को सुना और उन्हें राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। जातीय हिंसा के कारण 60,000 से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं, जिनमें से लगभग 40,000 कुकी जो समुदाय से और लगभग 20,000 मैतेई समुदाय के लोग हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में 7,300 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में 3,647 करोड़ रुपए की मणिपुर शहरी सड़कें, जल निकासी और परिसम्पत्ति प्रबंधन सुधार पहल और 550 करोड़ रुपए की मणिपुर इन्फोटेक डेवलपमेंट परियोजना शामिल हैं। उन्होंने 142 करोड़ रुपए की लागत से नौ कामकाजी महिला छात्रावासों और 105 करोड़ रुपए की लागत से विकसित होने वाली सुपर-स्पेशलिटी और स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं का भी शिलान्यास किया। पीएम मोदी ने पोलो ग्राउंड और उसके आसपास 30 करोड़ रुपए की लागत से बुनियादी ढांचे के विकास और सभी 16 जिलों में 134 करोड़ रुपए की लागत से 120 स्कूलों की सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की आधारशिला रखी। मणिपुर के विभिन्न हिस्सों में ग्रामीण संपर्क, शिक्षा और पर्यटन से संबंधित 102 करोड़ रुपए की कुल लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं को भी उन पहलों की सूची में शामिल किया गया, जिनकी आधारशिला रखी गई। इंफाल में खुमान लम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 36 करोड़ रुपए की लागत से बहुउद्देशीय इनडोर स्टेडियम का निर्माण और 502 करोड़ रुपए की लागत से टेंग्नौपाल खंड में एनएच 102-ए का उन्नयन भी सूची में शामिल है।

पीएम मोदी ने कहा कि मणिपुर की हजारों वर्ष पुरानी समृद्ध विरासत है। यहां संस्कृति की जड़ें मजबूत और गहरी हैं। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी पूर्वोत्तर भारत की सदी है। इंफाल को वह ऐसे शहरों में देखते हैं जो भारत की विकास गति को तेज करने में बड़ी भूमिका निभाएंगे। मणिपुर में हाल की हिंसा की घटनाओं पर चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी तरह की हिंसा दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने राज्य के लोगों से शांति और विकास की राह पर आगे बढ़ने की अपील की। पीएम मोदी ने कहा, भारत सरकार ने मणिपुर के विकास को निरंतर प्राथमिकता दी है। परिणामस्वरूप, मणिपुर की विकास दर लगातार बढ़ रही है। 2014 से पहले मणिपुर की विकास दर एक प्रतिशत से भी कम थी। अब मणिपुर पहले की तुलना में कई गुना तेजी से प्रगति कर रहा है। मणिपुर में बुनियादी ढांचे के विकास का एक नया युग शुरू हुआ है। मणिपुर में सड़कों और राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की गति भी कई गुना बढ़ गई है। यहां हर गांव तक बिजली पहुंचाने के लिए भी तेज गति से काम हो रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मणिपुर में किसी भी प्रकार की हिंसा दुर्भाग्यपूर्ण है। यह हिंसा हमारे पूर्वजों और हमारी आने वाली पीढ़ियों के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। इसलिए हमें मणिपुर को शांति और विकास के पथ पर आगे ले जाना है और यह हमें मिलकर करना होगा। हमें भारत के स्वतंत्रता संग्राम और भारत की रक्षा में मणिपुर के योगदान से प्रेरणा लेनी होगी। यह मणिपुर की ही भूमि थी जहां आजाद हिंद फौज ने पहली बार तिरंगा फहराया था। नेताजी सुभाष ने मणिपुर को भारत की स्वतंत्रता का प्रवेश द्वार कहा था। इस भूमि से अनेक वीरों ने बलिदान दिए हैं। हमारी सरकार मणिपुर के ऐसे प्रत्येक महान व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ रही है। हमारी सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में माउंट हैरियट का नाम बदलकर माउंट मणिपुर कर दिया गया है। यह मणिपुरी स्वतंत्रता सेनानियों को भारत के 140 करोड़ देशवासियों की श्रद्धांजलि है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मणिपुर के अनेक सपूत देश के अलग-अलग हिस्सों में भारत माता की रक्षा में जुटे हुए हैं। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने भारतीय सेना की ताकत देखी है। हमारे जवानों ने ऐसा कहर बरपाया कि पाकिस्तानी सेना घबरा गई। भारत की इस सफलता में मणिपुर के अनेक वीर बेटे-बेटियों का पराक्रम भी शामिल है। इसी तरह मैं हमारे वीर शहीद दीपक चिंगखम के पराक्रम को भी नमन करता हूं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उनके बलिदान को देश हमेशा याद रखेगा। मैंने कहा था कि मणिपुरी संस्कृति के बिना भारतीय संस्कृति अधूरी है। और मणिपुर के खिलाड़ियों के बिना भारत के खेल भी अधूरे हैं। मणिपुर का युवा, तिरंगे की शान के लिए अपना तन-मन-धन सब कुछ झोंक देने वाला युवा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिजोरम में 9,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। उन्होंने मिजोरम की पहली रेलवे लाइन का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने 8,070 करोड़ से अधिक की लागत वाली बैराबी-सैरांग नई रेल लाइन का उद्घाटन किया, जो मिजोरम की राजधानी को पहली बार भारतीय रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। उन्होंने आ-इजोल को दिल्ली से जोड़ने वाली राज्य की पहली राजधानी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं यहां मिजोरम के लेंगपुई हवाई अड्डे पर हूं। दुर्भाग्य से खराब मौसम के कारण मुझे खेद है कि मैं आइजोल में आपके साथ शामिल नहीं हो पा रहा हूं, लेकिन मैं इस माध्यम से भी आपके प्यार और स्नेह को महसूस कर सकता हूं। उन्होंने कहा कि चाहे स्वतंत्रता आंदोलन हो या राष्ट्र निर्माण, मिजोरम के लोग हमेशा योगदान देने के लिए आगे आए हैं। त्याग और सेवा, साहस और करुणा, ये मूल्य मिजो समाज के केंद्र में हैं। आज मिजोरम भारत की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह राष्ट्र के लिए, विशेषकर मिजोरम के लोगों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है।

प्रधानमंत्री ने कहा, कुछ वर्ष पहले मुझे आइजोल रेलवे लाइन की आधारशिला रखने का सौभाग्य मिला था। आज हम इसे देशवासियों को समर्पित करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं। दुर्गम रास्तों सहित कई चुनौतियों को पार करते हुए यह बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन अब साकार हो गई है। हमारे इंजीनियरों के कौशल और हमारे कार्यकर्ताओं के जज्बे ने इसे संभव बनाया है। यह सिर्फ एक रेल संपर्क नहीं है, बल्कि यह बदलाव की जीवनरेखा है। यह मिजोरम के लोगों के जीवन और आजीविका में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। मिजोरम के किसान और व्यवसाय देश भर के ज्यादा बाजारों तक पहुंच सकेंगे। उन्होंने कहा कि पहली बार मिजोरम का सैरांग राजधानी एक्सप्रेस द्वारा दिल्ली से सीधे जुड़ेगा। यह सिर्फ एक रेलवे नहीं है, बल्कि परिवर्तन की जीवन रेखा है। यह मिजोरम के लोगों के जीवन और आजीविका में क्रांति लाएगी। मिजोरम के किसान और व्यवसाय देश भर के ज्यादा बाजारों तक पहुंच पाएंगे। लोगों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के बेहतर अवसर भी मिलेंगे। इस विकास से कई क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों से हम पूर्वोत्तर के विकास के लिए काम कर रहे हैं। यह क्षेत्र भारत का विकास इंजन बन रहा है। पिछले कुछ वर्षों में पूर्वोत्तर के कई राज्यों ने भारत के रेल मानचित्र पर अपनी जगह बनाई है। पहली बार ग्रामीण सड़कों और राजमार्गों, मोबाइल कनेक्टिविटी, इंटरनेट कनेक्टिविटी, बिजली, नल का पानी और एलपीजी कनेक्शनों का विस्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने सभी प्रकार की कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत की है। मिजोरम को हवाई यात्रा के लिए उड़ान योजना का भी लाभ मिलेगा। बहुत जल्द, यहां हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू होंगी। इससे मिजोरम के दूरदराज के इलाकों तक पहुंच बेहतर होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मिजोरम प्रतिभाशाली युवाओं से भरपूर है। हमारा काम उन्हें सशक्त बनाना है। हमारी सरकार यहां पहले ही 11 ए-क्लब आवासीय विद्यालय शुरू कर चुकी है। छह और विद्यालय शुरू करने की योजना है। हमारा पूर्वोत्तर क्षेत्र स्टार्टअप्स का भी एक प्रमुख केंद्र बन रहा है। मुझे खुशी है कि इस क्षेत्र में लगभग 4,500 स्टार्टअप और 25 इनक्यूबेटर कार्यरत हैं। मिजोरम के युवा इस आंदोलन में सक्रिय रूप से शामिल हो रहे हैं और अपने और दूसरों के लिए नए अवसर पैदा कर रहे हैं। भारत तेजी से वैश्विक खेलों का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है। इससे देश में एक खेल अर्थव्यवस्था का भी निर्माण हो रहा है। मिजोरम में फुटबॉल और अन्य सभी खेलों में कई चैंपियन देने की अद्भुत परंपरा रही है। हमारी खेल नीतियों का लाभ मिजोरम को भी मिल रहा है। खेलो इंडिया योजना के तहत हम आधुनिक खेल बुनियादी ढांचे के निर्माण में सहयोग कर रहे हैं। हाल ही में हमारी सरकार ने एक राष्ट्रीय खेल नीति, खेलो इंडिया खेल नीति भी पेश की है। इससे मिजोरम के युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खुलेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि चाहे देश में हो या विदेश, पूर्वोत्तर की खूबसूरत संस्कृति के राजदूत की भूमिका निभाकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। पूर्वोत्तर की क्षमता को प्रदर्शित करने वाले मंचों को प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण है। राइजिंग नॉर्थ ईस्ट शिखर सम्मेलन में मैं निवेशकों को पूर्वोत्तर की क्षमता का दोहन करने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। यह शिखर सम्मेलन बड़े पैमाने पर निवेश और परियोजनाओं के लिए रास्ता खोल रहा है। जब मैं वोकल फॉर लोकल की बात करता हूं, तो इससे पूर्वोत्तर के कारीगरों और किसानों को भी बहुत लाभ होता है। मिजोरम के बांस के उत्पाद, जैविक अदरक, हल्दी और केले सुप्रसिद्ध हैं। हम जीवन को सुगम बनाने और व्यापार को सुगम बनाने के लिए लगातार कदम उठा रहे हैं। हाल ही में अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की घोषणा की गई है। इसका मतलब है कि कई उत्पादों पर कर कम होंगे, जिससे परिवारों का जीवन आसान होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2014 से पहले, टूथपेस्ट, साबुन और तेल जैसी रोजमर्रा की जरूरतों पर भी 27% टैक्स लगता था। आज, केवल 5% जीएसटी लागू है। कांग्रेस के शासन में, दवाओं, जांच किट और बीमा पॉलिसियों पर भारी टैक्स लगता था। इसीलिए स्वास्थ्य सेवा महंगी थी और बीमा आम परिवारों की पहुंच से बाहर था। आज, ये सब किफायती हो गए हैं। नई जीएसटी दरों से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की दवाइयां भी सस्ती हो जाएंगी। 22 सितंबर के बाद सीमेंट और निर्माण सामग्री भी सस्ती हो जाएंगी। स्कूटर और कार बनाने वाली कई कंपनियों ने पहले ही कीमतें कम कर दी हैं। मुझे यकीन है कि इस बार त्योहारों का मौसम पूरे देश में और भी ज्यादा रौनक भरा होगा। सुधारों के तहत ज्यादातर होटलों पर जीएसटी घटाकर केवल 5% कर दिया गया है, जिससे विभिन्न स्थानों की यात्रा, होटलों में ठहरना और बाहर खाना सस्ता हो जाएगा। इससे ज्यादा लोगों को हमारे देश के विभिन्न हिस्सों की यात्रा करने उन्हें देखने और उनका आनंद लेने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारी अर्थव्यवस्था में 2025-26 की पहली तिमाही में 7.8% की वृद्धि देखी गई है। इसका मतलब है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। हम मेक इन इंडिया और निर्यात में भी वृद्धि देख रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आप सभी ने देखा कि कैसे हमारे सैनिकों ने आतंक को प्रायोजित करने वालों को सबक सिखाया। पूरा देश हमारे सशस्त्र बलों पर गर्व की भावना से भर गया। इस ऑपरेशन में मेड इन इंडिया हथियारों ने हमारे देश की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमारी अर्थव्यवस्था और विनिर्माण क्षेत्र का विकास हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हमारी सरकार प्रत्येक नागरिक, प्रत्येक परिवार और प्रत्येक क्षेत्र के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। लोगों के सशक्तिकरण से ही एक विकसित भारत का निर्माण होगा। इस यात्रा में मुझे विश्वास है कि मिजोरम के लोग बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, आज मिजोरम की राजधानी को रेलवे कनेक्टिविटी मिल गई है। बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण परियोजना थी। इसमें 45 सुरंगें और 55 बड़े पुल शामिल हैं। यह लाइन अब मिजोरम को गुवाहाटी, कोलकाता, दिल्ली और कई अन्य गंतव्यों से जोड़ेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने तीन नई ट्रेनों की शुरुआत की है। रेलवे कनेक्टिविटी पूरे देश को मिजोरम की सुंदरता का अनुभव करने में मदद करेगी। पर्यटकों का आगमन बढ़ेगा।

भारतीय रेलवे के इतिहास में सबसे चुनौतीपूर्ण मानी जाने वाली 8,070 करोड़ रुपए की बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन को 2008-09 में मंजूरी दी गई थी और इसका निर्माण 2015 में शुरू हुआ था। इस लाइन में 45 सुरंगें, 55 बड़े पुल और 87 छोटे पुल शामिल हैं। सैरांग के पास पुल संख्या 144, 114 मीटर ऊंचा है। यह कुतुब मीनार से भी ऊंचा है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि यह देश का सबसे ऊंचा रेलवे पुल है। इस मार्ग में पांच सड़क ओवरब्रिज और छह अंडरपास भी हैं, जो बैराबी के अलावा चार मुख्य स्टेशनों होर्टोकी, कावनपुई, मुआलखांग और सैरांग को कवर करते हैं। प्रधानमंत्री ने तीन नई एक्सप्रेस ट्रेनों सैरांग (आइजोल)-दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल) राजधानी एक्सप्रेस, सैरांग-गुवाहाटी एक्सप्रेस और सैरांग-कोलकाता एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने इसके अलावा लॉन्गतलाई-सियाहा रोड पर छिमटुईपुई पुल, खेल विकास के लिए खेलो इंडिया बहुउद्देशीय इनडोर हॉल और आइजोल के मुआलखांग में एक एलपीजी बॉटलिंग प्लांट की आधारशिला भी रखी। प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) योजना के तहत कावर्था में एक आवासीय विद्यालय और त्लांगनुआम में एक एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय का भी उद्घाटन किया।

इजराइल ने...

जो वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले नेटवर्कों को वित्तपोषित और पनाह दे रहा है। ऐसे देश को उपदेश देने का कोई नैतिक हक नहीं है। जेनेवा स्थित भारत के स्थायी मिशन के सलाहकार क्षितिज त्यागी ने कहा, हम एक बार फिर उस देश के उकसावे का जवाब देने के लिए बाध्य हैं, जिसके नेतृत्व ने हाल ही में इसकी तुलना डंप ट्रक से की थी। मानवाधिकार परिषद के 60वें सत्र में पाकिस्तान की ओर से भारत के संबंध में की गई टिप्पणी के बाद उत्तर देने के अधिकार के तहत त्यागी ने यह बातें कहीं। त्यागी ने कड़े संदेश में पहलगाम के नरसंहार को याद किया, जहां इस वर्ष अप्रैल में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने खुशी के माहौल को हत्या के मैदान में बदल दिया था। उन्होंने कहा, ऐसा न हो कि हम 9/11 को भूल जाएं, क्योंकि बृहस्पतिवार को विश्व इसकी वर्षगांठ मना रहा है। हम आज उनके पाखंड को देख रहे हैं जिन्होंने इसके मास्टरमाइंड को शरण दी और उसे शहीद के रूप में महिमामंडित किया।

उन्होंने पाकिस्तान पर सीधा हमला करते हुए कहा कि उसका अस्तित्व ही आतंकवाद और झूठे प्रचार पर टिका है। हम फिर से मजबूर हैं कि उस देश की उकसावे की बातों का जवाब दें, जिसके नेता ने हाल ही में अपने देश की तुलना कूड़ा ढोने वाले ट्रक से की थी। यह तुलना सही बैठती है क्योंकि पाकिस्तान लगातार पुराने झूठ और बासी प्रोपेगेंडा इस मंच पर लेकर आता है। क्षितिज त्यागी ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन को भी अपने हित में इस्तेमाल करता है और भारत के खिलाफ उसकी बीमारी जैसी जुनूनी सोच उसके लिए अस्तित्व का सहारा बन गई है।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में अल्पसंख्यकों के बारे में स्विट्जरलैंड की टिप्पणियों को आश्चर्यजनक और अज्ञानतापूर्ण बताया है। भारतीय राजनयिक ने कहा कि देश को नस्लवाद, व्यवस्थित भेदभाव और विदेशी-द्वेष जैसी अपनी चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यूएनएचआरसी की अध्यक्षता स्विट्जरलैंड के पास है, इसलिए वह और भी सोच-समझकर बयान दे।

नौकरशाहों ने...

जानकारी के अनुसार, आईएसबीटी के पास टर्नर रोड पर 70 बीघा जमीन फैज मोहम्मद की शत्रु सम्पत्ति के रूप में चिन्हित की गई है, जिसे केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी सूचीबद्ध कर दिया है। फैज मोहम्मद के नाम माजरा क्षेत्र में 1800 बीघा शत्रु सम्पत्ति भी चिह्नित की गई है। बताया जाता है कि डीएम के निर्देश पर सिटी मजिस्ट्रेट ने उक्त जमीन के दस्तावेजों की जांच की और मौका मुआयना भी किया, लेकिन उसके बाद अचानक इन फाइलों को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। एक अनुमान के मुताबिक, इन दोनों सम्पत्तियों की कीमत अरबों में है और इस पर सहारनपुर, मुजफ्फरनगर आदि इलाकों से लोग अवैध रूप से बसे हैं या बसाए गए हैं और इस साजिश में कई रसूखदार सफेदपोश लोग भी शामिल हैं।गृह मंत्रालय ने धामी सरकार को यह भी निर्देश दिया है कि राज्य सरकार शत्रु सम्पत्तियों को अपने कब्जे में लेकर जिला मजिस्ट्रेट को सौंप दे। जिला मजिस्ट्रेट अपनी अभिरक्षा में सार्वजनिक हित में इसका स्वयं उपयोग कर सकते हैं तथा इसे किसी अन्य को नहीं सौंपा जा सकता। इसी क्रम में नैनीताल में मेट्रोपोल होटल की शत्रु सम्पत्ति को खाली करा लिया गया तथा शेष सम्पत्तियों की फाइल भी ठंडे बस्ते से निकाल ली गई है। हरिद्वार में भी शत्रु सम्पत्तियां हैं और कहा जा रहा है कि ऊधमसिंह नगर जिले के किच्छा में भी शत्रु सम्पत्ति है।केंद्र सरकार ने 10 सितंबर 1959 और 18 दिसंबर 1971 को अध्यादेश जारी कर उन सम्पत्तियों को शत्रु सम्पत्ति घोषित किया था जिनके मालिक आजादी के समय हुए बंटवारे के दौरान देश छोड़कर दूसरे देश में बस गए थे और वहां की नागरिकता हासिल कर ली। जो लोग दूसरे देशों में जाकर बस गए, उनके तथाकथित रिश्तेदार यहां पैदा होकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर शत्रु सम्पत्ति को अपना बताने लगे और उन्होंने उक्त सम्पत्ति की फर्जी रजिस्ट्री भी करा ली, जिनके मामले स्थानीय अदालतों में चल रहे हैं, जिन पर अब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और इन सम्पत्तियों को कब्जे में लेने की प्रक्रिया तेज कर दी है।हाल ही में गृह मंत्रालय ने एक सर्वेक्षण में पाया कि देशभर में करीब 12611 शत्रु सम्पत्तियों की पहचान की गई है, जिनकी कीमत करीब एक लाख करोड़ रुपए आंकी गई है, इनमें से 12485 सम्पत्तियां ऐसी हैं जिनके मालिक आजादी के बंटवारे के दौरान पाकिस्तान में जा बसे और 126 ऐसी हैं जो चीन के नागरिक बन गए। उत्तराखंड में भी ऐसी 34 शत्रु सम्पत्तियां हैं, जिन्हें अवैध कब्जे से मुक्त कराने के लिए धामी सरकार ने अभियान शुरू किया है।

श्रीमद् भागवत पारायण अंतर्गत पूजा कार्यक्रम का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री हैदराबाद सिकंदराबाद लोहाणा महाजन, लव फॉर काऊ फाउंडेशन, और हैदराबाद सुंदरकांड मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 14 सितंबर 2025 से बडीचावडी स्थित श्री जलाराम बापा मंदिर में श्रीमद् भागवत सप्ताह पारायण का भव्य आयोजन शुरू होने जा रहा है। इसकी तैयारी के तहत आज, शनिवार, 13 सितंबर 2025 को पाटला पोथी और अन्य पूजा कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के प्रधान संयोजक राजेश रामाणी और जसमत पटेल ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पंडित घनश्याम भट्ट के सान्निध्य में सायं 4 बजे से जलाराम बापा मंदिर में मुख्य यजमान, सहयजमान, पोथी के यजमान, और पाटला पोथी में भाग लेने वाले सहयोगियों ने पूजा और संकल्प में हिस्सा लिया। मुख्य यजमान के रूप में गौरत्न श्री घनश्यामभाई पटेल (अध्यक्ष, श्री गुजराती सेवा मंडल, सिकंदराबाद), श्रीमती वनिताबेन विठलाणी, यजमान के रूप में श्रीमती श्वेताबेन प्रतापभाई जाडेजा (ट्रस्टी, श्री गुजराती प्रगति समाज, हैदराबाद), श्री महेश शिवजीभाई पटेल (उपाध्यक्ष, श्री गुजराती प्रगति समाज, हैदराबाद), सहयजमान के रूप में श्री गोविंददास शाह (अध्यक्ष, श्री गुजराती प्रगति समाज, हैदराबाद), श्री धनजीभाई पटेल (अध्यक्ष, श्री वागड लेऊवा पाटीदार समाज), श्री तरूणभाई महेता (अध्यक्ष, श्री गुजराती ब्रह्म समाज), श्रीमती मीनाबेन हरीशभाई ठक्कर (अध्यक्ष, हैदराबाद सुंदरकांड मंडल), दैनिक यजमान श्री नरेन्द्रभाई जयंतीलाल रायठठ्ठा, और भागवत पाटला पोथी यजमान–श्री जगदिशभाई सामाणी, श्रीमती फालगुनीबेन चेतनभाई जोशी, श्री राजेशभाई पटेल (वि.वाय.ओ.), श्रीमती निताबेन विराणी, श्रीमती संगीताबेन ठाकुर (अत्तापुर), श्री विजय गोविंद पटेल–ने संकल्प कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर जसमत पटेल, राजेश रामाणी, मुकेश बदियानी, रिद्धीश जागीरदार, तरूण महेता, रंजना शाह, मीना ठक्कर, धीरज पोपट, संगीता रायठठ्ठा, बीना पौराणा, भावना तन्ना, सुजाता तन्ना, जयश्री पंड्या, ईलाबेन सहित अन्य सदस्यों ने भी हिस्सा लिया।

जसमत पटेल और राजेश रामाणी ने बताया कि 14 सितंबर से 20 सितंबर 2025 तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से सायं 6 बजे तक श्रीमद् भागवत पारायण का आयोजन होगा।

देवी स्वीकृती रामानुजा दासी अपनी पवित्र वाणी में कथा सुनाएंगी। यह आयोजन अश्विन मास (पितृ पक्ष) के पावन अवसर पर सर्वजन हिताय, धन, विद्या, आयु, आरोग्य, सुख, समृद्धि, ऐश्वर्य, और पितृ मोक्ष के लिए संकल्प के साथ आयोजित किया जा रहा है।

राजेश रामाणी ने यजमानों और पाटला पोथी लाभार्थियों से आग्रह किया कि 14 सितंबर 2025 को प्रातः 8:00 बजे पूजा के लिए परिवार सहित उपस्थित हों। इसके बाद शोभायात्रा और श्रीमद् भागवत सप्ताह पारायण में भाग लें।

प्रथम दिन कथा में भागवत पारायण महत्तम, परीक्षितजी और सुखदेवजी के मिलन की कथा होगी, जिसके बाद मध्यान 2:00 बजे महाप्रसाद की व्यवस्था रहेगी।

15 सितंबर को परीक्षितजी की जन्म कथा, कपिल देवहूति संवाद, ध्रुव चरित्र, और वराह अवतार; 16 सितंबर को जड भरत चरित्र, अजामिल व्याख्यान, प्रह्लाद चरित्र, और नरसिंह अवतार; 17 सितंबर को वामन अवतार, राम अवतार, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव; 18 सितंबर को श्रीकृष्ण बाल लीला और गोवर्धन लीला; 19 सितंबर को कंस वध, रूकमणी मंगल, सुदामा चरित्र, और श्रीकृष्ण–रूकमणी विवाह पर शांभवी कृष्णा द्वारा कुचिपुड़ी और भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुत होंगे। अंतिम दिन, 20 सितंबर को प्रातः 10 बजे से परीक्षित मोक्ष, उद्धव चरित्र, श्री जलाराम बाबा चरित्र, और सुखदेवजी विदाई होगी, जिसके बाद दोपहर 2:00 बजे महाप्रसाद और 3:00 बजे हवन एवं भागवत पूजा संपन्न होगी।

आज तेलंगाना गोशाला सेवा समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष विजयरामाराव, उपाध्यक्ष जसमत पटेल, एस. रमेश, मंत्री बालकृष्ण, और अन्य पदाधिकारियों को भागवत कथा का निमंत्रण पत्र दिया गया।

सभ्यता और संस्कृति की पहचान है हिंदी

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।

भारतेंदु हरिश्चंद्र की यह पंक्तियां हिंदी भाषा के गौरव और महत्व को स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं। हिंदी, भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है, जो न केवल एक भाषा, बल्कि हमारी सभ्यता और संस्कृति की पहचान भी है। हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य इस भाषा को बढ़ावा देना और इसके प्रति जागरूकता फैलाना है।

प्रमोद केडिया
अध्यक्ष अग्रसेन बैंक एवं अध्यक्ष अग्रवाल शिक्षा समिति, हैदराबाद

हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि यह भारत के विभिन्न राज्यों और संस्कृतियों को एक सूत्र में पिरोने वाली भाषा है। देश के अलग–अलग हिस्सों में रहने वाले लोग, जो भिन्न–भिन्न भाषाएं बोलते हैं, हिंदी के माध्यम से आसानी से एक–दूसरे से संवाद स्थापित कर पाते हैं। हिंदी ने कहानी, कविता, नाटक, साहित्य, और पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी समृद्धि से एक विशिष्ट स्थान बनाया है।

हिंदी हमारी मातृभाषा, हमारी पहचान और हमारा गौरव है। हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि एक संकल्प लेने का अवसर है। हमें यह प्रतिज्ञा करनी चाहिए कि हम हिंदी का प्रचार–प्रसार करेंगे, इसका सम्मान करेंगे, और इसे अगली पीढ़ियों तक पहुंचाएंगे। हमें गर्व है कि हम हिंदी भाषी हैं, और हमें इसकी समृद्ध विरासत को और अधिक मजबूत करना चाहिए।

हिंदी दिवस के इस अवसर पर, आइए हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपनी मातृभाषा को न केवल अपने जीवन में अपनाएंगे, बल्कि इसे विश्व स्तर पर भी गौरव प्रदान करेंगे। हिंदी हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है, और इसे जीवित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।

राष्ट्रीय एकता की प्रतीक है हिंदी

भारत एक ऐसा देश है जहाँ हर कुछ किलोमीटर पर भाषा और बोली बदल जाती है, जो हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और भाषाई विविधता का प्रमाण है। इन सभी भाषाओं में से हिंदी को एक विशेष स्थान प्राप्त है। यह न केवल देश के बड़े हिस्से में बोली जाती है, बल्कि हमारी राष्ट्रीय पहचान, एकता और गौरव का प्रतीक भी है।

सोहनलाल दायमा
अध्यक्ष, दाहिमा समाज भवन निर्माण समिति, हैदराबाद

हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है ताकि हम हिंदी के इस महत्व को याद रखें और इसे सम्मान दें। यह दिन हमें यह समझाता है कि हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता, भावनाएँ और देश को जोड़ने वाली मजबूत कड़ी है।

आज के युग में अंग्रेजी के बढ़ते प्रभाव के कारण हिंदी को लेकर कुछ लोगों में हीन भावना भी देखने को मिलती है। लेकिन हमें यह समझना होगा कि भाषा बड़ी या छोटी नहीं होती, बल्कि यह केवल अभिव्यक्ति का माध्यम है। हमें हिंदी के साथ–साथ अन्य भाषाओं का सम्मान भी करना चाहिए, लेकिन हिंदी को उसका उचित स्थान दिलाना हमारा कर्तव्य है।

हिंदी हमारी मातृभाषा, पहचान और गौरव है। हिंदी दिवस केवल एक दिन नहीं, बल्कि ऐसा अवसर है जब हम संकल्प लें कि हिंदी का प्रचार–प्रसार करेंगे, उसका सम्मान करेंगे और अगली पीढ़ी को इसकी गरिमा से परिचित कराएंगे। हमें गर्व होना चाहिए कि हम हिंदी भाषी हैं और हमें इसकी समृद्धता को आगे बढ़ाना चाहिए।

एनआईआईएमएच ने किया आयुर्वेद और पोषण पर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन

हैदराबाद, 13 सितंबर 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईएमएच) ने डॉ. जी.पी. प्रसाद के मार्गदर्शन में सरकारी नेहरू मेमोरियल स्कूल, मलकपेट में आयुर्वेद और उचित पोषण पर एक जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम 10वें आयुर्वेद दिवस और पोषण माह समारोह का हिस्सा था। कार्यक्रम में डॉ. सुबोध के नेतृत्व में एक टीम ने अग्नि (पाचन अग्नि) की भूमिका पर प्रकाश डाला, जो भोजन के उचित पाचन, आत्मसात करने और उत्सर्जन के लिए आवश्यक है। उन्होंने पोषण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की। वहीं, डॉ. संतोष माने ने आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांतों और स्वास्थ्य एवं रोग प्रबंधन में इसकी प्रभावशाली भूमिका पर जानकारी दी।इस अवसर पर के. श्रीनिवास राव (एलआईए) ने छात्रों और कर्मचारियों को आईईसी सामग्री वितरित की। उन्होंने हेडमास्टर श्रीधर और श्रीमती मीणा को उनके सक्रिय सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

यह आयोजन आयुर्वेद और पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

मां दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट ने पितृ पक्ष की सप्तमी के श्राद्ध पर एक विशेष अन्न प्रसाद का आयोजन किया। इस दौरान, भक्तों को पूरी, आलू–टमाटर की सब्जी, मटर बिरयानी और पानी परोसा गया। संस्था के संस्थापक विनय किशोर तायल ने बताया कि सोनासर बाबा और श्याम बाबा के आशीर्वाद से यह सेवा सफल रही और सभी पितृगण प्रसन्न हैं। इस सेवा कार्य में विनय किशोर तायल के साथ–साथ योगेश खत्री और मीता खत्री ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। सभी ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया, जिससे यह कार्यक्रम पूरी तरह सफल रहा।

गणेश उत्सव के शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न होने पर सुलतान बाजार पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस अधिकारी नरसिम्हा का अभिनंदन करते हुए जैन माईनोरिटी काउंसिल के मंत्री रिद्धीश जागीरदार। साथ में हैं श्री गुजराती प्रगति समाज के कार्यकारीणी सदस्य राजेश रामाणी।

श्रीनिवास वेलफेयर यूथ एसोसिएशन ने तुंगभद्रा नदी में किया गणेश विसर्जन

हैदराबाद, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री श्रीनिवास वेलफेयर यूथ एसोसिएशन ने अपने 60वें वार्षिक गणेश विसर्जन उत्सव को एक अनूठा रूप देते हुए इस बार श्री गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन पवित्र तुंगभद्रा नदी में किया।

इसके साथ ही एसोसिएशन ने छह साल में छह अलग–अलग पवित्र नदियों में विसर्जन का अपना लक्ष्य पूरा कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

एसोसिएशन ने पिछले वर्षों में क्रमशः 2020 में गंगा, 2021 में नर्मदा, 2022 में कृष्णा, 2023 में गोदावरी और 2024 में कावेरी नदी में विसर्जन किया था।

गणेश जी की शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का बेल्लारी में

छह साल में छह पवित्र नदियों में विसर्जन कर बनाया नया रिकॉर्ड

भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्या भारती, कंदीकल गेट स्कूल समिति के अध्यक्ष श्री के. प्रसन्ना कुमार भी मौजूद थे।

बेल्लारी में श्री गणेश जी की मूर्ति की विशेष पूजा–अर्चना की गई, जिसमें बीजेपी के राष्ट्रीय नेता गाली जनार्दन रेड्डी, बीजेपी के जनरल सेक्रेटरी रामानुजा, आरएसएस के रूप श्री, और कोडली आरएसएस प्रभारी श्रीनिवास सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

हैदराबाद से तुंगभद्रा नदी तक विसर्जन यात्रा में मधु, रघु, विनोद, ई. महेंद्र, जी. हनुमंत राव, अनिरुद्ध, उपेंद्र और ज्ञानेश्वर सहित कई श्रद्धालु विशेष रूप से शामिल हुए।

मंचेरियाल में शी टीम्स महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध : डीसीपी ए. भास्कर

मंचेरियाल,13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल की शी टीम्स ने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस वर्ष अगस्त तक शी टीम्स ने मंचेरियाल क्षेत्र में 81 गुंडों को पकड़ा है। शी टीम्स को प्राप्त कुल 114 शिकायतों में से 18 आपराधिक मामले दर्ज किए गए, 7 पेटी मामले सामने आए, और 89 मामलों में परामर्श व चेतावनी दी गई।शनिवार को स्थानीय डीसीपी कार्यालय में डीसीपी ए. भास्कर, आईपीएस की अध्यक्षता में शी टीम, महिला पुलिस स्टेशन, और भरोसा केंद्र के कर्मचारियों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान डीसीपी ने कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि छेड़छाड़ करने वालों को रंगे हाथों पकड़ने के लिए विशेष योजना तैयार की जानी चाहिए।डीसीपी ने सुझाव दिया कि जिला मुख्यालय के स्कूलों, कॉलेजों और प्रमुख चौराहों पर महिला सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

उन्होंने महिला छात्रावासों और कार्यस्थल छात्रावासों में सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने, सुरक्षा गार्ड और महिला प्रभारी की नियुक्ति सुनिश्चित करने, और वहां कार्यरत कर्मचारियों का पूरा विवरण रखने के निर्देश दिए।डीसीपी ने भरोसा केंद्रों पर पीड़ित महिलाओं और लड़कियों को चिकित्सा उपचार, परामर्श, और अन्य सभी आवश्यक सेवाएं प्रदान करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को यह विश्वास दिलाया जाए कि पुलिस उनकी सहायता के लिए हमेशा उपलब्ध है। भरोसा केंद्रों में कानूनी सलाहकार, परामर्शदाता, और चिकित्सक की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।यौन उत्पीड़न के मामलों में पीड़ितों की मानसिक और शैक्षिक स्थिति पर नजर रखने और समय-समय पर उन्हें आश्वासन प्रदान करने की सलाह दी गई। डीसीपी ने साइबर अपराधों पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने बताया कि बाल पोर्नोग्राफी, बलात्कार, और सामूहिक बलात्कार के वीडियो अपलोड, शेयर, या डाउनलोड करना आईटी अधिनियम की धारा 67बी और पॉक्सो अधिनियम की धारा 15 के तहत अपराध है। दोषी पाए जाने पर कारावास, जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं।

गूगल ड्राइव पर ऐसे वीडियो अपलोड, डाउनलोड, या संग्रहीत करने की स्थिति में राष्ट्रीय केंद्र फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रन (एनसीएमसी) के पास ईमेल आईडी और आईपी एड्रेस की तुरंत पहचान करने की प्रणाली मौजूद है। यह डार्क वेब, डीप वेब, और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साइबर गश्त करता है।डीसीपी ने कहा कि महिलाओं और लड़कियों को अक्सर उनके परिचित लोग ही परेशान करते हैं। इसलिए, ऐसी स्थिति में सतर्क रहना और निराश न होना जरूरी है। शी टीम से शिकायत करने पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी और शिकायतकर्ता की गोपनीयता बनाए रखी जाएगी।महिलाओं से अपील की गई कि उत्पीड़न की स्थिति में वे निडर होकर शी टीम, रामागुंडम शी टीम के व्हाट्सएप नंबर 6303923700, मंचेरियाल शी टीम नंबर 8712659385, या 100 नंबर पर संपर्क करें।इस समीक्षा बैठक में मंचेरियाल शी टीम प्रभारी निरीक्षक नरेश कुमार, महिला सहायक उषारानी, हैमा, भरोसा केंद्र के कर्मचारी, और शी टीम के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

आदिलाबाद में हिंदी दिवस का भव्य आयोजन

आदिलाबाद, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आदिलाबाद के शासकीय महाविद्यालय, साइंस शांतिनगर में शनिवार, 13 सितंबर 2025 को हिंदी दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. संगीता जी के निर्देशानुसार, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष श्री श्रावण राठौड़ और डॉ. राधा के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या डॉ. संगीता, हिंदी सहायक प्राध्यापक श्री श्रावण राठौड़, डॉ. संतोष कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्राचार्या ने अपने संबोधन में हिंदी भाषा की वर्तमान स्थिति और इसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भाषा के कारण भारत में कई राज्यों जैसे आंध्र प्रदेश, केरल और पंजाब का गठन हुआ, और हिंदी राष्ट्रीय एकता की कड़ी के रूप में महत्वपूर्ण है।

हिंदी प्रवक्ता श्री श्रावण राठौड़ ने हिंदी को राजभाषा और राष्ट्रीय एकता की भाषा बताते हुए इसके महत्व पर जोर दिया। छात्रों ने इस अवसर पर देशभक्ति गीत, कविताएँ और भाषण प्रस्तुत कर समारोह को यादगार बनाया। उनकी प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में हिंदी से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें भाषण, कविता पाठ और गायन शामिल थे। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए।इस अवसर पर हिंदी प्रवक्ता श्री श्रावण राठौड़ को प्राचार्या डॉ. संगीता, सहायक प्राध्यापकों, प्राध्यापिकाओं और छात्रों द्वारा शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में तेलुगु विभागाध्यक्ष श्री संतोष कुमार, भौतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष श्री रमाकांत गैड, अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक श्री गोली संजय और श्री आनंद कुमार, उर्दू विभागाध्यक्ष श्रीमती सलेहा, श्री इमरान, श्री दुर्गा शेखर सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, प्राध्यापिकाएँ और छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

यह आयोजन हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और छात्रों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने में सफल रहा।

तालाब में डूबने से मां और तीन बच्चों की दर्दनाक मौत

आसिफाबाद, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमरमभीम आसिफाबाद जिले के वांकिडी मंडल अंतर्गत धाबा गांव में शनिवार को एक हृदयविदारक घटना घटी। गांव के पास स्थित एक तालाब में डूबने से एक मां और उनके तीन बच्चों की मौत हो गई। इस घटना ने पूरे गांव में मातम छा दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, मोरले निर्मला बाई (35) अपने खेत में यूरिया डालने के लिए गई थीं। उनके साथ उनके बच्चे भी खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान, उनका एक बच्चा, मोरले गन्नू (12), पानी लाने के लिए तालाब के किनारे गया। पानी लेते समय उसका पैर फिसल गया और वह तालाब में डूब गया। उसे बचाने के लिए अन्य दो बच्चे, बड़े महेश्वरी (9) और अधे शशि कला (9), भी तालाब के किनारे पहुंचे, लेकिन वे भी गहरे पानी में डूब गए।

यह सब देखकर मां मोरले निर्मला ने अपने बच्चों को बचाने की कोशिश में तालाब में छलांग लगा दी, लेकिन वह भी गहरे पानी में डूब गईं और उनकी मृत्यु हो गई। इस दुखद हादसे में मां और तीनों बच्चों की जान चली गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को तालाब से बाहर निकालकर कब्जे में लिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस हादसे से धाबा गांव में शोक की लहर दौड़ गई है, और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मंदिर फाउंडेशन ने लगाया नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर

आसिफाबाद, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने शनिवार को लोगों से नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविरों का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए अच्छी दृष्टि बेहद महत्वपूर्ण है। रेबेना मंडल केंद्र स्थित कला एवं विज्ञान डिग्री कॉलेज में आईएएस अधिकारी परीकिपांडला नरहरि द्वारा स्थापित मंदिर फाउंडेशन नेत्र चिकित्सालय ने एक नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया।

शिविर का उद्घाटन विधायक कोवा लक्ष्मी, मंदिर फाउंडेशन और उपभोक्ता अधिकार संगठन के सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, कलेक्टर धोत्रे ने मंदिर फाउंडेशन की समाज सेवा की भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि मानव शरीर में आँखें सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं, और 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को नियमित रूप से आँखों की जाँच करानी चाहिए। उन्होंने तिरियानी मंडल में भी जल्द ही एक ऐसे ही शिविर के आयोजन की घोषणा की।

जिला कलेक्टर ने बदलते मौसम को देखते हुए लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग जागरूकता अभियान चलाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपने आवासीय क्षेत्रों से पुरानी और बेकार वस्तुओं को हटाने, वर्षा जल जमाव को रोकने और मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए तेल, ब्लीचिंग पाउडर और मच्छर भगाने वाली दवाओं का छिड़काव करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इन उपायों से डेंगू और मलेरिया जैसे जानलेवा बुखारों से बचा जा सकता है। उन्होंने सभी से व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने पर भी जोर दिया।

इस कार्यक्रम में मंदिर फाउंडेशन के प्रतिनिधि परीकीपंडला रामू, शोभन बाबू, मित्तपल्ली राजेंद्र, जनप्रतिनिधि अजमीरा श्याम नायक, डॉक्टर और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

जहीराबाद में धूमधाम से मनाया गया हिंदी दिवस

जहीराबाद, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री चैतन्या पाठशाला, जहीराबाद में शनिवार, 13 सितंबर 2025 को हिंदी दिवस का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पाठशाला के प्राचार्य श्री मुरली प्रसाद द्वारा ज्योति प्रज्वलन के साथ हुआ। हिंदी विभाग के नेतृत्व में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न स्पर्धाओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें भाषण, कविता गायन, गीत गायन, निबंध लेखन, चित्रलेखन, प्रश्नोत्तरी, नृत्य, और एकांकी प्रदर्शन शामिल थे। विद्यार्थियों ने इन कार्यक्रमों में उत्साह और उमंग के साथ भाग लेकर हिंदी भाषा के प्रति अपने प्रेम और समर्पण को प्रदर्शित किया।इस अवसर पर प्राचार्य श्री मुरली प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा, हिंदी एक अनमोल भाषा है, जो देश को एकता के सूत्र में बांधती है। हर विद्यार्थी को हिंदी सीखनी चाहिए और इसे बोलकर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाना चाहिए।पाठशाला के शिक्षक और कवि श्री प्रभाकर प्राणसुमन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त होना हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है। हिंदी भाषा और साहित्य ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और सफलता की दिशा दिखाई। आज हिंदी न केवल भारत की, बल्कि विश्व की भाषा बन चुकी है। इसका महत्व हर क्षेत्र में दिन-ब-दिन बढ़ रहा है। इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी को हिंदी सीखने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में पाठशाला के डीन श्री वेंकट, हिंदी शिक्षिका श्रीमती राजेश्वरी, अन्य शिक्षकगण, और विद्यार्थी उपस्थित थे। इस आयोजन ने हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और विद्यार्थियों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ. हरीश (चिकित्सा अधिकारी) और गौरीपल्ली, डॉ. शालिनी (डेंटल चिकित्सा अधिकारी) के मार्गदर्शन में, मल्लापुर पीएचसी ने एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में वंगापल्ली, डॉ. नीलिमा (चिकित्सा अधिकारी), डॉ. मुल्यंका, और सीएचओ वेंकटैया ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके साथ ही, सक्कूबई (एएनएम), गुंडलापल्ली, अश्विनी, और चोल्लार, एम. एल. एच. पी. लावण्या जैसी फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भागीदारी ने इस आयोजन को सफल बनाया।कार्यक्रम की सफलता में पर्यवेक्षक हेमलता और होमियो फार्मासिस्ट ममता का योगदान भी सराहनीय रहा। इनके साथ ही, सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों और स्वयंसेवकों ने मिलकर यह सुनिश्चित किया कि स्वास्थ्य संदेश प्रभावी ढंग से समुदाय तक पहुँचे।यह पहल क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और लोगों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

चेन्नूर में राष्ट्रीय लोक अदालत द्वारा 1050 मामलों का सफल निपटारा

चेन्नूर, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेन्नूर जूनियर सिविल कोर्ट में न्यायाधीश पर्वतापु रवि के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 1050 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया।इस दौरान 938 ड्रंक एंड ड्राइव और नगर उपद्रव से जुड़े मामलों का निपटारा किया गया, जिनकी कुल राशि 5,23,650 रुपये थी। इसके अतिरिक्त 42 बैंक मामलों का निपटारा किया गया, जिनकी राशि 20,88,783 रुपये थी। साथ ही, 39 आपराधिक और 2 सिविल मामलों का भी समाधान किया गया।

इस कार्यक्रम में अधिवक्ताओं, पुलिस अधिकारियों और बैंक प्रबंधकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई, जिससे न्याय प्रक्रिया में तेजी आई और मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित हुआ।

मुख्यमंत्री और विधायक के चित्रों का दूग्धाभिषेक

डोंगली 13 (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल विकास प्रदाता श्री थोटा लक्ष्मी कांता राव और तेलंगाना के मुख्यमंत्री एनुमुला रेवंत रेड्डी के चित्रों पर दूध से अभिषेक किया गया।

मदनूर कृषि बाजार समिति के उपाध्यक्ष ने बताया कि डोंगली मंडल के मोगा और मदनूर के बीच हुई बारिश के कारण पुराना पुल बह गया। इसकी सूचना जुक्कल विधायक श्री थोटा लक्ष्मी कांता राव को दी गई। इसके बाद विधायक ने तीन दिनों के भीतर 30 लाख रुपये की लागत से नया पुल, 35 लाख रुपये की लागत से गाँव के लिए सीसी सड़क, और 10 लाख रुपये की लागत से नहर निर्माण की मंजूरी दी।ग्रामीणों ने इसे अपने लिए सौभाग्य माना कि उन्हें ऐसा विधायक मिला है जो हमेशा गाँव के लोगों के साथ खड़ा रहता है और उनके लिए काम करता है। इस अवसर पर डोंगली मंडल के नेता, मोगा गाँव के नेता, कार्यकर्ता और ग्रामीण सभी ने मिलकर शनिवार को स्थानीय ग्राम पंचायत कार्यालय परिसर में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और विधायक लक्ष्मी कांता राव के चित्रों पर दूध से अभिषेक किया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 14 सितंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज ने सीएम रेवंत रेड्डी को महाराजा अग्रसेन जयंती में आमंत्रित किया

मुख्यमंत्री ने समाज की गतिविधियों की सराहना की, कार्यक्रम में शामिल होने का दिया आश्वासन

हैदराबाद, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मिला और उन्हें 5149वीं महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

यह भव्य समारोह 22 सितंबर 2025 की शाम को शमशाबाद स्थित क्लासिक कन्वेंशन 3 में आयोजित होगा।

इस मुलाकात के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को अग्रवाल समाज, तेलंगाना द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सामाजिक और कल्याणकारी पहलों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। समाज के सदस्यों ने शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला, जिस पर मुख्यमंत्री ने समाज की गतिविधियों की सराहना की।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि यदि उनके व्यस्त कार्यक्रम से समय मिला, तो वे निश्चित रूप से इस कार्यक्रम में भाग लेंगे।

प्रतिनिधिमंडल अनिरुद्ध गुप्ता (अध्यक्ष, अग्रवाल समाज), बद्री विशाल बंसल और हरीश गुप्ता (सलाहकार), और संजय गुप्ता तथा यशस्वी शामिल थे। इस मुलाकात से समाज में हर्ष का माहौल है और सभी को उम्मीद है कि मुख्यमंत्री की उपस्थिति से समारोह की गरिमा और भी बढ़ जाएगी।

संस्कार फ्यूजन का सक्सेस मीट एंड फ्यूचर प्रोजेक्शंस आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न

हैदराबाद, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सामाजिक उत्थान और युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित संगठन संस्कार फ्यूजन ने सक्सेस मीट एंड फ्यूचर प्रोजेक्शंस का भव्य आयोजन डोमलगुड़ा स्थित नीड्ज़ सिक्योरिटी सॉल्यूशंस कार्यालय में सफलतापूर्वक संपन्न किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उत्साहित प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।कार्यक्रम में संगठन की अब तक की उपलब्धियों का उत्सव मनाया गया और भविष्य के लिए सार्थक परियोजनाओं की रूपरेखा पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। आयोजन के दौरान निर्णायक मंडल के सदस्यों को शॉल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। निर्णायकों में श्री नितेश अग्रवाल, श्रीमती बबिता फलौद, श्रीमती मीना पर्तानी, श्रीमती पद्मा तोशनिवाल, श्रीमती पुष्पा तोतला, श्री सूरज बिर्ला, श्रीमती अल्का मिंडा, और श्रीमती प्रतिभा राव शामिल थे, जिन्होंने अपने मार्गदर्शन, समय और समर्पण से कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।इस अवसर पर संस्कार फ्यूजन के मुख्य पदाधिकारी-प्रेसिडेंट श्री भारत चांडा, वाइस प्रेसिडेंट श्री निखिल बाहेती, ट्रेज़रर श्री पूजन अग्रवाल, और सक्रिय टीम सदस्य श्री सागर चांडा, श्री अर्जुन ठवी, श्री राकेश व्यास, श्री जोगेंद्र सिंह, श्री नवीन चंदक, श्री विनोद राठी सहित अन्य युवाओं ने उत्कृष्ट भागीदारी निभाई।संस्कार फ्यूजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं में सामाजिक सेवा की भावना को जागृत करना और उन्हें समाज के प्रति उत्तरदायी बनाना है। संगठन ने निकट भविष्य में युवाओं के लिए और अधिक प्रभावशाली योजनाएं लागू करने का संकल्प लिया है।इस कार्यक्रम ने सिद्ध कर दिया कि एकजुटता और समर्पण के साथ मिलकर कार्य करने से कोई भी लक्ष्य प्राप्त करना संभव है। संस्कार फ्यूजन की यह पहल युवाओं को प्रेरित करने और समाज सेवा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

श्रीराम रेड्डी मल्लारेड्डी बने तेलंगाना हैंडबॉल एसोसिएशन के नए अध्यक्ष

हैदराबाद, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य सड़क विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष, श्रीराम रेड्डी मल्लारेड्डी को सर्वसम्मति से तेलंगाना हैंडबॉल एसोसिएशन का नया अध्यक्ष चुना गया है। यह घोषणा शनिवार, 13 सितंबर 2025 को कोत्तापेट के सुरभि एलीट होटल में आयोजित एसोसिएशन की सामान्य निकाय और कार्यकारिणी समिति की बैठक में की गई।श्री रेड्डी का चुनाव तेलंगाना में हैंडबॉल के विकास और प्रचार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उनकी नियुक्ति से उम्मीद है कि राज्य में खेल को नई दिशा मिलेगी।इस महत्वपूर्ण अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनमें सी. तिरुमल रेड्डी (महासचिव, रंगा रेड्डी जिला), वेंकटेश (अध्यक्ष, रंगा रेड्डी जिला), शिव कुमार (संयुक्त सचिव, हैदराबाद जिला हैंडबॉल एसोसिएशन और दक्षिण एशियाई एम्बेसडर), और एस. पवन कुमार (महासचिव, तेलंगाना हैंडबॉल एसोसिएशन) प्रमुख थे।

बैठक में एसोसिएशन के भविष्य के कार्यक्रमों और हैंडबॉल को जमीनी स्तर पर बढ़ावा देने की रणनीतियों पर भी चर्चा हुई। सभी सदस्यों ने नए अध्यक्ष को बधाई दी और उनके नेतृत्व में तेलंगाना में हैंडबॉल के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हिंदी दिवस 2025 की हार्दिक शुभकामनाएँ
स्थापना: सन् 1935 ई. अमृत महोत्सव वर्ष 2011
हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद
एवं प्रादेशिक सभाएँ
- आंध्र प्रदेश हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद
- महाराष्ट्र हिंदी प्रचार सभा, औरंगाबाद
- कर्नाटक हिंदी प्रचार सभा, गुलबर्गा
- तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद
द्वारा संचालित नागरीबोध, प्रवेश, प्रथमा, मध्यमा, उत्तमा
केंद्रीय सरकार द्वारा एस.एस.सी., इण्टर तथा बी.ए. हिंदी के समकक्ष मान्यता प्राप्त
हिंदी विशारद, हिंदी भूषण, हिंदी विद्वान एवं हिंदी शिक्षक प्रशिक्षण (हिंदी पंडित ट्रेनिंग)
की परीक्षाओं में सम्मिलित होकर राजभाषा हिंदी का ज्ञान बढ़ाइए।

प्रो. चंद्रदेव, अध्यक्ष
श्री एस. गैबुवली, प्रधानमंत्री
प्रो. सुरेश पुरी, परीक्षा मंत्री
स्टेशन रोड, नामपल्ली, हैदराबाद - 500001
फोन नंबर : 040-23201956, 040-23201965
ईमेल: hps1935gmail.com

अग्रसेन जयंती महोत्सव 2025 : बैडमिंटन प्रतियोगिता का शानदार आयोजन आज

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के तत्वावधान में अग्रसेन जयंती महोत्सव 2025 के अंतर्गत बैडमिंटन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन रविवार, 14 सितंबर को किया जा रहा है। यह आयोजन कोटला विजय भास्कर रेड्डी इंडोर स्टेडियम, सिकंदराबाद मेंहोगा, जिसका शुभारंभ प्रातः 9:00 बजे से होगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय पेशेवर टेनिस खिलाड़ी श्रीवल्ली रश्मिका भामिडिपति उपस्थित रहेंगी।

श्री हैदराबाद सिकंदराबाद लोहाणा महाजन
लव फॉर काऊ फाउंडेशन एवं हैदराबाद सुंदरकांड मंडल
के संयुक्त तत्वावधान मे
श्रीमद् भागवत पारायण

देवी स्वीकृतिजी अच्युत रामानुज
रविवार दि. 14 सितम्बर से शनिवार दि.20 सितम्बर 2025
समय : प्रतिदिन दोपहर 2.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक
स्थान : श्री जलाराम बापा मंदिर, बडीचावडी, हैदराबाद
पोथी यात्रा आज रविवार दि. 14 सितम्बर 2025
प्रात: 10.11 बजे 108 कलशो के साथ श्री जलाराम मंदिर से प्रारंभ होकर पुनह श्री जलाराम मंदिर बडीचावडी पहुँचेगी।
सभी सनातन धर्मप्रेमि सादर आमंत्रीत है।
श्रीमद् भागवत पारायण मे पोथी यजमान, प्रतिदिन यजमान, सहयजमान एवं मुख्य यजमान आदि विभिन्न रूप से सहयोग करने के इच्छुक पहले आओ पहले पाओ के रूप मे भाग ले सकेंगे।
For details contact : Rajesh Ramani - 70936 21683, Jasmat Patel - 7288047779, Meenaben Thakkar - 93955 24488
पितृमास मे अपने पितृओ की आत्म कल्याण हेतु श्रीमद् भगवत पारायण मे पाटला पुजा अनुदान मात्र रू. 21 हजार
Watch Live on Youtube Culture Hub Channel
प.पू. डोंग्रेजी महाराज की प्रेरणा से गत 37 वर्षो से जलाराम मंदिर मे राम धुन के साथ प्रतिदिन अन्न प्रसाद का वितरण किया जा रहा है।

राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद निःशुल्क तीसरा अन्नदान केंद्र का उद्घाटन समारोह

राधे राधे ग्रुप
हैदराबाद
राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद का तीसरे अन्नदान केंद्र का भव्य शुभारंभ
सोमवार, दि. 15 सितंबर, 2025 को प्रात: 9.00 बजे
स्थान : इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (BIACH&RI) परिसर, बंजारा हिल्स
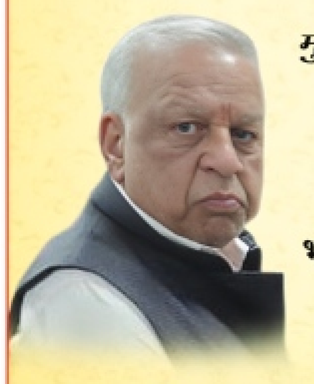
मुख्य अतिथि: प्रसिद्ध समाज सेवी एवं उद्योगपति
श्री नरेंद्रकुमार गोयल
आप सभी सादर आमंत्रित हैं।
राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद का उद्देश्य -
भूखे लोगों को भोजन उपलब्ध करा कर उनकी सेवा करना है।
इस नेक कार्य में हमारा साथ दें और पुण्य कमाएँ।
राधे राधे ग्रुप का नारा : कोई भूखा न रहे!
आयोजक:
सतीश गुप्ता 9246505234 जगतनारायण अग्रवाल 9246535311
रामप्रकाश गोयल 9391014283 महेश अग्रवाल 9849098502

आईआईआरएम, हैदराबाद का दीक्षांत समारोह सम्पन्न

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर ने किया संबोधित
वित्तीय क्षेत्र की मजबूती के लिए बीमा की भूमिका पर जोर

हैदराबाद, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय बीमा एवं जोखिम प्रबंधन संस्थान (आईआईआरएम), हैदराबाद ने 13 सितंबर को शेरेटन होटल, गचीबोवली में अपना दीक्षांत समारोह आयोजित किया। इस समारोह में पीजीडीएम 2023-25 बैच के छात्रों को उपाधियाँ प्रदान की गई।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर श्री एम. राजेश्वर राव ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में भाग लिया और दीक्षांत भाषण दिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, वित्तीय क्षेत्र की सुदृढ़ता, वास्तविक क्षेत्रों में विकास की आकांक्षाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। विकासशील भारत के हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने में बीमा क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है।उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए वित्तीय क्षेत्र के भविष्य के लिए स्थायी वित्त, प्रभावी जोखिम प्रबंधन और नेतृत्व के महत्व पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के सदस्य (वित्त एवं निवेश) श्री राजय कुमार सिन्हा भी उपस्थित थे। उन्होंने बीमा और वित्तीय सेवा उद्योग में उभरते अवसरों पर प्रकाश डाला और छात्रों को अपनी पेशेवर यात्रा में नवाचार और अनुकूलनशीलता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।समारोह में आईआईआरएम के निदेशक, संकाय सदस्यों, छात्रों के अभिभावकों और उद्योग जगत के कई दिग्गजों ने भी भाग लिया। सभी ने स्नातक छात्रों की उपलब्धियों की सराहना की।

सद्गुरु स्वतंत्र देव जी महाराज ने प्रधानमंत्री मोदी से की शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विहंगम योग संस्थान के वर्तमान सद्गुरु, स्वतंत्र देव जी महाराज, ने 10 सितंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई, जिसमें दोनों के बीच देश और समाज के हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।सद्गुरु महाराज ने देश को वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से राष्ट्र की रक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और विश्व मंच पर भारत की गरिमा बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा उठाए गए साहसी और निर्णायक कदमों के लिए उन्हें साधुवाद दिया। उन्होंने राष्ट्र की निरंतर प्रगति और विकास के लिए अपनी शुभकामनाएँ भी व्यक्त कीं।

इस भेंट के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने विहंगम योग संस्थान और वाराणसी स्थित स्वर्वेद महामंदिर धाम के कार्यों में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने सद्गुरु से महामंदिर की विशेषताओं के बारे में और अधिक जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने संत प्रवर श्री विज्ञान देव जी महाराज की कश्मीर से कन्याकुमारी तक की भारत-यात्रा के विषय में भी विशेष रूप से जानकारी ली और इस राष्ट्रीय यात्रा के महत्व को रेखांकित किया।सद्गुरु स्वतंत्र देव जी महाराज ने प्रधानमंत्री को विहंगम योग द्वारा देश-विदेश में चलाए जा रहे आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और जनकल्याणकारी कार्यों की संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने अपनी हाल की अमेरिका, कनाडा और यूरोप यात्रा का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे भारतीय अध्यात्म और योग परंपरा का वैश्विक स्तर पर प्रसार और सम्मान बढ़ रहा है।

यह मुलाकात अत्यंत आत्मीय और सकारात्मक रही। सद्गुरु ने अंत में राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य और प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु के लिए मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं।

फेरो ऑयलटेक को राष्ट्रीय पुरस्कार

फलोदी (राजस्थान) 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। निर्यात क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (एएझउ खपवळर) ने फेरो ऑयलटेक प्राइवेट लिमिटेड को वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार कंपनी को लघु उद्यम श्रेणी में खाद्य प्रसंस्करण मशीनरी और उपकरणों के निर्यात में उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया। यह उपलब्धि मरुधर की धरती फलोदी के लिए गर्व का क्षण है।

पुरस्कार वितरण समारोह नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया की प्लैटिनम जुबली समारोह के दौरान संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने की, जबकि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल मुख्य अतिथि, और केंद्रीय राज्यमंत्री श्री जितिन प्रसाद तथा वाणिज्य सचिव श्री सुनील बर्थवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (उएज) श्री जेनेन्द्र बोहरा ने इस गरिमामय पुरस्कार को ग्रहण किया।

पुरस्कार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा, यह सम्मान हमारी पूरी टीम की कड़ी मेहनत, गुण-वत्ता के प्रति प्रतिबद्धता और निरंतर नवाचार का परिणाम है। यह केवल हमारी कंपनी का नहीं, बल्कि पूरे फलोदी क्षेत्र का गौरव है।

फेरो ऑयलटेक प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना वर्ष 2000 में श्री रामनिवास बोहरा द्वारा महाराष्ट्र के अंबरनाथ (ठाणे) में की गई थी। कंपनी ने अपनी स्थापना से ही उच्च गुणवत्ता, तकनीकी नवाचार, और समयबद्ध आपूर्ति को प्राथमिकता देते हुए यह मुकाम हासिल किया है। आज उनकी आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण मशीनें भारत के साथ-साथ एशिया, अफ्रीका, और यूरोप के कई देशों में सफलतापूर्वक निर्यात की जा रही हैं।

लॉर्ड वेन्स स्कूल की छात्रा वर्षिणी को बालरत्न बेस्ट डांसर अवार्ड

हैदराबाद, 13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

घांसी बाजार के लॉर्ड वेन्स मॉडल हाई स्कूल की चौथी कक्षा की छात्रा सौ. वर्षिणी को बालरत्न बेस्ट डांसर का सम्मान मिला है। उन्हें यह पुरस्कार कला के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया गया।

यह कार्यक्रम जगतियाल के विरुपाक्ष फंक्शन हॉल में आयोजित किया गया था, जहाँ पूर्व मंत्री टी. जीवन रेड्डी ने वर्षिणी को सम्मानित किया। इस अवसर पर एल. रमणा सिंह, वरिष्ठ शिवारेड्डी, कला निकेतन के अध्यक्ष एल. गैरी, एर्रा राजेंद्र प्रसाद और एम. रविकुमार जैसे गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे, जिन्होंने वर्षिणी को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया।

वर्षिणी के अलावा, इसी स्कूल के छात्र दीपक कुमार को भी एक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में वर्षिणी अपने माता-पिता, प्रवीण कुमार और श्रीमती मधुसूधा के साथ उपस्थित थीं।

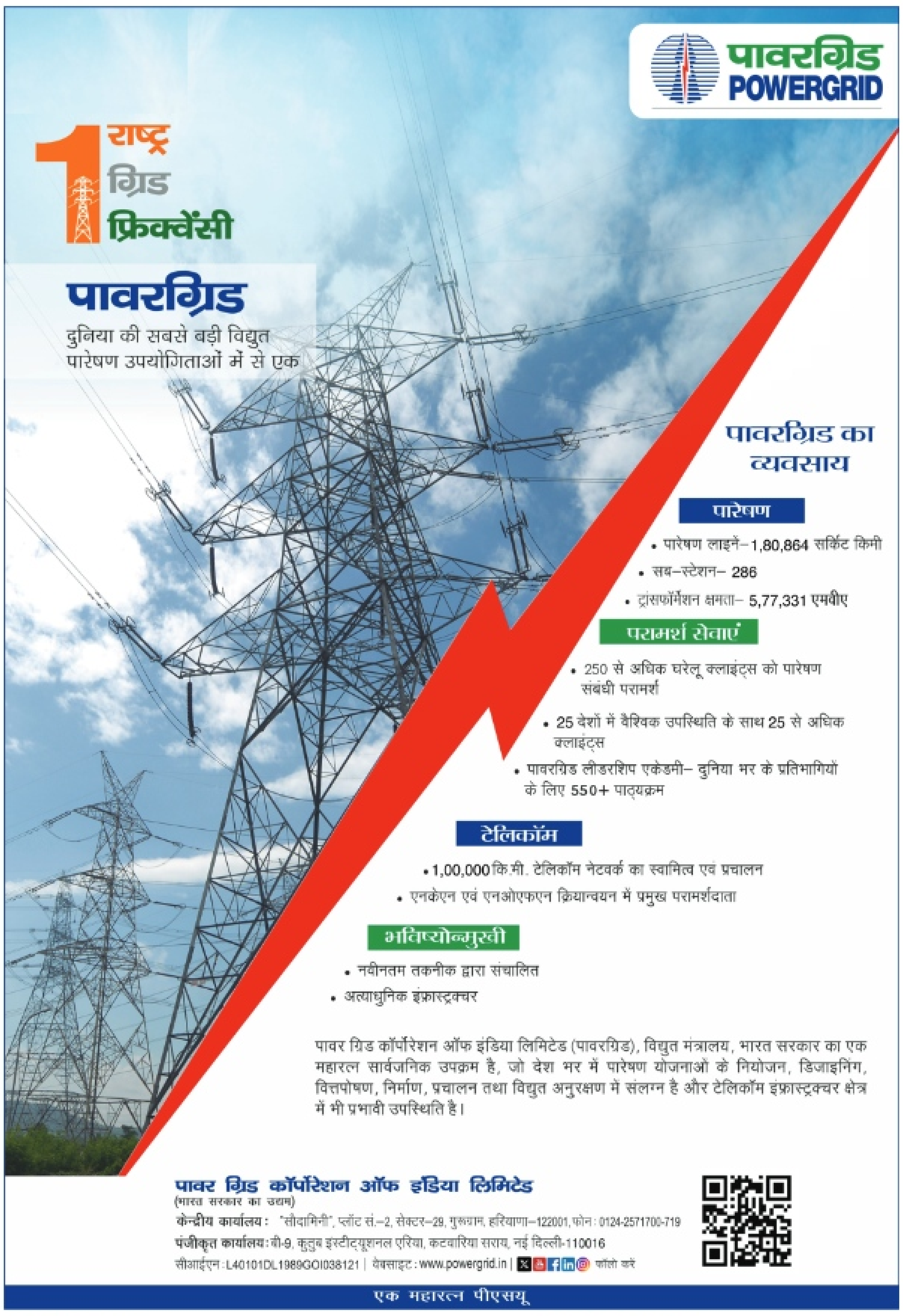

नेत्रा एवं नव्या अग्रवाल के जन्मदिन पर किया अन्नदान

हैदराबाद, 13 सितंबर 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिल्लर नंबर 1265 के पास नेत्रा अग्रवाल और नव्या अग्रवाल के जन्म दिन के उपलक्ष्य पर अन्नदान किया गया।

नियमित अन्नदान की आज की सेवा रुचि अग्रवाल परिवार की और से की गई।

रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल,रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल,ई–जगन चम्पापेट, मनोज शर्मा, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता,महेश गुप्ता, भगतराम गोयल, गोपाल गोयल, राजेश नथानी,अनिता नथानी, नंदकिशोर अग्रवाल, संजय गोयल,सुरेश डालमिया आदि उपस्थित थे।

श्री राम दरबार पंचायतीबाड़ा के पुजारी भगवान दास वैष्णव के निधन पर सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में समाज के सभी सदस्यों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। भगवान दास वैष्णव का परिवार चार पीढ़ियों से श्री राम दरबार में पूजा–अर्चना करता आ रहा था। उनका स्वभाव अत्यंत सहनशील और हंसमुख था, और वे हमेशा सबकी सेवा के लिए तत्पर रहते थे। उनके इन्हीं गुणों के कारण उन्होंने समाज के दिलों में एक गहरी और अमिट छाप छोड़ी। आप सिखवाल ब्राह्मण समाज हैदराबाद के पांचपट्टी के गुरु थे। अवसर पर परिवार के सदस्य एवं स्वजाति बंधु उपस्थित थे।

एमवीआई ग्रेटर हैदराबाद महिला क्लब ने किया अनेकता में एकता फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन

हैदराबाद13 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एमवीआई ग्रेटर हैदराबाद महिला क्लब ने हाल ही में अनेकता में एकता थीम पर आधारित एक फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस मनोरंजक कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने मिलकर उत्साहपूर्वक भाग लिया।प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका के लिए भाग्य नगर क्लब की अध्यक्ष श्रीमती सपना गुप्ता को आमंत्रित किया गया। क्लब ने उन्हें शॉल और भेंट देकर सम्मानित किया।इस प्रतियोगिता में श्रीमती दिव्या विकास गुप्ता ने प्रथम स्थान, श्रीमती बीना गुप्ता ने द्वितीय स्थान और श्रीमती श्वेता आशीष गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।कार्यक्रम में श्रीमती रश्मि गुप्ता, सुनीता गुप्ता, कविता गुप्ता, भारती, ज्योति, पूजा, दमयंती, कृतिका, पूनम और अन्य सदस्यों ने भी भाग लिया, जिन्होंने मिलकर इस आयोजन को सफल बनाया।

बेगम बाजार पर राधे राधे ग्रुप ने किया अन्नदान

हैदराबाद, 13 सितंबर 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को बेगम बाजार भूदेवी माता मंदिर के समीप स्थित गौशाला के पास नियमित अन्नदान किया गया।

आज की सेवा श्री विनोद कुमार अग्रवाल परिवार की और से की गई। अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल,रवि अग्रवाल,विनोद तोषनीवाल, गोविंद राम पचेरीया, सुनील,अरुण विजयवर्गीय,शिव भगवान, नीलम विजयवर्गीय,लता गोयल,मीना अग्रवाल, मनोज शर्मा, आशीष एवं किशन पाल सहित बड़ी संख्या में राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा सात दिवसीय श्रीकृष्ण कथा आज से

हैदराबाद, 13 सितंबर 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा हैदराबाद के अत्तापुर में सात दिवसीय श्रीकृष्ण कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह पावन कार्यक्रम 14 से 20 सितंबर 2024 तक प्रतिदिन शाम 3:30 बजे से 7:00 बजे तक श्री चिन्ना अनन्तगिरि शिवालयम्, पिल्लर नं. 143, में आयोजित होगा।इस कथा का उद्देश्य भगवान कृष्ण की लीलाओं और उनकी महिमा का वर्णन कर श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा और शांति प्रदान करना है। कथा का वाचन प्रसिद्ध कथा वाचिका साध्वी आस्था भारती जी करेंगी, जो अपने अद्वितीय अंदाज में भगवान कृष्ण की कथाओं को जीवंत करेंगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.